महानगर नई दिल्ली सोमवार 13 अप्रैल, 2020, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

दिल्ली में बेहद संक्रमित दस और इलाके सील, कुल संख्या 43

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को दस और जगहों को कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित इलाकों (हॉटस्पॉट) घोषित कर दिया गया जिससे इनकी संख्या बढ़कर 43 हो गई है। इनमें से 12 ऐसे इलाके दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में हैं। सोमवार को शहर में ऐसे 33 इलाके थे। संबंधित जिला अधिकारियों ने उन इलाकों को सील करना शुरू कर दिया है ताकि कोरोना के प्रसार को रोका जा सके।

12 जगहें दक्षिण पूर्वी दिल्ली की हैं सर्वाधिक प्रभावित इलाकों में

दिल्ली सरकार के एक अधिकारी के अनुसार, मुख्य सचिव विजय देव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे ऐसे इलाकों की सख्त निगरानी करें और सभी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करें। पूर्वी दिल्ली में नौ ऐसे इलाके हैं जबकि शाहदरा में पांच और पश्चिम दिल्ली में चार इलाके हैं। दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम और मध्य दिल्ली में तीन-तीन ऐसे इलाके हैं। नई दिल्ली और उत्तरी जिलों में दो-दो ऐसे इलाके हैं।

इसके अलावा वसुंधरा एन्क्लेव में मंसारा अपार्टमेंट, पांडव नगर में गली संख्या नौ और मयूर विहार फेज -1 एक्सटेंशन में वर्धमान अपार्टमेंट इन प्रभावित बाकी पेज 8 पर

24 घंटे में संक्रमण के 918 मामलों की पुष्टि

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

चौबीस घंटे के दौरान कोरोना विषाणु संक्रमण के अब तक के सबसे अधिक 918 मामलों की पुष्टि हुई है। संक्रमण के इन मामलों को मिलाकर देश में रविवार शाम तक संक्रमितों की संख्या 8,447 तक पहुंच गई है। वहीं, इस महामारी से 273 लोग अपनी जान गवा चुके हैं जिनमें से 31 की पुष्टि एक दिन में हुई है। देश में 7,409 मरीजों का इलाज चल रहा है जबकि 764 मरीजों को स्वस्थ लाभ मिल चुका है। महाराष्ट्र के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में संक्रमितों की संख्या एक हजार के पार पहुंच चुकी है।

19 दिन

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार शाम पांच बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक चौबीस घंटे में मरने वालों में महाराष्ट्र के 17, दिल्ली के पांच, मध्य प्रदेश के तीन, गुजरात के तीन, तमिलनाडु के दो और उत्तर प्रदेश का एक मरीज शामिल है।

अब तक सबसे ज्यादा मौत महाराष्ट्र में हुई हैं जिनकी संख्या बाकी पेज 8 पर

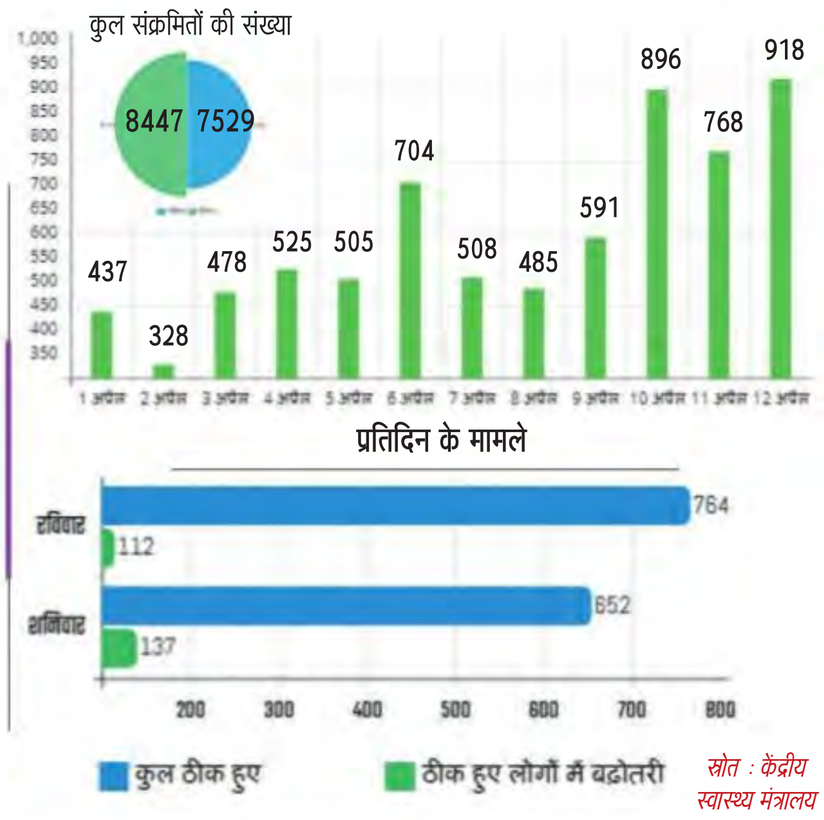

स्रोत : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय

ब्रिटेन में भी मृतकों की संख्या दस हजार के पार

रोम/पेरिस/लंदन, 12 अप्रैल (एएफपी)।

विश्व में कोरोना से मरने वालों की संख्या रविवार को एक लाख नौ हजार के आंकड़े को पार कर गई। अमेरिका, इटली, स्पेन और फ्रांस के बाद रविवार को ब्रिटेन में भी मतकों की संख्या दज हजार से ज्यादा हो गई। इस बीच, दुनियाभर में करोड़ों लोगों ने लॉकडाउन के बीच अपने घरों में ही रहकर ईस्टर मनाया। इटली बाकी पेज 8 पर

लोगों ने पूर्णबंदी के बीच मनाया ईस्टर, चार अरब से ज्यादा लोग रह रहे हैं पूर्णबंदी में

जॉनसन को अस्पताल से मिली छुट्टी

लंदन, 12 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना संक्रमण के लक्षण पाए जाने के बाद लंदन के सेंट थॉमस अस्पताल में भर्ती किए गए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को रविवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जॉनसन ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को धन्यवाद बाकी पेज 8 पर

पीएम केयर्स फंड के खिलाफ अर्जी पर सुनवाई आज

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना महामारी से निपटने के लिए पीएम केयर्स फंड बनाने के केंद्र के फैसले को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। याचिका में इस कोष की स्थापना के केंद्र के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया गया।

केंद्र ने 28 मार्च को इस कोष की स्थापना की थी। इसका मकसद मौजूदा कोरोना महामारी जैसी किसी भी तरह की आपातकालीन स्थिति से निपटना और प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करना है। प्रधानमंत्री इस कोष के पदेन अध्यक्ष हैं और रक्षा, गृह तथा वित्त मंत्री इसके पदेन न्यासी हैं।

प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव तथा न्यायमूर्ति एमएम शांतानागौदर का पीठ वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए करेगा सुनवाई।

प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव तथा न्यायमूर्ति एमएम शांतानागौदर का पीठ वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस जनहित याचिका की सुनवाई करेगी। यह याचिका वकील एमएल शर्मा ने दायर की है। जनहित याचिका में कहा बाकी पेज 8 पर

पटियाला में पुलिस पर हमला एएसआइ का हाथ काटा

पांच निहंग हमलावरों सहित सात को गुरुद्वारे से किया गिरफ्तार

पटियाला/चंडीगढ़, 12 अप्रैल (जनसत्ता/भाषा)।

पंजाब में पूर्णबंदी व कर्फ्यू के बीच रविवार को निहंगों के एक समूह ने वाहन रोकने पर पटियाला जिले में पुलिस पर हमला किया और तलवार से एक अधिकारी का हाथ काट दिया। हमले में दो अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह सवा छह बजे निहंगों के समूह ने पुलिस दल पर हमला तब किया जब उनसे पटियाला जिले में एक सब्जी मंडी में कर्फ्यू पास दिखाने को कहा गया। पांच हमलावरों सहित सात लोगों को घटना के कुछ घंटे बाद मुठभेड़ के बाद सनौर नगर के एक गुरद्वारे से गिरफ्तार कर लिया गया जहां वे छिपे हुए थे।

पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार व्यक्तियों में से एक व्यक्ति को गोली लगी है। इससे पहले हुई घटना में एक मंडी अधिकारी भी घायल हो गया। सोशल मीडिया पर आए एक वीडियो में सहायक उपनिरीक्षक हरजीत सिंह मदद मांगते हुए दिखाई देते हैं। एक व्यक्ति कटा हाथ उठाकर अधिकारी को देता है। उन्हें इसके बाद उन्हें एक दुपहिया वाहन से वहां से ले जाया जाता है।

पुलिस ने कहा कि एएसआइ को पास के राजिंद्र अस्पताल ले जाया गया और फिर वहां से चंडीगढ़ पीजीआइएमईआर रेफर कर दिया गया, जहां उनकी सर्जरी की जा रही है। अन्य घायल पुलिसकर्मियों में सदर पटियाला के थाना प्रभारी भी शामिल हैं। पूरे पंजाब में पूर्णबंदी व कर्फ्यू लागू है, थोक बाजार के बाहर अवरोधक लगाए गए हैं और केवल कर्फ्यू पास धारकों को ही प्रवेश की इजाजत है।

पुलिस ने बताया कि 'निहंगों' (परंपरागत हथियार रखने वाले और लंबी नीली कमीज पहनने वाले सिख) का एक समूह एक एसयूवी वाहन में पहुंचा और मंडी के अधिकारियों ने उन्हें रुकने के लिए कहा। पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मनदीप सिंह सिद्धू ने कहा, 'उनसे (कर्फ्यू) पास बाकी पेज 8 पर

मुठभेड़ के दौरान तैनात कमांडो।

चिकित्सकों ने एएसआइ का हाथ फिर से जोड़ा

अधिकारियों ने देर शाम बताया कि चिकित्सकों ने सफल सर्जरी कर एएसआए का हाथ फिर से जोड़ दिया। इससे पहले डीजीपी गुप्ता ने ट्वीट किया कि घायल एएसआइ की चंडीगढ़ में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) में सर्जरी की जा रही है। मैंने पीजीआइ के निदेशक से बात की है जिन्होंने सर्जरी के लिए पीजीआइ के शीर्ष प्लास्टिक सर्जन को लगाया है। निहंग समूह को गिरफ्तार किया जाएगा और आगे की कार्रवाई जल्द की जाएगी।

"गुरद्वारे से तीन पिस्तौल, पेट्रोल बम, तलवारें, चूरा पोस्त की बोरियां और एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए हैं। हमने उन्हें आत्मसमर्पण करने का अनुरोध किया लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।
-दिनकर गुप्ता, पुलिस महानिदेशक पंजाब

"पुलिस महानिरीक्षक (पटियाला जोन) के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में पुलिस ने गुरद्वारे से एक किलोमीटर दूर लोगों की आवाजाही रोक दी और उसे घेर लिया।इस अभियान में पंजाब पुलिस का विशेष अभियान समूह भी शामिल था।
- बीएस सिद्धू, विशेष मुख्य सचिव पंजाब

पाकिस्तानी फौज ने भारतीय सैन्य चौकियों पर की गोलाबारी

आठ साल के बच्चे समेत तीन की मौत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के पास दो सेक्टरों में पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी में आठ साल के एक बच्चे समेत तीन स्थानीय नागरिक मारे गए। उत्तरी कश्मीर के तंगधार और करनाह सेक्टरों में पाकिस्तान ने शनिवार रात से ही संघर्षविराम उल्लंघन करते हुए गोले बरसाने शुरू कर दिए, जो रविवार दिन भर जारी रही। मारे गए लोगों की पहचान कर ली गई बाकी पेज 8 पर

नागरिक इलाकों में कई मकान ध्वस्त, फसलों को नुकसान

भारतीय कार्रवाई में मारे गए 15 फौजी और आठ आतंकी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

जम्मू-कश्मीर के केरन सेक्टर के पार नियंत्रण रेखा (एलओसी) के नजदीक पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में भारतीय सेना ने आतंकवादियों के कई शिविर (लांच पैड) तबाह कर दिए। सैन्य खुफिया एजंसी ने रिपोर्ट दी है कि बीते 10 अप्रैल को पीओके में तोपखाने से की गई कार्रवाई में आठ आतंकवादी और पाकिस्तानी सेना के 15 जवान मार गिराए गए।

सैन्य खुफिया एजंसी के मुताबिक, 10 अप्रैल को दुधनियाल में तोपों से गोले दाग कर तबाह किए गए आतंकी शिविर

भारतीय सेना ने केरन सेक्टर के उस पार किशनगंगा नदी के किनारे पीओके में दुधनियाल बाकी पेज 8 पर

भारत की वृद्धि दर 1.5 से 2.8 फीसद के बीच रहेगी : विश्व बैंक

वाशिंगटन, 12 अप्रैल (भाषा)।

विश्व बैंक ने कहा है कि कोरोना महामारी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त झटका दिया है। इससे देश की अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन 1991 के उदारीकरण के बाद सबसे खराब रहेगा।

विश्व बैंक ने रविवार को 'दक्षिण एशिया की अर्थव्यवस्था' पर केंद्रित रिपोर्ट में कहा कि 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर घटकर 1.5 से 2.8 फीसद के बीच रहेगी। इसमें कहा है कि 2019-20 में भारतीय अथव्यवस्था की वृद्धि दर 4.8 से 5 फीसद के बीच रहेगी। इसके मुताबिक कोविड-19 का झटका ऐसे समय लगा है जब वित्तीय क्षेत्र पर दबाव की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था में पहले से ही सुस्ती है। इस महामारी पर अंकुश के लिए सरकार ने देशव्यापी पाबंदी लागू की है। इससे लोगों की आवाजाही रुक गई है और वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

विश्व बैंक ने रविवार को 'दक्षिण एशिया की अर्थव्यवस्था' पर केंद्रित रिपोर्ट में कहा 2019-20 में भारतीय अथव्यवस्था की वृद्धि दर 4.8 से 5 फीसद के बीच रहेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक कोविड-19 की वजह से घरेलू आपूर्ति और मांग प्रभावित होने से 2020-21 में आर्थिक वृद्धि दर घटकर 1.5 से 2.8 फीसद रह जाएगी। वैश्विक स्तर पर जोखिम बढ़ने के बाकी पेज 8 पर

पूर्णबंदी का उल्लंघन करती पाई गई उरुग्वे की महिला राजनयिक

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

पूर्णबंदी के दौरान दिल्ली में बिना मास्क और दस्ताने पहने सड़क पर साइकिल चला रही उरुग्वे की एक महिला राजनयिक को जब पुलिस ने रोका, तब वह अधिकारियों से भिड़ गईं। पुलिस वालों ने जब उन्हें पूर्ण बंदी के नियम बताए तो वह पुलिस अधिकारी से ही भिड़ गईं और बहस करनी शुरू कर दी।

गृह मंत्रालय ने इस मामले की जानकारी विदेश मंत्रालय को भेजी है। वहां से महिला राजनयिक के बारे में शिकायत उरुग्वे की सरकार को भेजने की तैयारी की जा रही है। विदेश मंत्रालय ने बाकी पेज 8 पर

दरअसल

अस्पताल में सबसे कम उम्र की मरीज है ये बच्ची

संघर्ष

जल्द ही स्वस्थ होने, अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद

कोरोना विषाणु से बहादुरी से लड़ रही तीन माह की बच्ची

इंदौर, 12 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस संक्रमण के बाद स्थानीय अस्पताल के पृथक वॉर्ड में पिछले आठ दिन से भर्ती महज तीन महीने की एक बच्ची कोविड-19 का बहादुरी से मुकाबला कर रही है और संक्रमण मुक्त होने की दिशा में तेजी से बढ़ रही है। जल्द ही उसके स्वस्थ हो जाने और अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सैम्स) में सीना रोग विभाग के प्रमुख डॉ. रवि डोसी ने रविवार को बताया, कोविड-19 के मरीजों के लिए बनाए गए पृथक वॉर्ड में भर्ती तीन महीने की यह बच्ची हमारे अस्पताल में सबसे कम उम्र की मरीज है। उन्होंने कहा कि बच्ची अपने परिवार के अन्य सदस्यों के संपर्क में आने की वजह से कोविड-19 संक्रमित हुई। उसका 12 साल का भाई कोरोना वायरस से संक्रमित है। लेकिन हैरत की बात है कि बच्ची की 28 वर्षीय मां जांच में कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाई गई।

डोसी ने बताया, इलाज के बाद बच्ची की सेहत ठीक है और इसमें लगातार सुधार हो रहा है। हमें पूरी उम्मीद है कि वह जल्द ही कोविड-19 के संक्रमण से मुक्त होकर अपनी मां के साथ घर चली जाएगी। सैम्स के शिशु रोग विभाग की प्रमुख डॉ. स्वाति मुल्ये ने बताया कि कोविड-19 से संक्रमित पाई गई बच्ची चार अप्रैल को अस्पताल में भर्ती हुई थी। उन्होंने बताया, इलाज के साथ ही हम इस नन्ही मरीज के पोषण का भी ख्याल रख रहे हैं। दवाइयों के असर के कारण वह इस बीमारी से तेजी से उबर रही है। मुल्ये ने बताया कि मेडिकल प्रोटोकॉल के मुताबिक कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर बच्ची की दो और जांच की जाएगी। अगर वह लगातार दोनों जांचों में इस महामारी से संक्रमित नहीं मिलती है, तो उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

बच्ची की मां ने बताया कि तीन महीने की बेटी के साथ उनका 12 साल का बेटा भी 'सैम्स' के कोविड-19 वॉर्ड में भर्ती है। उन्होंने बताया, हमारे परिवार के कुछ और सदस्य भी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और मेरे जेठ की आठ दिन पहले मौत हो चुकी है।

"पृथक वॉर्ड में भर्ती तीन महीने की यह बच्ची हमारे अस्पताल में सबसे कम उम्र की मरीज है। बच्ची अपने परिवार के अन्य सदस्यों के संपर्क में आने की वजह से कोविड-19 संक्रमित हुई। लेकिन हैरत की बात है कि बच्ची की 28 वर्षीय मां जांच में कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाई गई।
-डॉ. रवि डोसी

इस बीच, बच्ची की मां ने बताया कि तीन महीने की बेटी के साथ उनका 12 साल का बेटा भी सैम्स के कोविड-19 वॉर्ड में भर्ती है। उन्होंने बताया, हमारे परिवार के कुछ और सदस्य भी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और मेरे जेठ की आठ दिन पहले मौत हो चुकी है। 28 वर्षीय महिला ने भावुक लहजे में कहा, दुआ कीजिए कि मेरे परिवार के लोगों सहित कोविड-19 के सभी मरीजों को इस महामारी से जल्द मुक्ति बाकी पेज 8 पर

www.readwhere.com

इंदौर में दो और मरीजों ने तोड़ा दम, 32 पहुंची संख्या

इंदौर, 12 अप्रैल (भाषा)।

देश में कोरोना विषाणु के प्रकोप से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में शामिल मध्य प्रदेश के इंदौर में इस महामारी की चपेट में आए 70 वर्षीय बुजुर्ग समेत दो और मरीजों की मौत का रविवार को खुलासा किया गया। इसके साथ ही, शहर में इस संक्रमण के कारण दम तोड़ने वाले मरीजों की तादाद बढ़कर 32 हो गई है। फिलहाल शहर में कोविड-19 के मरीजों की मृत्यु दर 10.74 फीसद है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि शहर में कोविड-19 के मरीजों की मृत्यु दर पिछले कई दिन से राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले कहीं ज्यादा बनी हुई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रवीण जड़िया ने संवाददाताओं को बताया कि शहर के विभिन्न इलाकों में रहने वाले 70 वर्षीय पुरुष और 65 वर्षीय पुरुष ने एक सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा था। अधिकारी ने दोनों मरीजों की मौत की तारीख का हालांकि फिलहाल खुलासा नहीं किया है, लेकिन उन्होंने बताया, दोनों मरीजों की मौत के बाद प्रयोगशाला से आई जांच रिपोर्ट में वे कोरोना विषाणु से संक्रमित पाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि शहर में पिछले 48 घंटे के दौरान कोरोना विषाणु के जो 49 नए मरीज मिले हैं, उनमें निजी अस्पताल का एक डॉक्टर और एक नर्स भी शामिल हैं। इसके बाद शहर में इस महामारी के मरीजों की तादाद बढ़कर 298 पर पहुंच गई है। इनमें से 32 लोग इलाज के दौरान दम तोड़ चुके हैं।

गुजरात में बुजुर्ग की मौत, संख्या हुई 23

अमदाबाद, 12 अप्रैल (भाषा)।

शहर में 75 साल के एक बुजुर्ग की कोरोना विषाणु संक्रमण के कारण हुई मौत के बाद प्रदेश में इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि राज्य में संक्रमण के 25 नए मामले सामने आए हैं और इन्हें मिलाकर राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 493 हो गई है। राज्य की प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य) जयंती रवि ने कहा कि व्यक्ति की मौत शनिवार देर रात यहां एलजी अस्पताल में हुई। उन्होंने कहा कि वह हाइपरटेंशन से पीड़ित था। इसके साथ ही अमदाबाद में कोरोना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है।

संक्रमित व्यक्ति के शव को दफनाने का विरोध

रांची (झारखंड), 12 अप्रैल (भाषा)।

रांची में कोरोना संक्रमण से मरने वाले 65 वर्षीय एक व्यक्ति के शव को दफनाए जाने का यहां बरियातू रोड और फिर रातू रोड कब्रिस्तान के बाहर लोगों ने विरोध किया। रिम्स अस्पताल में इस व्यक्ति की मौत होने के बाद हिंदीपीढी के इस व्यक्ति के शव को पास के बरियातू कब्रिस्तान में दफनाने की तैयारी की गई लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के बाद प्रशासन ने रातू रोड स्थित कब्रिस्तान में उसे दफनाने की तैयारी की। हालांकि, इसकी यहां भी बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जमा हो गए और शव को दफनाने का विरोध किया। विरोध कर रहे लोगों ने कहा कि इससे उनके बच्चों के स्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न होगा।

छत्तीसगढ़ : सात लोगों में कोरोना विषाणु संक्रमण की पुष्टि

कोरबा, 12 अप्रैल (भाषा)। छत्तीसगढ़ में कोरबा जिले के कटघोरा में कोरोना विषाणु संक्रमण के सात अन्य मामलों की पुष्टि हुई है। अभी तक शहर के 16 लोगों में इस विषाणु की पुष्टि हुई है। राज्य में कुल 25 लोगों में कोरोना विषाणु संक्रमण की पुष्टि हुई है जिनमें से 10 लोगों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। कोरबा जिले के अधिकारियों ने रविवार को यहां बताया कि कटघोरा शहर के पुरानी बस्ती इलाके से सात लोगों में कोरोना विषाणु संक्रमण की पुष्टि की गई है। अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों में कोरोना विषाणु संक्रमण की पुष्टि की गई है, वे सभी पिछले दिनों पुरानी बस्ती के मस्जिद में रह रहे तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल हुए 16 सदस्यों के संपर्क में आए थे।

पटना में रविवार को कोरोना संक्रमण से मुक्त हुए दो मरीज विजयी चिन्ह दिखाते हुए।

मध्य प्रदेश में सात और संक्रमित ठीक हुए, डॉक्टरों ने ताली बजाकर विदा किया

इंदौर, 12 अप्रैल (भाषा)।

मध्य प्रदेश में सात और मरीजों ने कोरोना वायरस को रविवार को मात दे दी। इसके साथ ही, इंदौर के अस्पतालों में इलाज के बाद कोरोना वायरस के संक्रमण से मुक्त होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 35 हो गई है।

अधिकारियों ने बताया कि शासकीय मनोरमा राजे टीबी (एमआरटीबी) चिकित्सालय में भर्ती तीन महिलाओं और चार पुरुष संक्रमितों को अस्पताल से छुट्टी दी गई। इन संक्रमितों की लगातार दो बार कोरोना वायरस की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ होने पर जिन सात मरीजों को एमआरटीबी चिकित्सालय से छुट्टी दी गई, उनमें से दो लोग पड़ोसी खरगोन जिले के रहने वाले हैं। इनमें से एक व्यक्ति पिछले माह पेरिस से खरगोन लौटा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक संक्रमण मुक्त हुए इन सात लोगों को अस्पताल से छुट्टी दिए जाने पर डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने ताली बजाकर खुशी जताई।

कोरोना संकट में भी अधिक बुआई के लिए किसान बधाई के पात्र : नायडू

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैसा नायडू ने कोरोना संकट के दौरान धान, दलहन, तिलहन और अन्य मोटे अनाजों की बुआई औसत से अधिक करने के लिए देश के किसानों के साहस और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए इसे सभी के लिए अनुकरणीय बताया है।

नायडू ने रविवार को ट्वीट कर कहा, 'मैं देश के किसान भाइयों के अदम्य साहस और राष्ट्र निष्ठा का अभिनंदन करता हूं, जिन्होंने कोविड-19 के संक्रमण के बावजूद भी, पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 37 फीसद अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई की है।' उन्होंने कहा, 'यह हर्ष का विषय है कि कठिन परिस्थितियों में भी धान, दलहन, तिलहन और अन्य मोटे अनाजों की बुआई औसत से 31 फीसद अधिक हुई है।' नायडू ने उम्मीद जताई कि राज्य, खाद और कीटनाशकों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के अतिरिक्त खेती के अन्य उपकरणों की उपलब्धता को भी सरल और सुचारू बनाएंगे।

उपराष्ट्रपति ने राज्य सरकारों से कृषि उपज की खरीद प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कृषि उपज विपणन कानून (एपीएमपी) में जरूरी बदलाव करने की भी अपील की। उन्होंने कहा, 'मैं आश्वस्त हूं कि राज्य, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह के अनुसार एपीएमसी कानून में जरूरी बदलाव करेंगे जिससे किसानों के लिए उनके उत्पाद की बिक्री को सरल बनाया जा सके। मंडियों में बिना भीड़ लगाए, किसान अपने उत्पाद को सीधे ग्राहक को बेच सकें।'

कहा संक्रमण के बावजूद, पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 37 फीसद अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई की है

अंतरिक्ष अनुसंधान में वैज्ञानिकों की उपलब्धियां उल्लेखनीय : उपराष्ट्रपति ने अंतरिक्ष में मानव की उड़ान को सफल बनाए जाने की याद में मनाए जाने वाले 'इंटरनेशनल डे ऑफ ह्यूमन स्पेस फ्लाइट' की शुभकामनाएं देते हुए अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारतीय वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को उल्लेखनीय बताया। नायडू ने ट्वीट कर कहा, 'इंटरनेशनल डे ऑफ ह्यूमन स्पेस फ्लाइट के अवसर पर अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थाओं, वैज्ञानिकों और यूरी गागरिन जैसे अंतरिक्ष यात्रियों का अभिनंदन करता हूं जिनके प्रयासों से अंतरिक्ष और खगोल शास्त्र के क्षेत्र में हमारे ज्ञान में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।'

गौरतलब है कि 12 अप्रैल 1961 को तत्कालीन सोवियत संघ के अंतरिक्ष विज्ञानी यूरी गागरिन की अगुआई में पहले अंतरिक्ष यान ने उड़ान भरी थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस उपलब्धि को यादगार बनाने के लिए सात अप्रैल 2011 को हर साल 12 अप्रैल को 'इंटरनेशनल डे ऑफ ह्यूमन स्पेस फ्लाइट' के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

The Indian EXPRESS
Classifieds
FROM ANYTHING TO EVERYTHING.

CLASSIFIED AD DEPOT (CAD)
Book classified ads at your nearest Express Group's authorised Classified Ad Depots

EAST
PATPARGANJ : CHAVI ADVERTISERS, Ph.: 9899701024, 22090987, 22235837, **PREET VIHAR :** AD BRIDGE COMMUNICATION, Ph.: 9810029747, 42421234, 22017210, **SHAKARPUR :** PARICHAY ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9350309890, 22519890, 22549890

WEST
JANAKPURI : TRIMURTI ADVERTISERS, Ph.: 9810234206, 25530307, **KAROL BAGH (REGHARPURA) :** K R ADVERTISERS, Ph.: 9810316618, 9310316618, 41547697, **KARAMPURA :** GMJ ADVERTISING & MARKETING PVT. LTD., Ph.: 9310333777, 9211333777, 9810883377, **NEW MOTI NAGAR :** MITTAL ADVERTISING, Ph.: 25178183, 9810538183, 9555945923, **MOTI NAGAR :** UMA ADVERTISERS, Ph.: 9312272149, 8800276797, **RAMESH NAGAR :** POSITIVE ADS, Ph.: 9891195327, 9310006777, 65418908, **TILAK NAGAR :** SHIVA ADVERTISERS, Ph.: 9891461543, 25980670, 20518836, **VIKAS PURI :** AAKAR ADVT. MEDIA Ph.: 9810401352, 9015907873, 9268796133

CENTRAL
CHANDNI CHOWK : RAMNIWAS ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9810145272, 23912577, 23928577, **CONNAUGHT PLACE :** HARI OM ADVERTISING COMPANY Ph.: 9811555181, 43751196

NORTH
TIS HAZARI COURT : SAI ADVERTISING, Ph.: 9811117748 **KINGWAY CAMP :** SHAGUN ADVERTISING, Ph.: 9818505505, 27458589, **PATEL CHEST (OPP. MORRIS NAGAR POLICE STATION) :** MAHAN ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9350304609, 7042590693, **PITAMPURA (PRASHANT VIHAR) :** PAAVAN ADVERTISER Ph.: 9311564460, 9311288839, 47057929

SOUTH
CHATTARPUR : A & M MEDIA ADVERTISING, Ph.: 9811602901, 65181100, 26301008, **KALKAJI :** ADWIN ADVERTISING, Ph.: 9811111825, 41605556, 26462690, **MALVIYA NAGAR :** POOJA ADVERTISING & MARKETING SERVICE, Ph.: 9891081700, 24331091, 46568866, **YUSUF SARAI :** TANEJA ADVERTISEMENT & MARKETING Ph.: 9810843218, 26561814, 26510090

NCR
FARIDABAD (NEELAM FLYOVER) : AID TIME (INDIA) ADVERTISING, Ph.: 9811195834, 0129-2412798, 2434654, **FARIDABAD (NIT, KALYAN SINGH CHOWK) :** PULSE ADVERTISING, Ph.: 9818078183, 9811502088, 0129-4166498, **FARIDABAD :** SURAJ ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9810680954, 9953526681, **GURGAON :** SAMBODHI MEDIA PVT. LTD., Ph.: 0124-4065447, 9711277174, 9910633399, **GURGAON :** AD MEDIA ADVERTISING & PR, Ph.: 9873804580, **NOIDA (SEC. 29) :** RDX ADVERTISING, Ph.: 9899268321, 0120-4315917, **NOIDA (SEC. 65) :** SRI SAI MEDIA, Ph.: 0120-4216117, **NOIDA (SEC. 58) :** JAI LAKSHMI ADVERTISERS, Ph.: 9873807457, 9911911719 **GHAZIABAD (HAPUR ROAD TIRAHA, NR GURUDWARA) :** TIRUPATI BALAJI ADVERTISING & MARKETING, Ph.: 9818373200, 8130640000, 0120-4561000

EDUCATION (IAS & PMT ACADEMIES)
FRIENDS PUBLICITY SERVICE 23287653, 23276901, 9212008155

For CAD enquiries please contact :
ROHIT JOSHI 9818505947, **ABHINAV GUPTA** 9910035901
For booking classified ads, please contact 011-23702148, 0120-6651215, E-mail : delhi.classifieds@expressindia.com

भीड़ रोकने में मददगार हो रही है तकनीक

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

स्मार्ट सिटी परियोजना में शामिल देश के दर्जन भर से अधिक शहर कोरोना संकट के खिलाफ जारी जंग में कृत्रिम बौद्धिकता (एआइ) द्वारा अब तक चिकित्सा सहायता में स्वास्थ्य महकमे की मदद कर रहे थे। अब इन शहरों में लॉकडाउन के दौरान भीड़ जुटने से रोकने के लिए एआइ द्वारा 'सोशल डिस्टेंसिंग' का भी पालन सुनिश्चित किया जाने लगा है।

आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय की स्मार्ट सिटी परियोजना के हिस्सेदार शहरों में अपराध और हादसों पर निगरानी के लिए एआइ आधारित जीपीएस तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, अब वही तकनीक कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने और संदिग्ध मरीजों की निगरानी में मददगार बन रही है। मंत्रालय द्वारा प्राप्त जानकारी के मुताबिक स्मार्ट सिटी के तहत स्थापित किए गए 'इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आइसीसीसी) द्वारा शहर में भीड़ एकत्र होने से रोकने के लिए 'जियो फेंसिंग' का सहारा लिया जा रहा है। जीपीएस तकनीक पर आधारित जियो फेंसिंग से भीड़ एकत्र होने वाले स्थानों की पहचान कर स्थानीय प्रशासन को सूचित किया जाता है। चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी के अंतर्गत एक मोबाइल ऐप 'सीवीडी ट्रेकर' भी बनाया गया है। इसकी मदद से घर में पृथक रखे गये संदिग्ध मरीजों की निगरानी की जाती है और जियो फेंसिंग की मदद से पृथक रखे गए मरीजों के घरों के आसपास के इलाके में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन सुनिश्चित कराने की निगरानी भी जाती है। एक अधिकारी ने बताया कि पृथक रखे गए मरीज को सीवीडी ट्रेकर की मदद से 'जियो फेंसिंग द्वारा मरीज के घर से 50 मीटर तक के दायरे की निगरानी की जाती है। संदिग्ध मरीज जैसे ही 50 मीटर के 'जियो फेंस' दायरे से बाहर जाता है, वैसे ही स्थानीय प्रशासन को अलर्ट कर दिया जाता है। मंत्रालय के अनुसार भोपाल, कानपुर, मंगलुरु और चेन्नई सहित 16 शहरों में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत संचालित आइसीसीसी से जीपीएस की मदद से संदिग्ध मरीजों की निगरानी करने, स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा चिन्हित हॉट स्पॉट इलाकों में 'हीट मैपिंग' द्वारा लॉकडाउन का पालन कराने और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति वाले स्थानों में 'जियो फेंसिंग' की सहायता से सामाजिक दूरी का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी परियोजना से जुड़े मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि आइसीसीसी के साथ स्थानीय प्रशासन, पुलिस और चिकित्सा विभाग के बीच आपसी सामंजस्य कायम कर कोरोना के खिलाफ जंग को तकनीकी मदद से आसान बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दिशा में मध्य प्रदेश के सर्वाधिक छह स्मार्ट सिटी (भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर, सतना और सागर) के अलावा उत्तर प्रदेश में कानपुर, अलीगढ़ एवं वाराणसी, तमिलनाडु में चेन्नई और वेल्लोर, महाराष्ट्र में नागपुर, कर्नाटक में मंगलुरु, गुजरात में गांधीनगर, राजस्थान में कोटा और पश्चिम बंगाल में न्यू टाउन कोलकाता में लॉकडाउन के दौरान लोगों तक चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच को स्मार्ट सिटी की तकनीकी मदद से आसान बना दिया है।

जियो फेंसिंग स्मार्ट सिटीज में कोरोना मरीज के घर से 50 मीटर तक के दायरे की निगरानी मुमकिन है

बचाव

मुंबई में मुंबई में रविवार को दहिसर पुलिस थाने में बनाई गई विषानु नाशक सुरंग में खड़े कर्मी।

आंबेडकर जयंती पर भाजपा कार्यकर्ता गरीबों को राशन, मास्क बांटें : नड्डा

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आगामी 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती पर पार्टी कार्यकर्ताओं से अपने क्षेत्र में गरीबों को राशन और मास्क बांटने को कहा है।

भाजपा कार्यकर्ताओं के नाम रविवार को जारी संदेश में नड्डा ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों और भाजपा शासित राज्यों में मुख्यमंत्रियों से पार्टी कार्यकर्ताओं को आंबेडकर जयंती पर एक वीडियो संदेश भेजने को भी कहा है जिसमें उनसे गरीबों को राशन एवं मास्क बांटने की अपील की गई हो। नड्डा ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को 14 अप्रैल को अपने घर में आंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर इसकी फोटो सोशल मीडिया पर भी साझा करनी चाहिए। साथ ही सभी कार्यकर्ताओं को संविधान के आदर्शों का पालन करने और कोरोना के खिलाफ जंग में सरकार के निर्देशों का अनुसरण करने की भी शपथ लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को संविधान, सामाजिक समानता और समरसता के बारे में डॉ आंबेडकर के विचारों पर निबंध भी लिखना चाहिए। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव संबंधी मानकों और संक्रमण फैलने से रोकने के लिए एक दूसरे से सुरक्षित दूरी बनाते हुए अपने इलाके की गरीब बस्तियों में राशन और मास्क वितरित करने की अपील की।

नड्डा ने इस काम में स्वच्छता के मानकों का भी पालन सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कोरोना वायरस के संक्रमण के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए गरीब बस्तियों में अभियान चलाने का आह्वान किया।

कहा कोरोना से जंग में सरकारी निर्देशों का अनुसरण करने की भी शपथ लेनी चाहिए

अमेरिका : वायु प्रदूषण की अधिकता वाले शहरों में कोरोना संक्रमण ज्यादा

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना वायरस संक्रमण और वायु प्रदूषण के बीच संबंध उजागर करने वाली एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के उन शहरों में कोरोना संक्रमण से मौत होने के ज्यादा मामले सामने आए हैं, जिनमें वायु प्रदूषण का स्तर तुलनात्मक रूप से अधिक है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत अग्रणी अमेरिकी संस्थान 'हार्वर्ड टी एच चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ' की हाल ही में प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, वायु प्रदूषण की अधिकता वाले इलाकों में कोविड-19 के मरीजों की मौत के ज्यादा मामले सामने आए हैं। इसके अनुसार अमेरिका के 3080 कांउटी में वायु प्रदूषण के स्तर और कोरोना से हुई मौत के तुलनात्मक अध्ययन के आधार पर यह बात सामने आई है।

अध्ययन रिपोर्ट में अमेरिकी शहरों में प्रदूषण की मात्रा और कोरोना वायरस संक्रमण से मौत के आंकड़ों को सूचीबद्ध नहीं किया गया है, बल्कि अध्ययन में शामिल विभिन्न कांउटी (अमेरिका में एक कांउटी में कुछ शहर और कस्बे होते हैं) में प्रदूषण और आबादी सहित अन्य मानकों के आधार पर कोरोना के असर संबंधी चार अप्रैल तक जुटाए गए आंकड़ों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। इसमें पाया गया कि मेनहट्टन कांउटी में जिन शहरों में पिछले 20 साल में पीएम 2.5 का औसत स्तर एक यूनिट अर्थात एक माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से कम पाया गया, उनकी तुलना में इस कांउटी में कोरोना से 248 कम मौतें हुईं। इसके अनुसार वाहन, तेल शोधन एवं बिजली संयंत्रों के कारण वायु प्रदूषण का सामना कर रहे अमेरिकी शहरों में, उन शहरों की तुलना में कोरोना से अधिक मौत हुई, जिनमें वायु प्रदूषण या तो तुलनात्मक रूप से कम है या प्रदूषण की वजह इन तीन कारणों से इतर कुछ और है।

चार अप्रैल तक के आंकड़ों के आधार पर किया गया तुलनात्मक अध्ययन

अध्ययन में शहर की आबादी, अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या, कोरोना का परीक्षण किए गए मरीजों की संख्या, मौसम, सामाजिक आर्थिक स्थिति और लोगों के बर्ताव, जिसमें मोटापे की प्रवृत्ति और धूम्रपान की आदत को प्रमुख मानक के तौर पर शामिल किया गया। इसके आधार पर अध्ययन में पाया गया कि कोरोना से हुई मौत की दर को बढ़ाने में वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार पार्टीकुलेट तत्व (पीएम 2.5) के संपर्क में अधिक समय तक रहना, एक वजह के रूप में सामने आया है।

"IMPORTANT"
Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

रोज तीन लाख जरूरतमंदों का पेट भर रही है 'सेवा किचन'

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

गुजरात में आए विनाशकारी भूकंप के बाद अपने ब्लड बैंक के जरिए लाखों लोगों को नई जिंदगी देने वाले खुशरू कोएचा अब कोरोना वायरस संकट में अपने 'सेवा किचन' के जरिए जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं।

देशभर में कोरोना वायरस की दहशत के कारण पिछले कई हफ्तों से सन्नाटा पसरा है। लोग अपने अपने घरों में बंद हैं, लेकिन दिहाड़ी मजदूरों, सड़कों पर रहने वाले बेआसरा लोगों, पटरी, खोमचा और रिक्शावालों के लिए लॉकडाउन का मतलब घरों में बंद होना नहीं बल्कि फाकाकशी है। बीमारी की मार से ज्यादा उन्हें पेट भरने की चिंता सताती है और खुशरू कोएचा ऐसे लोगों को अपनी 'सेवा किचन' से खाना मुहैया कराते हैं। नागपुर शहर में सेंट्रल रेलवे में सुपरिटेंडेंट के पद पर कार्यरत खुशरू न तो किसी गैर सरकारी संगठन से जुड़े हैं और न ही किसी अन्य संगठन से। वह पिछले दो दशक से भी अधिक समय से किसी से भी धन की कोई मदद लिए बिना मानवता की सेवा में जुटे हैं और देने वालों और लेने वालों के बीच का माध्यम बनकर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि अच्छा काम करने के लिए पैसे की जरूरत नहीं होती। गांव देहात से शहर के बड़े अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के तीमारदारों के पास खाने का कोई साधन नहीं होता। खुशरू ऐसे लोगों को पिछले डेढ़ दशक से भी अधिक समय से खाना मुहैया कराते हैं। देशभर में उनकी 21 'सेवा किचन' हैं, जहां हर दिन तीन लाख जरूरतमंदों को खाना खिलाया जाता है। वह अपनी वेबसाइट और वाट्सऐप ग्रुप्स के जरिए दानदाताओं से जरूरी सामग्री जुटाते हैं और खुद को 'सेवक' बताने वाले उनके वालंटियर खाने के पैकेट जरूरतमंदों तक पहुंचा देते हैं। कोरोना के प्रकोप के दौरान वह 60 हजार से अधिक लोगों को खाना खिला चुके हैं। 'सेवा किचन' की साइट पर सेवा टिफिन, नेकी का पिटारा, जार्स आफ काइंडनेस, पेस्ट ए पोस्टर, मिल्क सेवा और शेयर एक्सेस फूड जैसी विविध श्रेणियां हैं, जिनमें पंजीकरण से जरूरतमंदों की मदद का रास्ता खुल जाता है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, शुरू होगा विसंक्रमण अभियान

लाल–नारंगी क्षेत्रों में बंटेगी दिल्ली

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

'ऑपरेशन शील्ड' की दिलशाद गार्डन में सफलता के बाद अब दिल्ली को कोरोना संक्रमित लोगों के आंकड़े के हिसाब से लाल और नारंगी जोन में तब्दील किया जाएगा। रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डिजीटल प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस संक्रमणरोधी दवा छिड़काव के अभियान में सरकार को मदद मिलेगी। सोमवार से ही दिल्ली में यह पहल शुरू होगी।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिलशाद गार्डन में एक प्रयोग करके देखा और यहां 'ऑपरेशन शील्ड' चलाया गया था। पिछले 10 दिन में यहां एक भी नया मरीज नहीं आया। इस ऑपरेशन के बाद जहां पर भी संक्रमण के ज्यादा मरीज मिल रहे हैं। उस इलाके को सील क्षेत्र घोषित करते जा रहे हैं। अब तक ऐसे 33 से 35 क्षेत्र बन चुके हैं। आने वाले एक–दो दिन में काफी सारे कंटेनमेंट जोन बढ़ाने वाले हैं।

लाल जोन में अधिक संक्रमण वाले क्षेत्र और नारंगी जोन में वे क्षेत्र होंगे जहां पर मामले लगातार आ रहे हैं। इन क्षेत्र में बड़े स्तर पर विसंक्रमण अभियान चलेगा। इससे संक्रमण को आगे बढ़ने से रोकने में मदद होगी। इस काम के लिए जल बोर्ड से मशीन से उपलब्ध कराई गई है। नारंगी जोन को गंभीर जोन मानकर काम किया जाएगा।

दिल्ली में कोरोना

कुल मामले : 1154
नए मामले : 85
ठीक हुए : 28
मौत : 24

कोरोना के दायरे में नए क्षेत्र

अबुल फजल एन्क्लेव, ईस्ट ऑफ कैलाश मदनपुर खादर, खड्डा कॉलोनी जैतपुर एक्सटेंशन, बंगाली कॉलोनी , महावीर एनक्लेव, शेरा मोहल्ला गढ़ी

रिपोर्ट आने तक मरीजों के ठहरने का इंतजाम किया जाए : मुख्य सचिव

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)। दिल्ली के मुख्य सचिव विजय देव ने निर्देश दिया है कि कोरोना की जांच करा रहे लोगों की रिपोर्ट आने तक उनके ठहरने का इंतजाम किया जाए। सूत्रों ने कहा कि निर्देश के बाद इन लोगों के ठहरने के लिए शहर के विभिन्न होटलों, सरकारी फ्लैटों ओर अन्य केंद्रों में 740 से अधिक कमरे बुक किए गए हैं।

'दिल्ली नहीं चाहती अमेरिका जैसे हालात'

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं समझ सकता हूं कि जो लोग भी उस क्षेत्र में रहते हैं, उन्हें काफी तकलीफ होगी। हम यह सभी काम आपके और आपके परिवार की सेहत व जिंदगी के लिए कर रहे हैं। हम देख रहे हैं कि किस तरह पिछले 24 घंटे में अमेरिका के अंदर 2 हजार लोगों की मौत हो गई। हम नहीं चाहते हैं कि इतनी भयावह स्थिति हमारी दिल्ली के अंदर आए। जहां पर कोरोना के मरीज मिलेंगे, उसी क्षेत्र को हम सील क्षेत्र घोषित करेंगे। विसंक्रमित करने के लिए पीआइ इंडस्ट्रीज ने दिल्ली सरकार को 10 हाईटेक जापानी मशीन दी है।

कोरोना संक्रमण के मामले के बाद महरौली मंडी सील

दिल्ली सरकार ने दक्षिणी दिल्ली के महरौली इलाके की सब्जी मंडी को सील कर दिया है। इस बाबत एसडीएम सोनालिका जीवानी ने आदेश दिए हैं। आदेशों में बताया गया है इस मंडी को वर्तमान स्थल से हटाकर महरौली के बस अड्डे पर शिफ्ट किया गया है। यहां पर पर्याप्त जगह उपलब्ध है और यहां पर सामाजिक दूरी का भी पालन किया जा सकता है। इससे आम जनता के लिए आसानी से सब्जियां उपलब्ध कराई जा सकेगी। यहां पर कानून व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी स्थानीय एसीपी व एसएचओ को सौंपी गई है।

केंद्रीयकृत वातानुकूलित यंत्र से भी संक्रमण का खतरा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

कोरोना का संक्रमण केंद्रीकृत वातानुकूलित यंत्र (सेंट्रलाइज्ड एसी) जैसी व्यवस्था से भी हो सकता है। इसीलिए आरएमएल अस्पताल अलग वार्ड में मरीजों को रखने का इंतजाम तैयार कर रहा है। दिल्ली ही नहीं देश के तमाम अस्पतालों के वार्डों व ओपीडी में सेंट्रलाइज्ड एसी का ही इंतजाम हैं। लिहाजा संक्रमण नियंत्रण विभाग ने एसी पूरी तरह से बंद रखने का निर्देश दिया गया है।

विशेषज्ञों की माने तो बिना हेपा फिल्टर के सेंट्रलाइज्ड एसी में मरीज रखना व पीपीई किट पहनकर स्वास्थ्यकर्मियों का काम करना गरमी बढ़ने के साथ चुनौती बढ़ा सकता है। दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में यह चौथी बार हो रहा है कि कोरोना मरीजों का वार्ड बदलने की तैयारी चल रही है। अबकी बार अस्पताल की पुरानी इमरजंसी वार्ड वाली इमारत में कोरोना वार्ड बनाने की तैयारी चल रही है। सबसे पहले बना वार्ड बच्चों व महिला वार्ड वाली इमारत के बीच के वाले तले पर था। संक्रमण की आशंका संबधी खबर जनसत्ता में छपने के बाद वार्ड का हटाकर ट्रॉमा सेंटर में ले जाया गया। लेकिन मरीज बढ़ने पर इसे यहां से इसीएस में लाया गया। ट्रॉमा सेंटर का अभी आइसीयू इन्ही मरीजों के इस्तेमाल में हैं। एलएनजेपी, एम्स और सफदरजंग में भी हेपा फिल्टर के बिना एसी लगे हैं।

आरएमएल अस्पताल

सेंट्रलाइज्ड एसी में हवा वहीं पर घूमती रहती है। जिससे संक्रमण का खतरा है इसलिए वार्ड यहां से हटाने का फैसला लिया गया है। एक शोध में यह देखा गया है कि मरीज से दो से चार मीटर की दूरी तक हवा में यह मौजूद है। बिना हेपा फिल्टर के सेंट्रलाइज्ड एसी नहीं चला सकते।
–**डॉ राजीव सूद**, अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक

क्या है विकल्प

एलएनजेपी अस्पताल के नाक कान गला रोग विभाग के चिकित्सक डॉ विकास मलहोत्रा ने हाल ही में मौजूदा परिस्थितियों के उपाय पर एक शोध अध्ययन किया है जिसमें उन्होंने सस्ता व तुरंत उपलब्ध विकल्प सुझाए हैं। इनके इस शोध को इंडियन पिडियाट्रिक मेडिकल जर्नल ने छापा है। कोरोना मरीजों की चुनौती से निपटने के लिए इसे अहम शोध मानते हुए समीक्षा समिति ने 48 घंटे के भीतर इसकी समीक्षा करके छापने का फैसला लिया।

रैन बसेरों में आग लगाने के मामले में सात गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

कश्मीरी गेट स्थित रैन बसेरों में शनिवार शाम आग लगाने के आरोप में 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कश्मीरी गेट पुलिस ने सभी को आसपास के इलाकों से गिरफ्तार कर पुलिस ने इन्हें कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया है। आगजनी की घटना में इन सभी 7 लोगों में मुख्य आरोपी मुन्ना उर्फ लड्डन है, जो इन लोगों का आग लगाने की घटना में मुखिया था। पुलिस के मुताबिक, शनिवार शाम तीनों रैन बसेरों में आग लगाने के बाद अपने साथी के शव को कब्जे में लेकर पुलिस पर भी इन लोगों ने हमला किया था। ये नशे के आदी बताए जा रहे हैं।

गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में कई चौकाने वाली बातें सामने आई हैं, जिसके बाद पुलिस ने इन सभी को हवालात भेज दिया है। जानकारी के अनुसार ये सभी लोग नशे के आदी हैं और कई दिनों से नशा ना मिलने के कारण काफी परेशान थे। इसके चलते इन लोगों ने कश्मीरी गेट इलाके में यमुना पुश्ते पर बने रैन बसेरों में आगजनी को अंजाम दिया। सभी की पहचान करते हुए कश्मीरी गेट पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया।

कोरोना भगाने के लिए गृहणियां बनीं सुरक्षा कवच

पंकज रोहिला
नई दिल्ली,12 अप्रैल।

कोरोना के संक्रमण का आंकड़ा सैकड़ों की हदों को तोड़कर हजारों में पहुंच गया है। बढ़ते आंकड़े ने दिल्ली वालों की चिंता बढ़ा दी है। यही वजह है कि अब गृहणियाों ने घर का काम संभालने के बाद क्षेत्र में कोरोना संक्रमण के खिलाफ मुहिम शुरू कर दी है। ये महिलाएं परिवार के बाद मोहल्ले का सुरक्षा कवच बनी हैं। यह पहल राणा प्रताप बाग में शुरू की गई है।

ये महिलाएं हर दिन अपने आस पड़ोस में सेनेटाइजेशन (विषाणुनाशक) के लिए सुबह – शाम मशीनों के साथ निकलती हैं। गृहिणी रेनू गोयल बताती हैं कि वे अपने परिवार के

सदस्यों के साथ सेनेटाइजेशन के लिए पिछले तीन दिन से पड़ोस में जाती हैं। आज उन्होंने सेनेटाइजर की मदद से मोहल्ले भर में 50 से अधिक घरों में उनके हैंडिल और गेट को सेनेटाइज किया है। गृहिणी दीपा गोयल ने बताया कि टीम बनाने की वजह यह है कि संक्रमण प्रतिदिन होता है। इसलिए हर दिन स्वच्छता जरूरी है। इसके लिए आरडब्लूए की मदद से छिड़काव की मशीनें भी खरीदी गई हैं। आजकल मंदिर भी बंद हैं, हम मंदिर के गेट और आसपास लगी ऐसी चीजों पर भी दवा का छिड़काव कर रहे हैं। गृहिणी शारदा सिंघल ने बताया कि सेनेटाइजर मशीनों के साथ एक टीम की तरह इलाके में चलते हैं। घर में प्रवेश से पहले हर कोई घंटी और कुंडी को छूता है। इसलिए ऐसे गेट पर सेनेटाइजर का प्रयोग कर उन्हें साफ कर देते हैं।

रश्मी सिंघल बताती हैं कि इस समय आर्थिक संकट की वजह से अपनी 3 घरेलू सहायिकाओं की मदद कर रही हैं। सोनल अग्रवाल बताती हैं कि हमारी टीम प्रतिदिन मास्क व सेनेटाइजर भी लेकर चलती है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने लांच किया 'युक्ति' पोर्टल

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने रविवार को एक वेब पोर्टल युक्ति (ज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेषण के साथ कोविड से लड़ता युवा भारत) लांच किया। यह मंत्रालय की ओर से की गई कोशिशों एवं पहलों की निगरानी एवं रिकॉर्ड करने के लिए एक अनूठा पोर्टल और डैशबोर्ड है। इस पोर्टल का उद्देश्य बेहद समग्र एवं व्यापक तरीके से कोरोना संक्रमण की विभिन्न चुनौतियों के विभिन्न आयामों को कवर करना है।

इस अवसर पर मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि कोरोना विषाणु के खतरे के बाद, हमारा मुख्य उद्देश्य अपने शैक्षणिक समुदाय को शारीरिक एवं मानसिक दोनों तरह से स्वस्थ रखना है और शिक्षार्थियों के लिए एक सतत उच्च गुणवत्तापूर्ण अध्ययन वातावरण को सक्षम बनाना है। पोर्टल इस कठिन समय में इस लक्ष्य को अर्जित करने के मंत्रालय के प्रयासों का एक हिस्सा है। पोखरियाल ने सूचित किया कि यह विशेष रूप से कोरोना विषाणु से संबंधित शिक्षा, अनुसंधान में संस्थानों की विभिन्न पहलों एवं प्रयासों, संस्थानों की ओर से सामाजिक पहलों और छात्रों के समग्र कल्याण में बेहतरी के लिए उठाये जाने वाले कदमों को कवर करेगा। पोर्टल शैक्षणिक समुदाय को सेवाओं की प्रभावी प्रदायगी के लिए गुणात्मक एवं मात्रात्मक दोनों ही मानदंडों को कवर करेगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा
Bank of Baroda
www.bankofbaroda.in

मुख्य जोखिम अधिकारी पद हेतु
भर्ती सूचना

पद: मुख्य जोखिम अधिकारी बैंक के लिए समूह स्तर पर जोखिम का प्रमुख होता है एवं बैंक में एक सुदृढ़ जोखिम संस्कृति एवं कार्यप्रणाली के विकास सहित संस्था के लिए सभी प्रकार के जोखिमों के प्रबंधन हेतु उत्तरदायी होता है.

नियुक्ति की शर्तें: यह नियुक्ति संविदा के आधार पर 3 वर्ष की निश्चित अवधि वाली होगी. यह अवधि एक बार में 1 वर्ष के लिए एवं अधिकतम 5 वर्ष की अवधि तक विस्तार योग्य है. अवधि की समाप्ति के उपरांत बैंक की आवश्यकता के अनुसार संबंधित व्यक्ति की सेवा अन्य संबंधित कार्यों के लिए विस्तारित की जा सकती है.

पात्रता मानदंड एवं आवेदन: इच्छुक अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त पद की पात्रता मानदंड संबंधी विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र की ऑनलाइन प्रस्तुति के संबंध में बैंक की वेबसाइट **www.bankofbaroda.in** (करियर पेज, वर्तमान अवसर अनुभाग) को देखें. आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **22 अप्रैल, 2020 (23:59 बजे)** है.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 13 अप्रैल, 2020

महाप्रबंधक एवं प्रमुख
(नीतिपरक एचआर एवं एचआर इंटीग्रेशन)

02/20-21

दिल्ली सरकार करेगी पांच हजार रुपए की आर्थिक मदद

सार्वजनिक सेवा के पात्र चालकों का पंजीकरण शुरू

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

दिल्ली सरकार ने वाहन चालकों को दी जाने वाली आर्थिक मदद की शुरुआत कर दी है। इसके तहत एक चालक को 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी है। इनमें टैक्सी, ग्रामीण सेवा, फटाफट सेवा, मैक्सी कैब, इको–फ्रेंडली सेवा, ई–रिक्शा और स्कूल कैब आदि पब्लिक सेवा वाहन चालक शामिल हैं। 13 अप्रैल से यह पंजीकरण शुरू होगा।

सार्वजनिक सेवा धारकों को दिल्ली परिवहन विभाग की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू होगी। आवेदन की प्रक्रिया आगामी 13 अप्रैल से 27 अप्रैल तक जारी रहेगी। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि बंद के कारण उत्पन्न हालात में मदद करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। यह वित्तीय मदद की प्रक्रिया त्वरित होगी और वित्तीय मदद सीधे उनके बैंक खाते में स्थानांतरित किया जाएगा। इससे उन्हें इस संकट के समय में बहुत मदद मिलेगी। दिल्ली सरकार के इस आर्थिक मदद का लाभ सिर्फ उन्हीं लोगों को मिलेगा, जिन्हें 23 मार्च, 2020 तक पब्लिक सेवा व्हीकल का बैज (बिल्ला) मिला होगा। इसके अलावा, ऐसे व्यक्ति, जिनके ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता 01 फरवरी, 2020 या उसके बाद समाप्त हो गई है।

पीएसवी धारक दिल्ली परिवहन विभाग की वेबसाइट पर जाकर आगामी 13 अप्रैल से आवेदन कर सकते हैं। 13 अप्रैल को सुबह 10 बजे के बाद वेबसाइट पर यह फार्म प्रदर्शित होने लगेगा। आगामी 27 अप्रैल तक आवेदन किया जा सकता है। किसी तरह की पूछताछ करने के लिए सहायता नंबर भी जारी किया है। यह जानकारी फोन नंबर 011-23930763 और 23970290 पर विभिन्न कार्य दिवस पर ली जा सकती है।

POST OFFER ADVERTISEMENT IN ACCORDANCE WITH REGULATION 18 (12) OF THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (SUBSTANTIAL ACQUISITION OF SHARES AND TAKEOVERS) REGULATIONS, 2011, AS AMENDED FOR ATTENTION OF THE ELIGIBLE PUBLIC SHAREHOLDERS OF

GATI LIMITED
("TARGET COMPANY")

Registered Office: Plot No. 20, Survey No. 12, Kothaguda, Kondapur, Hyderabad, Telangana;
Tel. No.: 040-7120 4284; **Fax No.:** 040-2311 2318; **CIN:** L63011TG1995PLC020121; **Website:** www.gati.com

Open Offer for acquisition of up to 3,17,42,615 fully paid-up equity shares of face value of ₹2/- each ("Equity Share(s)") representing 26% of the Expanded Voting Share Capital of the Target Company by Allcargo Logistics Limited ("Acquirer") ("Offer" or "Open Offer").

This Post Offer Advertisement (**"Post Offer Advertisement"**) is being issued by Inga Ventures Private Limited (**"Manager to the Offer"**), on behalf of the Acquirer pursuant to Regulation 18(12) of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 and subsequent amendments thereto (**"SEBI (SAST) Regulations, 2011"**).

The Post Offer Advertisement should be read in continuation of, and in conjunction with: (a) the Public Announcement dated December 05, 2019 (**"PA"**); (b) the Detailed Public Statement published on December 12, 2019 in Financial Express (English daily) all editions, Jansatta (Hindi daily) all editions, Mumbai Lakshadeep (Marathi daily) Mumbai edition and Nava Telangana (Telugu daily) Hyderabad edition (**"DPS"**); (c) the Draft Letter of Offer dated December 17, 2019 (**"DLOF"**); (d) the Letter of Offer dated March 02, 2020 (**"LOF"**); and (e) the Offer Opening Public Announcement and Corrigendum to Detailed Public Statement published on March 12, 2020 in the same newspaper where the DPS was published; (**"Offer Opening PA cum Corrigendum"**).

Capitalized terms used but not defined in this Post Offer Advertisement shall have the same meanings assigned to such terms in the PA, DPS, LOF and Offer Opening PA cum Corrigendum.

The shareholders of the Target Company are requested to kindly note the following information relating to the Offer:

Sr. No.	Particulars	Details			
1.	Name of the Target Company	Gati Limited			
2.	Name of the Acquirer and PACs	Acquirer: Allcargo Logistics Limited PAC: Nil			
3.	Name of the Manager to the Offer	Inga Ventures Private Limited			
4.	Name of the Registrar to the Offer	Link Intime India Private Limited			
5.	Offer Details				
	a. Date of Opening of the Offer	Friday, March 13, 2020			
	b. Date of Closing of the Offer	Friday, March 27, 2020			
6.	Date of payment of consideration	Wednesday, April 08, 2020			
7.	**Details of Acquisition**	**Proposed in the Offer document**		**Actuals**	
7.1	Offer Price	₹75 per Equity Share		₹75 per Equity Share	
7.2	Aggregate number of Equity Shares tendered	up to 3,17,42,615. Equity Shares[a]		5,41,26,899 Equity Shares	
7.3	Aggregate number of Equity Shares accepted	up to 3,17,42,615 Equity Shares[a]		3,17,42,615 Equity Shares	
7.4	Size of the Offer *(Number of Equity Shares multiplied by Offer Price per Equity Share)*	₹238,06,96,125		₹238,06,96,125	
7.5	Shareholding of the Acquirer and PACs before Public Announcement				
	• Number	Nil		Nil	
	• % of Expanded Voting Share Capital	NA		NA	
7.6	Equity Shares acquired by way of SPA and SSA				
	• Number	up to 2,37,18,672[b]		1,96,21,739[c]	
	• % of Expanded Voting Share Capital	up to 19.43%		16.08%	
7.7	Equity Shares acquired by way of Open Offer				
	• Number	up to 3,17,42,615[a]		3,17,42,615	
	• % of Expanded Voting Share Capital	26.00%		26.01%	
7.8	Equity Shares acquired after DPS				
	• Number of Equity Shares acquired	2,54,03,340[c, d & e]		2,54,03,340[c, d & e]	
	• Price of the Equity Shares acquired	Please refer (f) below			
	• % of the Equity Shares acquired	20.81%		20.81%	
7.9	Post Offer shareholding of the Acquirer				
	• Number	6,12,42,888[g, i & j]		5,71,45,955[h]	
	• % of Expanded Voting Share Capital	50.16%		46.82%	
7.10	Pre & Post Offer shareholding of the Public[k]	**Pre Offer**	**Post Offer[i & j]**	**Pre Offer**	**Post Offer[l]**
	• Number	8,39,97,875	5,21,41,297	8,39,67,875	5,55,09,366
	• % of Expanded Voting Share Capital	68.80%	42.71%	68.79%	45.48%

a) *Assuming full acceptance of the Offer.*
b) *The Open Offer was made by the Acquirer pursuant to Share Subscription Agreement (SSA) for acquisition of 1,33,33,340 Equity Shares and Share Purchase Agreement (SPA) for acquisition of up to 1,03,85,332 Equity Shares as defined in LOF.*
c) *The Acquirer has acquired 1,33,33,340 Equity shares pursuant to SSA on January 21, 2020 and 62,88,399 Equity Shares from open market pursuant to SPA on January 28,2020.*
d) *The Acquirer acquired 57,81,601 Equity Shares from open market during January 13, 2020 to January 28, 2020 till date of LOF.*
e) *The Equity Shares acquired by the Acquirer to date have been acquired after the expiry of 21 Working Days from the date of DPS, in accordance with the provisions of Regulation 22(2) of the SEBI (SAST) Regulations, 2011.*
f) *Equity Shares acquired pursuant to SPA and SSA were acquired at a price of ₹75 per Equity Share as disclosed in LOF. 57,81,601 Equity Shares acquired from Open Market during January 13, 2020 to January 28, 2020, were acquired at average price of ₹71.80 per Equity Share.*
g) *Comprising of (i) 1,33,33,340 Equity Shares acquired under SSA, (ii) acquisition of up to 1,03,85,332 Equity Shares under SPA (62,88,399 Equity Shares acquired under SPA and 40,96,933 balance Equity Shares to be acquired under SPA),(iii) 57,81,601 Equity Shares acquired by the Acquirer from Open Market, and (iv) 3,17,42,615 Equity Shares proposed to be acquired under Open Offer.*
h) *Comprising of (i) 1,33,33,340 Equity Shares acquired under SSA, (ii) 62,88,399 Equity Shares acquired under SPA ,(iii) 57,81,601 Equity Shares acquired by the Acquirer from Open Market and (iv) 3,17,42,615 Equity Shares acquired under Open Offer.*
i) *Up to 9,67,000 Equity Shares of the Target Company which pursuant to the order of the Hon'ble High Court at Kolkata are to be restored to TCI Finance Limited were reduced from the public shareholding and form part of balance Equity Shares under SPA.*
j) *Attached Shares held by Mahendra Kumar Agarwal as invoked by his pledgee, were assumed to be acquired by the Acquirer from the pledgee and were reduced from the public shareholding and form part of balance shares under SPA. However, as undertaken by the Acquirer in the LOF, the Acquirer has not acquired such Attached Shares.*
k) *Public Shareholding "Proposed in the Offer Document" includes 1,41,000 Employee Stock Options (ESOPs) vested / to be vested. As on April 11, 2020, 30,000 ESOPs are lapsed out of that. Hence public shareholding details (pre offer as well as post offer) under "Actuals" is reduced to the extent of lapsed ESOPs.*
l) *Post Offer shareholding of the Public Shareholders for "Actuals" has been calculated as Pre Offer shareholding of the Public Shareholders as on February 27, 2020 (as mentioned in LOF) reduced by 2,84,58,509 Equity Shares accepted from public shareholders under the Open Offer, further reduced by 30,000 lapsed ESOPs.*
m) *For the sake of clarity, Expanded Voting Share Capital as "Proposed in the Offer Document" is 12,20,86,977 Equity Shares, while Expanded Voting Share Capital for "Actuals" is reduced by 30,000 lapsed ESOPs.*

8. The Acquirer along with its directors severally and jointly accept full responsibility for the information contained in this Post Offer Advertisement and also for the obligations of the Acquirer as laid down in the SEBI (SAST) Regulations, 2011 as amended.
9. The copy of this Post Offer Advertisement will be available on the website of the SEBI (www.sebi.gov.in), BSE Limited (www.bseindia.com), National Stock Exchange of India Limited (www.nseindia.com) and at the registered office of the Target Company.

ISSUED BY MANAGER TO THE OFFER ON BEHALF OF THE ACQUIRER

INGA

INGA VENTURES PRIVATE LIMITED
1229, Hubtown Solaris, N.S. Phadke Marg, Opp. Telli Galli, Andheri (East), Mumbai 400 069; Maharashtra, India;
Tel. No.: +91 22 26816003; **Fax No.:** +91 22 26816020;
Email: gatiopenoffer@ingaventures.com;
Contact Person: Kavita Shah
SEBI Registration No: INM000012698
CIN: U67100MH2018PTC318359

Date : April 11, 2020
Place : Mumbai

PRESSMAN

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	37.2 डि.से.	37.2 डि.से.	37.0 डि.से.	37.5 डि.से.
न्यूनतम	20.3 डि.से.	20.3 डि.से.	20.1 डि.से.	20.0 डि.से.

हरियाणा : 22 में से 20 जिलों में कोरोना

फरीदाबाद, 12 अप्रैल (जनसत्ता)।

कुरुक्षेत्र जिले में पहली बार कोरोना विषाणु संक्रमित दो मामले सामने आने के बाद प्रदेश में 182 संक्रमित मामले हो गए हैं। इसके साथ ही हरियाणा के 22 में से 20 जिलों तक कोरोना विषाणु संक्रमण पहुंच गया है। अब महज रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ दो जिले बचे हैं, जहां कोरोना विषाणु संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है।

कुरुक्षेत्र में पहली बार कोरोना संक्रमण के दो मामलों में एक व्यक्ति को जम्मू-तवी एक्सप्रेस में सफर करना महंगा पड़ गया और वह कोरोना की चपेट में आ गया। हालांकि उसने 16 मार्च को दिल्ली से कुरुक्षेत्र तक जम्मू-तवी में सफर किया था। सूचना के बाद प्रशासन ने उसे घर में ही पृथक कर दिया था। स्वास्थ्य विभाग ने छह अप्रैल को उसका, उसकी पत्नी और दो साल के बच्चे का सैंपल लिया था। हालांकि संबंधित व्यक्ति के कोरोना संक्रमण होने की पुष्टि तीसरी रिपोर्ट में हुई है। करनाल के तरावड़ी निवासी एक युवती भी कोरोना संक्रमित मिली है। वह तरावड़ी में करियाना दुकान पर पैकिंग का काम करती थी। प्रशासन ने युवती के कोरोना संक्रमित होने की सूचना मिलते ही दुकान को शनिवार सायं सील कर दिया था। युवती कुछ दिन पहले कुरुक्षेत्र में अपनी बहन के घर आई थी और अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि अभी तक 30 मरीज ठीक होकर घर पहुंच चुके है। पर दो लोगों की मौत भी हो गई है। इनमें एक करनाल और एक रोहतक में हुई है।

नई दिल्ली में यमुना नदी के किनारे पुल के नीचे बेघरों ने बनाया अपना बसेरा।

प्रदेश में कुल आंकड़े

प्रदेश में कुल संक्रमित का आंकड़ा 182 पहुंच गया। सबसे ज्यादा 45 मरीजों नूंह के हैं। गुरुग्राम में 32, पलवल में 29, फरीदाबाद में 31, पानीपत में 4, अम्बाला में 7, भिवानी में 2, कैथल में 2, सिरसा में 3, पंचकूला में 5, हिसार में 2, यमुनानगर में 3, झज्जर (बहादुरगढ़) में 1, रोहतक में 1, करनाल में 6, चरखी दादरी में 1, जींद में 2, कुरुक्षेत्र में 2, फतेहाबाद में 1 और सोनीपत में 3 पॉजिटिव मरीज सामने आए हैं।

116 जमाती संक्रमित मिले

हरियाणा में अब तक संक्रमित मिले जमातियों की संख्या 116 हो गई है। इनमें सबसे ज्यादा संख्या नूंह जिले के हैं। यहां कुल 38 जमाती संक्रमित हैं। पलवल में 28, गुरुग्राम में 15, अम्बाला में 5, भिवानी में 2, कैथल में 1, फरीदाबाद में 17, पंचकूला में 3, यमुनानगर 3, चरखी दादरी 1, जींद 1, फतेहाबाद 1, सोनीपत 1 लोग संक्रमित हैं, जो मरकज से आए हुए थे। सभी धर्म प्रचार का काम कर रहे थे। जिन्हें अलग-अलग मस्जिदों व गांवों से पकड़ा गया है।

मोती बाग में नर्स आवारा कुत्तों को दूध देती हुई।

सात स्वास्थ्यकर्मी भी संक्रमित

कोरोना संक्रमित मरीजों में सात स्वास्थ्यकर्मी भी शामिल हैं। करनाल में शनिवार को एक स्टाफ नर्स संक्रमित मिली थी। सबसे पहला मामला पंचकूला से आया था, जहां कोरोना संक्रमित मरीज का इलाज करते हुए एक स्टाफ नर्स पॉजिटिव हो गई थी। पानीपत की एक नर्स संक्रमित हो गई थी, जो गुरुग्राम के मेदांता में काम करती थी। करनाल में एक डॉक्टर व एक स्टाफ नर्स भी कोरोना मरीज का इलाज करते हुए संक्रमित हुई थी। फिर फरीदाबाद में एक स्वास्थ्यकर्मी संक्रमित मिला था। बहादुरगढ़ में भी एक नर्स संक्रमित पाई गई थी।

कोरोना संक्रमित युवक की राममनोहर लोहिया अस्पताल में मौत

जनसत्ता संवाददाता
गाजियाबाद, 12 अप्रैल।

जनपद के लोनी में रहने वाले एक युवक की रविवार को दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में मौत हो गई। बताया गया है कि वह कोरोना विषाणु से संक्रमित था। संक्रमित की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने लोनी के राम पार्क के उस इलाके को सील कर दिया है, जहां युवक रहता था। स्वास्थ्य विभाग ने उसके परिवार के नौ लोगों को पृथक किया है। युवक करीब 50 लोगों के संपर्क में आया था, उनकी सूची भी तैयार की जा रही है। अब तक उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण से छह लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले मेरठ, बस्ती, वाराणसी, आगरा और बुलंदशहर जिले में एक-एक संक्रमित की मौत हो चुकी है। दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में हुई मौत के मामले में सीएमओ डॉ एनके गुप्ता ने उसे पहले से ही गुर्दे की बीमारी से पीड़ित बताया है। हालांकि उसके कोरोना संक्रमित होने की अपुष्ट खबर होने की बात भी सीएमओ ने कही है। उन्होंने बताया कि मामले की पुष्टि के लिए आरएमएल के सीएमएस को पत्र लिखा है।

डॉक्टर में कोरोना की पुष्टि

तो वहीं, राजनगर एक्सटेंशन की सैफायर सोसायटी में रहने वाले और दिल्ली में तैनात एक डॉक्टर में कोरोना की पुष्टि हुई है। डॉक्टर सीजीएचएस के तहत दिल्ली के एक हवाई अड्डे पर तैनात हैं। रविवार देर शाम सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग ने उनके राज नगर एक्सटेंशन स्थित घर और आसपास का इलाका सेनेटाइज कराया। डॉक्टर की पत्नी, चार माह के बेटे और साले को घर में पृथक किया है। इसके अलावा, जिला एमएमजी अस्पताल में उपचार के दौरान हुई एक युवक की मौत के तीन दिन बाद उसका अंतिम संस्कार हो सका है। युवक का अंतिम संस्कार उसके दोस्त ने किया, परिजन पूर्णबंदी के कारण यहां नहीं पहुंच सके थे। जिला एमएमजी अस्पताल में बुधवार को एएलएस एंबुलेंस के जरिए एक युवक को गंभीर स्थिति में लाया गया था।

पृथक केंद्र की सातवीं मंजिल से कूदकर शख्स ने की आत्महत्या

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 12 अप्रैल।

गौतमबुद्धनगर जिलाधिकारी के मुताबिक, रविवार शाम को मोहम्मद गुलजार नाम का व्यक्ति जिसकी उम्र लगभग 32 साल है उसने पृथक केंद्र में सातवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। गुलजार नोएडा के फेज दो का निवासी था। उसे कोरोना संक्रमित मानकर गलगोटिया इंजीनियरिंग कॉलेज में बनाए गए पृथक केंद्र में रखा गया था। इस व्यक्ति की कोरोना विषाणु की जांच के लिए नमूने लिए गए थे जिसकी रिपोर्ट प्रतीक्षारत थी। इस प्रकरण की मजिस्ट्रेट जांच अपर जिला अधिकारी प्रशासन को दी गई है।

कोरोना के 64 में से 13 संक्रमित मरीज हुए पूरी तरह से स्वस्थ

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 12 अप्रैल।

सीएमओ डॉ एपी चतुर्वेदी ने बताया कि जिले में अब तक 30414 घरों का निरीक्षण कर लगभग 106819 लोगों की जांच की गई है और जिले में 786 लोगों को निगरानी में रखा गया है

जनपद में रविवार तक कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 64 ही रही। जिसमें से 13 मरीज पूरी तरह से स्वस्थ होकर अपने घर जा चुके हैं। सीएमओ डॉ एपी चतुर्वेदी ने बताया कि जिले में अब तक 30414 घरों का निरीक्षण कर लगभग 106819 लोगों की जांच की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में 786 लोगों को निगरानी में रखा गया है।

रविवार को सीएमओ डॉ एपी चतुर्वेदी ने बताया कि जिस हौसले के साथ कोरोना पुष्ट मरीज लड़ाई लड़ रहे हैं, उसके दोगुने हौसले के साथ संक्रमण रोकने की लड़ाई लड़नी है। बीमारी से बचाव का पूर्णबंदी के अलावा कोई विकल्प नहीं है। लोगों को हर हाल में घर में रहना होगा तभी संक्रमण पर रोक लग पाएगी। जिले में अभी तक मरीजों की संख्या 51 हैं। वहीं 80 नए घूमने के ब्योरे (यात्रा इतिहास) वालों की शिनाख्त हुई है। इस अभियान में जिला प्रशासन ने 404 टीमें तैनात की हैं।

दिल्ली-आसपास में भूकम्प के झटके

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

कोरोना संकट के बीच भूकम्प के झटके ज्यादातर पूर्वी दिल्ली के इलाके नोएडा ,गाजियाबाद व आसपास महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र पूर्वी दिल्ली में सोनिया विहार के नजदीक था। गनीमत की बात यह रही कि रिएक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.5 मापी गई।

राष्ट्रीय भूकम्प विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप के झटके शाम करीब पौने छह बजे महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र दिल्ली में था। जो जमीन से आठ किलोमीटर की गहराई में नीचे था। प्रशासन ने इससे किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं दी है। यह जरूर कहा कि भूकम्प से लोग डर गए और एकदम से घरों से बाहर निकल आए।

उपमुख्यमंत्री ने ली चुटकी, कहा, कोरोना कम था क्या?

दिल्ली में रविवार शाम को भूकम्प के झटके महसूस किए गए। भूकम्प के तुरंत बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि 'दिल्ली में भूकम्प महसूस किया गया। उम्मीद है कि सब सुरक्षित होंगे। मैं प्रार्थना करता हूं कि सब सुरक्षित हों।' वहीं, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर भगवान से सवाल किया कि 'कोरोना कम था जो भूकम्प भी मचा दिया... क्या मन में है देवा?'

झटकों के बाद सड़कों पर आ गए लोग

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 12 अप्रैल।

रविवार शाम भूकम्प के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप के कारण लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकम्प का केंद्र जमीन से 8 किमी गहराई पर उत्तर प्रदेश के सरधना के पास था। झटके शाम करीब 5:45 बजे महसूस किए गए। इन झटकों के बाद से ही लोगों में हड़कंप मच गया। हालांकि शहर में भूकम्प की वजह से जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। शहर सिसमिक जोन-4 में आता है।

फाईटर वज्र से शहर को किया जा रहा विषाणुरहित

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 12 अप्रैल।

कोविड-19 से लड़ने के लिए प्राधिकरण ने नए तरह के टैंकरों की व्यवस्था की है। इन टैंकरों को कोविड (19) फाईटर वज्र नाम दिया गया है। इस वाहन की क्षमता 8500 लीटर की है। जिसमें 12 स्प्रे नोजल लगे हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक बार इससे पांच से छह सोसायटी को सेनेटाइज किया जा सकता है। इसके प्रयोग से शहर में सेनेटाइजेशन करने के कार्य में तेजी आएगी।

प्राधिकरण की तरफ से शहर को सेनेटाइज, साफ-सफाई के कार्यों के लिए करीब 4500 कर्मचारी लगे हुए हैं। हर रोज करीब 50 वाटर प्रेशर मशीन और 380 सैनेटाइजर हैंड स्प्रे मशीन के जरिए सेनेटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। रविवार को कर्मचारियों ने सेक्टर-8, 11, 15, 15ए, 16,16ए,33,39,44,57,59,6०,61,62,71,93बी के अलावा ग्राम गिझौड, मामूरा, रजत विहार, नव निर्मित चिकित्सालय समेत कुल तीन दर्जन से ज्यादा स्थानों पर मोपिंग व सेनेटाइजेशन किया।

प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक यह कार्य 14 अप्रैल तक निरंतर जारी रहेगा। वहीं, 22 संवेदनशील क्षेत्र (हॉटस्पॉट) में सामान पहुंचाने के लिए 18 स्थानों पर 96 वैंडरों को चिह्नित किया गया है। जो इन क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक और शाम चार से रात आठ बजे तक सामान की आपूर्ति करेंगे।

व्यापारियों और कारोबारियों को आर्थिक पैकेज देने की मांग

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 12 अप्रैल।

कोविड-19 के संक्रमण से हुई पूर्णबंदी से व्यापारियों व कारोबारियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उनके लिए खर्चे निकालना तक मुश्किल है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री से सभी व्यापारियों को आयकर एवं जीएसटी रिटर्न के आधार पर आर्थिक पैकेज देने की मांग की है। ताकि वह अपने कर्मचारियों को समय से वेतन दे सकें। साथ ही जिन व्यापारियों का वार्षिक टर्न ओवर 40 लाख रुपए से कम है, उन्हें 50 हजार रुपए का आर्थिक अनुदान देने की मांग उठाई है।

- मांग, जीएसटी पंजीकृत सभी व्यापारियों का करवाया जाए 10 लाख रुपए का बीमा
- 40 लाख रुपए से कम टर्नओवर वाले कारोबारियों को 50 हजार रुपए का अनुदान

प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में बताया कि कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए केंद्र व राज्य सरकार के बंदी का कदम सराहनीय है। लेकिन इसका प्रतिकूल प्रभाव कारोबारियों व व्यापारियों पर पड़ रहा है।

मंडल के प्रांतीय कोषाध्यक्ष नरेश कुच्छल ने बताया कि इस स्थिति से निपटने के लिए केंद्र व राज्य सरकार को चाहिए कि वह व्यापारियों व कारोबारियों के सभी वाणिज्यिक बिजली बिल में तीन माह के लिए फिक्स चार्ज, मिनिमम चार्ज इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी आदि समाप्त की जाए। सभी व्यापारियों के सीसी लिमिट, ओडी लिमिट, टर्म लोन, हाउसिंग लोन कार लोन पर लगने वाले ब्याज में 50 फीसद की छूट दी जाए। आयकर व टीडीएस की रिटर्न देर से जमा करने पर ब्याज व जुमार्ना माफ किया जाए। वहीं, जीएसटी में पंजीकृत सभी व्यापारियों का 10 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा करवाया जाए। ताकि वे कोरोना से लड़ाई में मजबूती से साथ दे सकें।

नोएडा में आदेश लागू, अब मास्क पहनना हुआ जरूरी

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 12 अप्रैल।

कोरोना विषाणु (कोविड-19) एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलता है। मास्क (फेस कवर) पहनने से किसी संक्रमित व्यक्ति से हवा में मौजूद थूक की बूंदों के माध्यम से कोरोना विषाणु के श्वसन तंत्र में प्रवेश करने की संभावना कम रहती है।

इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने घर से बाहर निकलने पर हर किसी को मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। इसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई भी हो सकती है। स्वास्थ्य विभाग भी लोगों को बाहर निकलने पर मास्क लगाने और घर पर मास्क बनाने के बारे में जागरूक करने में जुट गया है। इसके प्रचार-प्रसार के लिए पोस्टर और पर्चों का भी सहारा लिया जा रहा है, जिसमें बताया गया है कि बाजार में मॉस्क न मिलने पर उसे आसानी से घर पर भी बनाया जा सकता है।

इसके लिए मोटे कपड़े, कॉटन टी शर्ट या बनियान को परतों में काटकर मॉस्क बना सकते हैं। मोटा कपड़ा होने से वह सुरक्षित रहेगा और उसे धोने में भी आसानी होगी । स्कार्फ या रुमाल को अगर मास्क की जगह इस्तेमाल कर रहे हैं तो उसके भी दो-तीन परत (फोल्ड) कर लें ताकि कपड़े की परतें बनी रहें ।

प्रदूषण में कमी, विलुप्त पक्षी भी दिखे आकाश में

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 12 अप्रैल।

देशबंदी के कारण प्रदूषण के स्तर में लगातार कमी आ रही है। नदियों का पानी भी निर्मल व स्वच्छ होता दिख रहा है। वहीं, घरों की छतों व पेड़ पर ऐसे पक्षियों की चहचहाट हो रही है जो पहले इस मौसम में ना तो दिखाई देते थे और ना ही अपने प्राकृतिक प्रवास से बाहर निकलते थे। पक्षी प्रमियों ने अपने घरों की छत से ऐसे पक्षियों की फोटो अपने कैमरों में कैद की। जिसने बंदी के दौरान पक्षी प्रेमियों के मन में नया उत्साह भर दिया।

शहर में ओखला पक्षी विहार व धनौरी वेटलैंड में पक्षी प्रवास के लिए आते हैं। यहां पक्षी साइबेरियन क्षेत्र से प्रवास के लिए आते हैं। जो पूर्णबंदी से पहले तक अपने सुदूर क्षेत्र को पलायन कर चुके हैं। जिसकी वजह बढ़ता प्रदूषण बताया गया था। बंदी के दौरान नदियों के अलावा प्रदूषण में तेजी से कमी देखी गई। पीएम-2.5 व पीएम-10 के स्तर में तेजी से काफी कमी आई। बंदी के चलते ध्वनि प्रदूषण भी काफी कम हो गया। ऐसे में सुबह भी पक्षियों की चहचहाट सुनने को मिल रही है। अब तक करीब डेढ़ हजार से ज्यादा पक्षियों को पक्षी प्रेमी (बर्ड वाचर) अपने कैमरों में कैद कर चुके हैं। इसमें यलो फुटेड ग्रीन पिजन (कबूतर), ब्लू पैंसी, पर्पल हिरोन के अलावा कई अन्य पक्षी शामिल हैं। खास बात यह है कि अधिकांश को झुंड के रूप में देखा जा रहा है। पर्यावरणविद् आनंद आर्या के मुताबिक इस तरह के पक्षी हर साल अप्रैल में रीडिंग के समय दिखाई तो देते हैं।

पुलिस भी सख्त

दिल्ली पुलिस के ट्रैफिक कर्मियों और थानेदारों सहित अन्य कर्मियों में कोरोना के संक्रमण की पुष्टि के बाद अवरोधक लगाकर जांच कर रहे पुलिस वालों ने भी खुद को बचाना शुरू कर दिया है। दिल्ली से नोएडा और नोएडा से दिल्ली के बीच सीमा पर हो रही जांच में अब पुलिस वाले सिर्फ पहचान पत्र दिखाने से ही जरूरत के लोगों को जाने दे रहे हैं। अंदर खाने से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस वाले का तर्क है कि क्या पता उस गाड़ी में बैठे लोग या उनके द्वारा दिखाए जाने वाले पहचान पत्र कोरोना संक्रमित हों और वे भी इसकी चपेट में न आ जाएं।

कोरोना से बात हो गई

राजधानी में इन दिनों कोरोना संक्रमण के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि 55 साल के बुजुर्ग घरों में रहें। बुजुर्गों को खतरा ज्यादा है। दूसरी ओर दिल्ली सरकार के तमाम अस्पतालों में 60 साल के भी बुजुर्ग डॉक्टरों को ड्यूटी पर जाना अनिवार्य कर दिया गया है। यह आलम तब है जबकि अस्पतालों में सुरक्षा के तमाम उपाय भी पर्याप्त नहीं हैं और अस्पतालों में जाने अनजाने कोरोना के मरीज पहुंच भी रहे हैं व अस्पतालों को हॉटस्पॉट बना रहे हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री की कथनी व करनी में अंतर पर डॉक्टरों ने चुटकी लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की कोरोना से बात हो गई है कि वह डाक्टर बुजुर्ग को नहीं छुएगा। दूसरे डॉक्टर ने कहा, नहीं मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी केवल आम बुजुर्गों को बचाने की है, डॉक्टर बुजुर्ग अपना खुद देख लें।

संगठन दे रहे मदद

कोरोना संक्रमण की वजह से दिल्ली वालों में भी डर है। यह डर ही बेरोजगार हो गए लोगों की मदद के लिए लोगों को आगे ले कर आया है। लोग ऐसे परिवारों की मदद कर रहे हैं जिनके पास खाने का सामान नहीं। ऐसे में कुछ संगठन बेघरों, भिखारियों और बुजुर्गों तक मदद पहुंच रहे हैं। इनमें राजनीतिक तौर पर सक्रिय लोग तो शामिल हैं लेकिन अपने क्षेत्रों में भी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

दिल्ली में ठहराव

बंद की वजह से आम जनता के लिए पतंगबाजी व क्रिकेट ही लोगों का सबसे बड़ा सहारा है। इन दिनों में अपना समय व्यतीत करने का यही रास्ता निकाला है। परिवार के साथ खेलकर लोग अपना कीमती समय व्यतीत कर रहे हैं, इससे पूरा परिवार शाम ढले छतों पर नजर भी आ रहा है। इससे न सिर्फ लोगों को काम नहीं होने का तनाव कम करने में मदद मिल रही है बल्कि दौड़ती भागती दिल्ली में एक ठहराव भी दिख रहा है।

पैसे हुए नजरअंदाज

कोरोना संक्रमण से पहले अगर किसी को कहीं पड़े हुए पैसे मिल जाते थे तो वह खुशी से फुले नहीं समाता था। अब अगर पैसे दिख रहे हैं तो उसे नजरअंदाज किया जा रहा है। हाल ही में सोशल मीडिया में कोरोना संक्रमण को फैलाने में पैसे का इस्तेमाल होने का वीडियो सामने आया, इसके बाद यह असर दिल्ली में देखने को मिला है।

जमाती चर्चा में

कोरोना संक्रमण को लेकर चर्चा में घर-घर तक पहुंचा तबलीगी जमात। किसी ने ठीक ही कहा-अपनी स्थापना के सौ साल में भी वह संगठन जहां नहीं पहुंच सका था वहां उसे कोरोना प्रकरण ने पहुंचा डाला। अल्पसंख्यकों के बीच काम करने वाले एक संगठन के प्रमुख ने ठीक ही कहा-काश। बगैर आरोप के तबलीगी जमात के चर्चे घर-घर होते। इसका अफसोस रहेगा। ऊर्दू अखबार के एक खबरची ने ढांढ़स दिलाया, कहा-मियां निराश न होइए। जब लोग नेट पर सर्च करेंगे तो तबलीगी की अच्छी चीजों को भी समझेंगे। विश्व के जुड़ाव व समर्पण से भी तो रू-ब-रू होंगें। हो सकता है ऊपर वाला यही चाह रहा हो। इतने में पास बैठे एक तीसरे बुद्धिजीवी विफर पड़े, कहा-सारा जड़ आप ही लोग हैं। एक ही पक्ष को क्यों दिखाया। यह साल कोरोना, तबलीगी जमात के अलावा मीडिया की भूमिका को भी याद रखेगा।

ऊपरी दबाव

कोरोना विषाणु संक्रमण को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय प्रतिदिन शाम चार बजे संवाददाता सम्मेलन का आयोजन करता है। शुक्रवार को मंत्रालय के अधिकारी से एक सांख्यिकी विश्लेषण के बारे में जब सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यह विश्लेषण उनका या उनकी किसी एजंसी का नहीं है। अगले दिन सम्मेलन में उन अधिकारी ने सबसे पहले अपने एक दिन पहले बयान पर यूटर्न लेते हुए कहा कि वह विश्लेषण मंत्रालय की ओर से ही कराया था और उसके नतीजे सही हैं। दरअसल, जब स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी ने जब विश्लेषण को नकारा था तो उन्हें पता नहीं था कि इसके बारे में किस किस ने ट्वीट किया है। इसके बाद ऊपरी दबाव के बाद अधिकारी को अपने बयान पर यूटर्न लेना पड़ा।

महामारी में प्लास्टिक

कुछ दिनों पहले तक एकल इस्तेमाल वाली प्लास्टिक यानी पॉलीथीन की थैलियों को लेकर गौतमबुद्धनगर में चलाई गई मुहिम पर निगरानी रखने वालों के सामने ही अब इनका खुलकर और बेखौफ प्रयोग हो रहा है। इसे मजबूरी कहें या महामारी का प्रभाव कि घर-घर पहुंचने वाले सामान के अलावा रेहड़ी-ठेलियों पर शहर के विभिन्न इलाकों में बिकने वाले फल-सब्जियों को विक्रेता पॉलीथीन की थैली में डालकर दे रहे हैं। आलम यह है कि प्राधिकरण समेत पुलिस महकमे, जिसके पास इनके इस्तेमाल पर रोक लगाने और उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाने का अधिकार था, अब उन्हीं की मौजूदगी या वे खुद पॉलीथीन में फल-सब्जी, तैयार सब्जी आदि गरीबों को बांट रहे हैं। पॉश सोसायटी में रहने वाले भी सेक्टर के बाहर लगने वाले ठेलियों से इन्हीं पॉलीथीन की थैलियों में सामान खरीद रहे हैं। जबकि पॉलीथीन पर प्रतिबंध लगने के बाद इनके उत्पादन, भंडारण और विक्रय पर पूरी तरह से रोक लगाने का दावा किया गया था। तो बंदी के दौरान एकाएक इतनी बड़ी तादात में ये पॉलीथीन की थैलियां बाजारों में कैसे पहुंच गई?

-बेदिल

www.readwhere.com

'भारत में तीन सप्ताह का बंद शुरुआती कदम के तौर पर ठीक'

वाशिंगटन, 12 अप्रैल (भाषा)।

प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी विशेषज्ञ ने कहा कि भारत जैसे देश में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए तीन सप्ताह का बंद शुरुआती कदम के तौर ठीक है लेकिन इस घातक विषाणु से निपटने में अभी और वक्त लग सकता है।

वाइट हाउस में जैवरक्षा पर राष्ट्रपति के विशेष सहायक रह चुके राजीव वेंकैया ने कहा कि फिलहाल यह बता पाना मुश्किल है कि भारत को कोविड-19से पूरी तरह से पार पाने में कितना वक्त और लगेगा।

बुश के शासनकाल में जैव आतंकवाद और जैविक खतरों के प्रति अमेरिका की तैयारियों का जिम्मा वेंकैया पर था। उन्होंने कहा, 'एक महामारी विशेषज्ञ के दृष्टिकोण से मुझे नहीं पता कि क्या तीन सप्ताह पर्याप्त होंगे? इसमें और वक्त लग सकता है।'

चेतावनी के बाद भी ट्रंप ने कोरोना को हल्के में लिया

न्यूयार्क, 12 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को महामारी के खतरे के बारे में चेताया गया था लेकिन वह वायरस की गंभीरता की अनदेखी करते रहे और उन संदेशों पर ध्यान देने की जगह अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करते रहे। यह बात अमेरिका के एक प्रमुख अखबार की खबर में कही गई है।

न्यूयॉर्क टाइम्स (एनवाईटी) में छपी खबर में खुलासा किया गया है कि खुफिया समुदाय, राष्ट्रीय सुरक्षा सहायकों और सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने आने वाली महामारी और उसके परिणामों के बारे में चेतावनी दी थी लेकिन ट्रंप इस संकट को कमतर आंकते रहे। न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा, 'यह खुलासा हुआ है कि राष्ट्रपति को संभावित महामारी के बारे में चेतावनी दी गई थी लेकिन आंतरिक बंटवारा, योजना की कमी और अपने स्वाभाविक-ज्ञान पर उनका भरोसा धीमी प्रक्रिया की वजह बना।'

जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका दुनिया में सबसे बुरी तरह प्रभावित देश है जहां पांच लाख 30 हजार से ज्यादा कोविड-19 के मामले हैं और 20,608 लोगों की जान जा चुकी है। अखबार ने कहा, 'वाइट हाउस के शीर्ष सलाहकारों के साथ ही मंत्रिमंडल के विशेषज्ञों और खुफिया एजंसियों ने चेतावनी दी थी और कोरोना के खतरे से निपटने के लिए आक्रामक कार्रवाई का अनुरोध किया था।'

ट्रंप का नजरिया प्रशासन के अंदर चीन से निपटने के तौर-तरीकों को लेकर लंबे समय से चल रहे विवादों से ओत-प्रोत होने के साथ ही उनके इस संदेह पर भी आधारित था कि अधिकारियों को इसके लिए क्या प्रेरित कर रहा है। वह इसे 'डीप स्टेट' (राज्य के अंदर ही अलग एजेंडे व नीतियों को लेकर राज्य) के तौर पर देख रहे थे।

न्यूयॉर्क टाइम्स

- न्यूयॉर्क टाइम्स ने खुलासा किया कि खुफिया समुदाय, राष्ट्रीय सुरक्षा सहायकों और सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने आने वाली महामारी और उसके परिणामों के बारे में चेतावनी दी थी लेकिन ट्रंप इस संकट को कमतर आंकते रहे। ट्रंप ने जब तक सामाजिक दूरी के आक्रामक दिशानिर्देशों को अपनाने का निर्देश दिया तब तक देश में बड़े पैमाने पर वायरस फैल चुका था।
- राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के अधिकारियों को जनवरी के शुरू में चीन के वुहान से नए वायरस से संभावित खतरे को लेकर चेतावनी मिली थी।

इसके अलावा जन स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा की गई अनुशंसाओं को अक्सर आंतरिक चर्चाओं में आर्थिक व राजनीतिक विचारधाराओं से चुनौती मिलती थी जिससे फैसले लेने में और देरी हुई।

न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में कहा गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के अधिकारियों को जनवरी के शुरू में चीन के वुहान से नए वायरस से संभावित खतरे को लेकर चेतावनी मिली थी। खबर में कहा गया, 'विदेश मंत्रालय के महामारी विशेषज्ञों ने शुरू में चेतावनी दी थी कि यह वायरस महामारी में बदल सकता है जबकि डिफेंस इंटेलीजेंस एजंसी की छोटी इकाई नेशनल सेंटर फॉर मेडिकल इंटेलीजेंस भी ऐसी ही निष्कर्ष पर पहुंची थी।' इसके हफ्तों बाद राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में जैव-रक्षा विशेषज्ञों ने महामारी की परत-दर-परत जांच शुरू की कि आखिर वुहान में हो क्या रहा था और अधिकारियों से शिकागो शहर के बराबर के शहरों में पृथक वास की व्यवस्था करने तथा लोगों को घर से काम करने को कहने का अनुरोध किया।

इसमें कहा गया, 'कुछ शुरुआती चेतावनियां थीं लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा एजंसियों के लोग चीन को दोषी ठहराने में जुटे रहे और उन्हें अक्सर राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकारों का विरोध झेलना पड़ा जो ऐसे समय में चीन से रिश्ते बिगड़ने की आशंका को लेकर चिंतित थे जब ट्रंप बेजिंग के साथ व्यापार सौदे पर बातचीत कर रहे थे।' इसके बाद भी कई मौकों पर अधिकारियों ने ट्रंप को सामाजिक दूरी, घरों में रहने और घर से ही काम करने जैसे आक्रामक उपायों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने का सुझाव दिया लेकिन बात बनी नहीं। अखबार ने कहा कि ट्रंप ने जब तक सामाजिक दूरी के आक्रामक दिशानिर्देशों को अपनाने का निर्देश दिया तब तक देश में बड़े पैमाने पर निर्बाध रूप से वायरस का प्रसार हो चुका था।

घर लौट रहे प्रवासी मजदूर भारतीय उपमहाद्वीप में फैला सकते हैं कोरोना : विश्व बैंक

वाशिंगटन, 12 अप्रैल (भाषा)।

विश्व बैंक ने रविवार को कहा कि घर लौट रहे प्रवासी मजदूर अप्रभावित राज्यों व गावों में कोरोना वायरस ले जाने वाले रोगवाहक हो सकते हैं। शुरुआती परिणाम दिखाते हैं कि भारत के जिन इलाकों में ये लोग लौट रहे हैं, वहां भी कोविड-19 के मामले सामने आ सकते हैं।

अपनी द्विवार्षिक रिपोर्ट में, विश्व बैंक ने कहा कि दक्षिण एशिया, खासकर उसके शहरी इलाके, विश्व में सबसे घनी आबादी वाला क्षेत्र हैं और घरेलू स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकना क्षेत्र में बड़ी चुनौती है। रिपोर्ट में कहा गया, 'इससे संक्रमण फैलना आसान हो जाता है, खासकर सबसे कमजोर लोगों के बीच जो कि झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग और प्रवासी मजदूर हैं।'

भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान में अंतर्देशीय यात्री परिवहन साधनों पर रोक की घोषणा और इसे लागू करने के बीच एक दिन से भी कम समय लगा जिससे अव्यवस्था उत्पन्न हो गई क्योंकि प्रवासी मजदूर आनन-फानन में घर लौटने लगे, इससे भीड़ बढ़ गई और सामाजिक दूरी का नियम लागू करना नामुमकिन हो गया।

विश्व बैंक ने रविवार को जारी 'दक्षिण एशिया आर्थिक अपडेट : कोविड-19 का प्रभाव' रपट में कहा, 'प्रवासी मजदूरों का हुजूम अन्य राज्यों व गांवों में कोरोना वायरस का आसानी से रोगवाहक बन सकता है।' इसमें कहा गया कि दक्षिण एशिया के लिए छोटी सी राहत यह है कि यहां 65 साल से ज्यादा की आबादी अमेरिका और चीन की तुलना में कम है जो मृत्यु दर को भी सीमित करती है।

हालांकि, परिवार के सदस्यों की संख्या अधिक है। जिन देशों में चिकित्सा उपकरण (सैनेटाइजर, मास्क और वेंटिलेटर) की उपलब्धतता अपर्याप्त है और ज्यादातर आयातित चिकित्सा उत्पादों के अभाव के चलते देशों को घरेलू आपूर्तियों को जमा करके रखना पड़ रहा है। बैंक ने कहा कि लॉकडाउन की नीतियों ने पूरे उपमहाद्वीप में करोड़ों प्रवासियों को प्रभावित किया है जिनमें से ज्यादातर दिहाड़ी मजदूर हैं और शहरी केंद्रों में उनके पास काम नहीं बचा है जिसके चलते वे अपने ग्रामीण घरों की ओर सामूहिक पलायन कर रहे हैं, अक्सर पैदल ही।

इसमें कहा गया प्रवासी मजदूरों के पास लंबे समय कर बिना काम के शहरों में संभवतः भूखे रहने और सैकड़ों मील दूर अपने गृह जिलों को लौटने के लिए जानलेवा यात्रा पर निकलने के बीच किसी एक को चुनने का बेहद कठोर विकल्प है। विश्व बैंक ने कहा, 'प्रारंभिक परिणाम दिखाते हैं कि भारत में जिन इलाकों में सबसे ज्यादा पलायन किया जा रहा है, वहां कोविड-19 के मामले ज्यादा हो सकते हैं।' बैंक ने सरकार से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में जल्द से जल्द संसाधन पहुंचाने की भी अपील की है।

चिकित्सकों के एक समूह का अनुमान

कोरोना मरीजों को वेंटिलेटर पर रखने से हो सकता है नुकसान

न्यूयॉर्क, 12 अप्रैल (एपी)।

कोरोना वायरस के गंभीर संक्रमण वाले मरीजों के उपचार के लिए जहां दुनिया भर के देश अतिरिक्त वेंटिलेटरों की व्यवस्था करने में दिन-रात लगे हुए हैं वहीं कुछ चिकित्सक वेंटिलेटर का इस्तेमाल करने से बच रहें हैं क्योंकि उन्हें लगता है इससे मरीजों को नुकसान पहुंच सकता है।

कुछ अस्पतालों में संक्रमण के कारण वेंटिलेंटर पर बड़ी संख्या में मरीजों के मरने की घटनाएं सामने आई हैं, ऐसे में चिकित्सकों का मानना है कि वेंटिलेटर कुछ मरीजों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे मरीजों को वेंटिलेटर पर रखा जाता है जिनके फेफड़े काम करना बंद कर देते हैं, ऐसे में मरीज के गले में ट्यूब डाली जाती है और उसके जरिए ऑक्सीजन पहुंचाई जाती है। इस तरह की गंभीर स्थिति में पहुंच चुके मरीजों की बड़ी संख्या में मौत हो रही है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आमतौर पर सांस लेने की गंभीर परेशानी वाले 40 से 50 फीसद मरीजों की मौत वेंटिलेटर पर होती है। लेकिन न्यूयॉर्क में वेंटिलेटर पर 80 फीसद या इससे अधिक लोगों की मौत हो रही है। कुछ चिकित्सकों का कहना है कि हो सकता है कि वेंटिलेटर वक्त के साथ मरीजों को नुकसान पहुंचा रहे हों क्योंकि मरीज के फेफड़े में छोटे से स्थान में उच्च दबाव से ऑक्सीजन डाली जाती है। अमेरिकन लंग ऐसोसिएशन के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डा . अलबर्ट रिजो का कहना है कि अमेरिका में सामान्य से अधिक मृत्यु दर सामने आ रही है। इसी प्रकार की रपट चीन और ब्रिटेन से आईं लेकिन कुछ स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संभवतः कुछ मरीजों में वेंटीलेटर हालात को और बिगाड़ रहे हों। टोरंटो जनरल अस्पताल में श्वसन मामलों के विशेषज्ञ डा .ऐडी फान का कहना है, 'पिछले कुछ दशकों में सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह पता चली है कि वेंटीलेटर फेफड़ों की चोट को और बिगाड़ सकते हैं। इसलिए हमें इसे इस्तेमाल करने में सावधानी बरतनी होगी।'

बाजार चीन के वुहान में रविवार को मास्क बनाते श्रमिक। चीन के नियामक ने कहा है कि हाल में निर्यात किए गए वेंटिलेटर, मास्क और अन्य उत्पादों की गुणवत्ता की शिकायत आई है। लिहाजा इनकी जांच होगी।

बुजुर्गों के लिए पृथकवास हो सकता है लंबा : लेयेन

बर्लिन, 12 अप्रैल (एएफपी)।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने रविवार को कहा कि कोरोना संक्रमण से बुजुर्गों की रक्षा करने के लिए उन्हें साल के अंत तक पृथकवास में रखा जा सकता है। उन्होंने जर्मनी के दैनिक समाचार पत्र 'बिल्ड' से कहा, 'वायरस के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं होने पर हमें बुजुर्गों के साथ संपर्क को अधिक से अधिक सीमित करना होगा।' यूरोपीय आयोग प्रमुख ने कहा, 'मैं जानती हूं कि यह मुश्किल है और पृथक रखना बोझ है लेकिन यह जिंदगी और मौत का सवाल है। हमें अनुशासित रहना होगा।'

अमेरिका में जहां हैं, वहीं रहें भारतीय छात्र : राजदूत

वाशिंगटन, 12 अप्रैल (भाषा)।

अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर विश्वविद्यालयों को अचानक बंद कर दिए जाने और जारी लॉकडाउन के चलते फंसे भारतीय छात्रों को जहां हैं वहीं रहने की सलाह दी है और संकट की इस स्थिति में उन्हें मदद का आश्वासन दिया है।

संधू ने भारतीय दूतावास की ओर से शनिवार को आयोजित इंस्टाग्राम लाइव सत्र में शामिल करीब 500 भारतीय छात्रों को सुना। इस सत्र का संचालन इंडिया स्टूडेंट हब टीम की ओर से किया गया। अमेरिका में करीब 2,50,000 भारतीय छात्र हैं जिनमें से काफी संख्या में छात्र अचानक विश्वविद्यालयों को बंद किए जाने और छात्रावासों को खाली करने के लिए कहे जाने के बाद से फंसे हुए हैं। देश में महामारी को फैलने से रोकने के लिए अधिकारियों द्वारा घर पर रहने संबंधी आदेश का भी उन्हें पालन करना पड़ रहा है।

भारत सरकार ने तेजी से फैल रही बीमारी की रफ्तार को थामने के मकसद से 24 मार्च से 21 दिन के राष्ट्रव्यापी बंद की घोषणा की थी और इस दौरान रेल, सड़क एवं हवाई सेवाओं पर भी रोक लगा दी थी। संधू ने लाइव सत्र के दौरान पूछे गए प्रश्न के जवाब में कहा, 'इस वक्त सबसे उचित यह है कि आप जहां हैं, वहीं रहें।' छात्रों को आश्वासन देते हुए कि भारतीय दूतावास उनको वीजा जारी करने के विषय पर लगातार अमेरिकी सरकार के संपर्क में है, संधू ने कहा कि स्थिति सुधरने के बाद वे यात्रा की योजना बना सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी आपको सलाह है कि जहां हैं वहीं रहें। हम आपसे संपर्क में हैं, हम आपकी मदद करेंगे।'

दूतावास में रहने के दौरान दो बच्चों के पिता बने असांजे : रपट

लंदन, 12 अप्रैल (एएफपी)।

विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे लंदन में स्थित इत्वाडोर दूतावास में रहते हुए दो बच्चों के पिता बन गए। यह दोनों बच्चे उनकी अपनी वकील स्टेला मोरिस से हैं।

'द मेल ऑन संडे' में दी गई खबर के मुताबिक 48 साल के ऑस्ट्रेलियाई असांजे और उनकी वकील के बीच रिश्तों की बात सामने आई है। दोनों पहले ही सगाई कर चुके हैं। अखबार ने खबर में असांजे की बच्चों के साथ तस्वीरें व मोरिस का साक्षात्कार प्रकाशित किया है।

तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल व्यक्ति ने संक्रमित पाए जाने के बाद आत्महत्या की

अकोला, 12 अप्रैल (भाषा)।

दिल्ली में तबलीगी जमात के धार्मिक कार्यक्रम में शामिल 30 वर्षीय व्यक्ति ने खुद के कोरोना वायरस संक्रमित होने का पता चलने के बाद महाराष्ट्र के अकोला जिले के सरकारी अस्पताल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

अकोला गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज व अस्पताल (जीएमसीएच) के डीन डॉ अपूर्व पावड़े ने बताया कि असम के नगांव जिले का रहने वाला यह शख्स छह से आठ मार्च के बीच दिल्ली में था जहां वह निजामुद्दीन में आयोजित धार्मिक सभा में शामिल हुआ था। उसे सात अप्रैल को यहां जीएमसीएच में भर्ती कराया गया था और शुक्रवार को कोरोना वायरस की जांच में संक्रमित पाया गया। उन्होंने कहा, 'शनिवार को सुबह पांच बजे पीड़ित ने कथित तौर पर ब्लेड से अपना गला काट लिया। अस्पताल के कर्मचारी ने उसे शौचालय की फर्श पर पड़ा देखा। ऑपरेशन के दौरान सुबह आठ बजे के करीब उसकी मौत हो गई।' अधिकारी ने बताया कि इलाज के दौरान वह तनाव में था और चिकित्सीय विशेषज्ञ उसकी काउंसलिंग कर रहे थे। यहां कोतवाली पुलिस थाने के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह आत्महत्या का मामला लगता है और इस दिशा में जांच जारी है। अन्य अधिकारी ने कहा कि नौ मार्च से सात अप्रैल के बीच, यह शख्स यहां बोलापुर कस्बे के एक मदरसे में रहा और उसके संपर्क में आए लोगों को जीएमसीएच रेफर किया गया है।

अकोला के जिलाधिकारी जितेंद्र पापलकर ने कहा कि मृतक के परिवार के सदस्यों से लिखित अनुमति मिलने के बाद उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। अकोला जिल में अब तक 13 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है।

पक्का पुल नहीं होने के कारण एक और हादसा

बेटी को बचाने के लिए नदी में कूदी मां, दोनों की मौत

भद्रवाह/जम्मू, 12 अप्रैल (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के दूरदराज के एक गांव में मां-बेटी की नदी में डूबने से मौत हो गई।

भद्रवाह के पुलिस अधीक्षक राज सिंह गौरिया ने बताया कि चिल्ली-पिंगल गाँव में नदी पार करते समय जरीना (17) तेज धारा में गिर गई। उसकी मां समीना बेगम (43) ने उसे बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी, लेकिन दोनों पानी की तेज धार में बह गईं। दोनों महिलाओं के उस समूह की हिस्सा थीं, जो शनिवार शाम जंगल से जंगली मशरूम लेकर लौट रहा था, जिन्हें स्थानीय तौर पर 'गुच्छी' कहा जाता है।

प्रत्यक्षदर्शियों का हवाला देते हुए, गौरिया ने कहा कि जरीना नदी के ऊपर लकड़ी के अस्थायी पुल के सहारे दूसरी तरफ जा रही थी, लेकिन संतुलन खो बैठी और पानी में गिर गई। उसके पीछे जा रही उसकी मां उसे बचाने के लिए नदी में कूद गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ग्रामीणों ने दोनों के शवों को बाहर निकाला। ग्रामीणों का कहना है कि यहां पर ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं। एक ग्रामीण ने कहा कि हमने नदी पर एक पुल बनाने के लिए सरकार से बार-बार अनुरोध किया है, लेकिन अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया है।

फेसबुक पर आपत्तिजनक टिप्पणी, दो लोगों पर मामला दर्ज

जम्मू, 12 अप्रैल (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में दो फेसबुक उपयोगकर्ताओं के खिलाफ सोशल मीडिया साइट पर संवेदनशील टिप्पणी करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को कहा कि इन टिप्पणियों से शांति व कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका थी।

पुलिस के अधिकारी ने कहा कि अथोली-पद्दर के खेम राज और किश्तवाड़ के वासिल डूलवाल के खिलाफ अपने सोशल मीडिया अकाउंट से आपत्तिजनक पोस्ट करने पर मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि इन पोस्ट की प्रवृत्ति विभिन्न समुदायों और समूहों के बीच दुश्मनी और नफरत फैलाने वाली थी। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा फेसबुक पर कुछ लोगों द्वारा शरारती गतिविधियों को अंजाम देने की बात संज्ञान में ली गई और दोनों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत शनिवार को मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि दोनों ही मामलों में आगे जांच की जा रही है।

अगर शिवराज मंत्रिमंडल बनाने में सक्षम नहीं हैं तो लगाएं राष्ट्रपति शासन : तन्खा

भोपाल, 12 अप्रैल (भाषा)।

कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य व वकील विवेक तन्खा ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार असंवैधानिक है क्योंकि यह मंत्री-परिषद के बिना काम कर रही है। अगर मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री अपनी मंत्रिमंडल बनाने में सक्षम नहीं हैं तो प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाना चाहिए।

तन्खा ने राष्ट्रपति को शनिवार को लिखे पत्र में कहा, 'राष्ट्रपति जी, मैं मध्य प्रदेश की साढ़े सात करोड़ जनता के साथ न्याय की अपील कर रहा हूं। मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस की वजह से स्थिति बहुत खराब है। प्रदेश संकट से गुजर रहा है। इंदौर की स्थिति बहुत चिंताजनक है। भोपाल में स्वास्थ्य विभाग के 45 से अधिक अधिकारी संक्रमित पाए गए हैं। जांच की संख्या बहुत कम है।' उन्होंने आगे लिखा कि मार्च 23 से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अकेले सरकार चला रहे हैं। मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य मंत्री तक नहीं हैं। बिना कैबिनेट के यह कैसा प्रजातंत्र है? तन्खा ने कहा कि कोविड-19 के कारण पैदा इस संकट की घड़ी में यह असंवैधानिक सरकार है। पत्र में उन्होंने राष्ट्रपति से मांग की है कि वह मध्य प्रदेश की जनता के जीवन की सुरक्षा के लिए इस मामले में हस्तक्षेप करें। तन्खा ने प्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। अगर मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री कैबिनेट बनाने में सक्षम नहीं हैं तो यहां राष्ट्रपति शासन लागू किया जाना चाहिए।

ठीक हुए मरीजों ने रोगप्रतिरोधक क्षमता विकसित की

स्वयंसेवी

उनके दोबारा संक्रमित होने की आशंका बहुत कम है

ठीक हुए पांच मरीज कोरोना देखभाल केंद्र पर काम करने को तैयार

अमदाबाद, 12 अप्रैल (भाषा)।

अमदाबाग नगर निकाय ने अनूठी पहल शुरू करते हुए कोरोना वायरस संक्रमण से उबरे पांच व्यक्तियों को कोविड-19 देखभाल केंद्र में स्वयंसेवी के तौर पर काम करने के लिए तैयार किया है। यह केंद्र ऐसे कोविड-19 मरीजों के लिए स्थापित किया गया है जिनमें बीमारी के कोई लक्षण नजर नहीं आते और उनमें पहले से कही कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या नहीं है।

अमदाबाद नगरपालिका आयुक्त विजय नेहरा ने शनिवार को कहा कि यह पहल इसलिए शुरू की गई है क्योंकि ठीक हुए मरीजों में बीमारी के प्रति रोगप्रतिरोध क्षमता विकसित कर लेने की संभावना होती है और उनके दोबारा संक्रमित होने की आशंका अन्य की तुलना में बहुत कम होती है।

अमदाबाद में संक्रमण के मामले बढ़ने के बीच, नगर निकाय ने कोविड देखभाल केंद्र शुरू किया है। यह 18 से 60 साल के बिना लक्षण वाले ऐसे कोरोना वायरस मरीजों के लिए अलग केंद्र है जिन्हें स्वास्थ्य से जुड़ी कोई अन्य समस्या नहीं है। इसका लक्ष्य अस्पताल के बेड नाजुक स्थिति वाले मरीजों के लिए सुरक्षित रखना है जिन्हें चिकित्सीय देखभाल की जरूरत होती है।

नेहरा ने कहा, 'अमदाबाद नगरपालिका ने कोरोना वायरस संक्रमण से ठीक हुए पांच लोगों से संपर्क किया और अलक्षणी कोविड-19 मरीजों जो किसी अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित नहीं हैं, के लिए स्थापित इस देखभाल केंद्र में स्वयंसेवियों के तौर पर काम करने के लिए उनकी सहमति ली।' उन्होंने कहा कि अमदाबाद में सामने आए कुल 243 मामलों में से 30 मरीज ऐसे हैं जिन्हें अस्पताल से किसी अलग देखभाल केंद्र में स्थानांतरित किया जा सकता है।

उन्होंने बताया, 'यह तथ्य है कि जो लोग किसी विषाणु के संक्रमण से ठीक होते हैं। वे इसके प्रति रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं। उनमें एंटीबॉडीज होती हैं और उनके दोबारा संक्रमित होने की आशंका अन्य के मुकाबले कम होती है। एसवीपी अस्पताल से छुट्टी पाने वाले सात में से पांच लोग स्वयंसेवी के तौर पर काम करने के लिए तैयार हैं।'

अमदाबाद नगरपालिका आयुक्त विजय नेहरा ने बताया कि केंद्र पर काम करने के लिए इन पांच स्वयंसेवियों को व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपकरण (पीपीई) दिए जाएंगे। कोविड देखभाल केंद्र की योजना दो महीने पहले बनाई गई थी और यह विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्र सरकार के निर्देशों के मुताबिक स्थापित किया गया है। इसमें डॉक्टरों की टीम, अन्य चिकित्सा स्टाफ और एंबुलेंस की सुविधा होगी

नेहरा ने बताया कि केंद्र पर काम करने के लिए उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपकरण (पीपीई) दिए जाएंगे। कोविड देखभाल केंद्र की योजना दो महीने पहले बनाई गई थी और यह विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) और केंद्र सरकार के निर्देशों के मुताबिक स्थापित किया गया है। इसमें डॉक्टरों की टीम, अन्य चिकित्सा स्टाफ और एंबुलेंस की सुविधा होगी।

कान्हा अभयारण्य में बाघ मृत मिला

मंडला, 12 अप्रैल (भाषा)।

मध्य प्रदेश में मंडला जिले के विश्व विख्यात कान्हा बाघ अभयारण्य में किसली वन परिक्षेत्र के जंगल में एक बाघ मृत पाया गया है।

अभयारण्य के क्षेत्र संचालक एल कृष्णमूर्ति ने बताया कि शनिवार को कान्हा बाघ अभयारण्य के गश्ती दल को किसली वन परिक्षेत्र के चिमटा इलाके के प्रकोष्ठ क्रमांक 780 में एक अवयस्क बाघ मृत मिला। सूक्ष्म परीक्षण करने पर यह पाया गया कि उसकी गर्दन पर दांतों के निशान थे। कृष्णमूर्ति ने बताया कि प्रतीत होता है कि इस अवयस्क बाघ को आपसी लड़ाई में एक बड़े बाघ ने मार दिया होगा। मृत बाघ की फोरेंसिक जांच की जाएगी।

www.readwhere.com

जनसत्ता

वक्त की जरूरत

देश में कोरोना संक्रमितों की तादाद जिस तेजी से बढ़ रही है, उसे देखते हुए पूर्णबंदी की अवधि बढ़ाने का फैसला अपरिहार्य हो गया है। अब तक के हालात बता रहे हैं कि बिना बंदी के कोरोना को हरा पाना संभव नहीं है। शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री की बैठक में राज्यों ने बंदी की अवधि दो हफ्ते के लिए बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दिल्ली, तेलंगाना, पंजाब और महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने तो बाकायदा इसका औपचारिक ऐलान भी कर दिया। बैठक में राज्यों की जरूरत और रुख को देखते हुए प्रधानमंत्री ने भी स्पष्ट संकेत दिए कि बंदी की अवधि तीस अप्रैल तक बढ़ाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने बंदी के पहले चरण का मंत्र 'जान है तो जहान है' दिया था, लेकिन अब प्रधानमंत्री ने कहा है कि 'जान भी, जहान भी'। जाहिर है, बंदी की अवधि बढ़ाने के साथ ही अब ऐसे कदम भी उठाए जाएंगे जिनसे आर्थिक गतिविधियों की शुरुआत हो सके। इसके लिए कुछ क्षेत्रों में सीमित स्तर पर छूट मिलने के आसार हैं, ताकि बंदी खत्म होने के बाद इससे उत्पन्न हालात से निपटने में ज्यादा मुश्किलों का सामना न करना पड़े।

सभी भाजपा शासित और गैर-भाजपा शासित राज्य इस बात को अच्छी तरह समझ रहे हैं कि कोरोना को हराने का पहला और सबसे बड़ा उपाय पूर्णबंदी ही है और इसका सख्ती से पालन कराने की जरूरत है। अठारह दिन की बंदी के दौरान कई तरह के अनुभव सामने आए हैं। यह पता चला है कि मुश्किलें क्या हैं और उनसे कैसे निपटना है। इसलिए बंदी के दूसरे चरण में जोर समस्याओं को दूर करने पर होना चाहिए, जो अचानक से सामने आ गई थीं, जैसे- बड़े पैमाने पर प्रवासी मजदूरों का पलायन, जगह-जगह फंसे लोग और वाहन, कई दिनों से राष्ट्रीय राजमार्गों पर सामान से लदे खड़े ट्रक, या ऐसी ही अन्य दूसरी मुश्किलें। हालांकि इस बात के संकेत मिले हैं कि बंदी के दूसरे दौर में कुछ प्रतिबंधों के साथ सीमित संख्या में रेल और हवाई सेवाओं को शुरू किया जा सकता है, दिल्ली जैसे महानगर में मेट्रो सेवा और सार्वजनिक बस सेवा भी शुरू करने पर भी विचार किया जा सकता है। लेकिन अभी सबसे बड़ा खतरा यही है कि अगर जरा भी ये सेवाएं शुरू हुईं, तो लोगों की आवाजाही बढ़ने से भीड़ बढ़ेगी और इससे कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ सकता है। कोरोना से निपटने में अभी तक व्यावहारिक समस्या यही सामने आई है कि देश में कई जगहों पर पूर्णबंदी को कुछ लोगों ने गंभीरता से नहीं लिया। मुंबई जैसे महानगर में सब्जी मंडी में भीड़ है, तो पश्चिम बंगाल में धार्मिक आयोजनों को हरी झंडी दे दी गई है। ऐसे में हम कोरोना से कैसे जंग जीत पाएंगे?

ऐसा नहीं है कि बंदी खत्म होते ही हम कोरोना के खतरे से मुक्त हो जाएंगे। कोरोना महामारी से निपटने के लिए भारत को अभी लंबा रास्ता तय करना है। बंदी का वक्त हमें यह बता रहा है कि अब हम ज्यादा सतर्कता बरतें और जिम्मेदार नागरिक बनें। ऐसा इसलिए भी है कि कोरोना ही नहीं, दूसरी संक्रामक बीमारियां भी कम बड़ा खतरा नहीं हैं। लोगों को यह समझना होगा कि पूर्णबंदी जैसा कदम कोई सजा नहीं है, बल्कि खुद उनकी जान बचाने के लिए उठाया गया सबसे जरूरी कदम है। आज इटली, स्पेन और अन्य यूरोपीय देश व अमेरिका जिस भयावह दौर से गुजर रहे हैं, उसके पीछे सबसे बड़ी लापरवाही पूर्णबंदी को गंभीरता से नहीं लेना ही रही है।

महामारी में मस्ती

रसूखदार लोगों में यह भाव अक्सर देखा जाता है कि कानून उनके हाथ की कठपुतली है और वे जिस तरह चाहें, उसका इस्तेमाल अपने पक्ष में कर सकते हैं। इसका ताजा उदाहरण वधावन परिवार है, जो निषेधाज्ञा को धता बताते हुए गाड़ियों का काफिला लेकर मौज-मस्ती मनाने खंडाला से महाबलेश्वर की यात्रा पर निकल पड़ा। इस समय कोरोना विषाणु का संक्रमण रोकने के मकसद से पूरे देश में पूर्ण बंदी लागू है। लोगों के अपने घरों से निकलने पर रोक है। हर जगह निषेधाज्ञा लगी है, पांच से अधिक लोग एक जगह इकट्ठा नहीं हो सकते, न सैर-सपाटे के लिए जा सकते हैं। मगर महाराष्ट्र सरकार के प्रधान सचिव ने अपने लेटर हेड पर लिख कर वधावन परिवार को यात्रा की इजाजत दे दी। उस पत्र में उनके काफिले में शामिल गाड़ियों के नंबर दर्ज थे। इन गाड़ियों में वधावन परिवार के कुल तेईस लोग गए थे। प्रधान सचिव ने उनकी यात्रा की वजह जरूरी चिकित्सीय परामर्श बताया था। इस तरह गाड़ियां सारे पुलिस नाके पार करती हुई महाबलेश्वर तक निर्बाध पहुंच गईं। पर जब प्रशासन को इसकी शिकायत मिली और जांच हुई तो पता चला कि यह परिवार चिकित्सीय कारणों से नहीं, सैर-सपाटे, मौज-मस्ती के लिए घर से निकला था। इस पर स्वाभाविक ही महाराष्ट्र सरकार को किरकिरी झेलनी पड़ रही है और वधावन परिवार के खिलाफ प्रशासन सक्रिय हो गया है।

वधावन बंधु डीएचएफएल के प्रमोटर हैं और येस बैंक में हुए धनशोधन मामले में उन पर भी गंभीर आरोप हैं। उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट हैं। पर पिछले महीने जब उन्हें अदालत के समक्ष हाजिर होना था, तब उन्होंने महामारी का बहाना बना कर हाजिर होने से मना कर दिया था। विचित्र है कि अब उन्हें महामारी का कोई डर नहीं और वे अपने परिवार के साथ समूह में मौज-मस्ती को निकल पड़े। उनकी मदद करने के आरोप में प्रधान सचिव को तत्काल प्रभाव से लंबी छुट्टी पर भेज दिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआइ सहित दूसरे अन्य महकमे सक्रिय हो गए हैं। सीबीआइ ने सतारा पुलिस को आदेश दिया है कि बिना उसके आदेश के वधावन बंधुओं को रिहा न किया जाए। हालांकि वधावन परिवार को अलग-थलग रख दिया गया है और उन पर कोरोना विषाणु के प्रभावों को लेकर निगरानी रखी जा रही है। पर इस घटना ने सरकारों के कोरोना महामारी से लड़ने के प्रयासों पर प्रश्नचिह्न तो लगा ही दिया है। जब किसी राज्य के प्रधान सचिव को बंदी के उद्देश्यों की परवाह नहीं है, तो भला दूसरों से क्या उम्मीद की जा सकती है!

इस महामारी से महाराष्ट्र सबसे अधिक प्रभावित है और वहां की सरकार इसके संक्रमण का चक्र तोड़ने के लिए हर संभव प्रयास करती देखी जा रही है। मगर उसके प्रधान सचिव अपने लेटर हेड पर पत्र लिख कर एक आरोपी को मौज-मस्ती की छूट दे देते हैं, तो उनकी मंशा पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। वित्तीय गड़बड़ियां करने वाले कुछ लोग किस तरह चुपके से देश से पलायन कर गए हैं, यह प्रधान सचिव से कोई छिपी बात नहीं थी। ऐसे में यह आशंका निर्मूल नहीं है कि बंदी के दौरान पत्र लिख कर वधावन परिवार को लंबी दूरी की यात्रा करने की इजाजत देने के पीछे कोई साजिश भी हो सकती है। इस मामले में महाराष्ट्र सरकार को सक्रियता दिखाते हुए असल कारणों को उजागर करना चाहिए।

कल्पमेधा

बुरा व्यक्ति उस समय और भी बुरा हो जाता है जब वह अच्छा होने का ढोंग रचता है।
- फ्रांसिस बेकन।

बहुआयामी राहत की जरूरत

जयंतीलाल भंडारी

देशव्यापी बंदी का अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव दिख रहा है। इससे उद्योगों के राजस्व में भारी गिरावट आ रही है। रोजगार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है, लाखों लोगों का काम छिन गया है। स्थिति यह है कि उद्योगों के उत्पादन से वितरण तक सभी चरणों में कदम-कदम पर मुश्किलें दिखाई दे रही हैं। ऐसे में उद्योगों को बचाने के लिए जरूरी है कि सरकार जल्दी ही विशेष और व्यापक राहत पैकेज घोषित करे।

इस समय पूर्ण बंदी से मुश्किलों में घिरे देश के करोड़ों गरीबों, श्रमिकों और लाखों उद्योगों को संभालने के लिए बहुआयामी राहत और प्रोत्साहन पैकेज की जरूरत अनुभव की जा रही है। इस परिप्रेक्ष्य में दो महत्त्वपूर्ण नई पहल जरूरी हैं। एक, सरकार उद्योग और कारोबार को बचाने के लिए व्यापक राहत पैकेज दे और दूसरा, गरीब और श्रमिक वर्ग के लिए व्यापक कारपोरेट राहत मिले।

गौरतलब है कि कोरोना महामारी के फैलाव को रोकने के लिए की गई बंदी के कारण देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा है। छोटे-बड़े सभी उद्योग गंभीर संकट में फंस गए हैं। देश के ज्यादातर कारखानों में उत्पादन बंद है, खासतौर से अर्थव्यवस्था की रीढ़ समझे जाने वाले छोटे और मझौले ज्यादा संकट में हैं। बंदी की वजह से इनमें कोई काम नहीं हो रहा। कारोबारियों के सामने नगदी का संकट है और कामगारों की वेतन जैसी देनदारियों का संकट अलग से। उद्योग-कारोबार पर बढ़ते हुए प्रतिकूल प्रभाव के बारे में एक के बाद एक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और औद्योगिक संगठनों की रिपोर्टें आ रही हैं। इनमें सरकार को विशेष आर्थिक राहत पैकेज देने का सुझाव दिया जा रहा है।

आठ अप्रैल को उद्योग संगठनों- भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचैम) ने देश की अर्थव्यवस्था को बचाए रखने के लिए सरकार से करीब दो सौ से तीन सौ अरब डॉलर यानी करीब पंद्रह लाख करोड़ से बाईस लाख करोड़ रुपए के प्रोत्साहन पैकेज की मांग की है। इन संगठनों ने सरकार से यह भी कहा है कि अर्थव्यवस्था को बचाने और मांग पैदा करने के लिए आगामी तीन महीनों तक जीएसटी की दरें आधी कर दी जाएं। इन संगठनों ने रिजर्व बैंक से भी मांग की है कि ब्याज दरों में एक फीसद की कटौती और की जाए।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) की एक रिपोर्ट बता रही है कि देशव्यापी बंदी का अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव दिख रहा है। इससे उद्योगों के राजस्व में भारी गिरावट आ रही है। रोजगार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है, लाखों लोगों का काम छिन गया है। स्थिति यह है कि उद्योगों के उत्पादन से वितरण तक सभी चरणों में कदम-कदम पर मुश्किलें दिखाई दे रही हैं। ऐसे में उद्योगों को बचाने के लिए जरूरी है कि सरकार जल्दी ही विशेष और व्यापक राहत पैकेज घोषित करे।

यदि हम अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव का अध्ययन करें, तो पाएंगे कि पिछले साल मार्च में देश में वाहनों की बिक्री में पचास फीसद की कमी आई। जीएसटी की प्राप्ति में बीस फीसद की गिरावट आई। पेट्रोल और डीजल की खपत में बीस फीसद तक की गिरावट आई। बिजली की खपत में तीस फीसद की कमी आई। स्थिति यह है कि बंदी के कारण आर्थिक गतिविधियों में बड़ा संकुचन आ गया है। देश के कुल कार्यबल में गैर संगठित क्षेत्र की हिस्सेदारी नब्बे फीसद है। साथ ही देश के कुल कार्यबल में बीस फीसद लोग रोजाना मजदूरी प्राप्त करने वाले हैं। इन सबके कारण देश में चारों ओर रोजगार संबंधी चिंताएं और अधिक उभरती दिखाई दे रही हैं।

बंदी खत्म होने के बाद भी स्थितियों में सुधार धीरे-धीरे ही आएगा। अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में साल भर का वक्त लग सकता है। निश्चित रूप से बंद पड़ी कंपनियों को दोबारा काम शुरू करने में समय लगेगा। उद्योग कारोबार के अनुकूल वातावरण के लिए भी लंबा समय लगेगा। बंदी के कारण रोजगार खोने वाले लोगों के परिवारों की क्रय शक्ति बढ़ने में समय लगेगा। इसके अलावा निवेश संबंधी गतिविधियों मेंतेजी के लिए लंबे इंतजार करना पड़ सकता है। बैंकों के ऋण वितरण में रुकावटें दूर करने और बैंकों की सामान्य कार्यप्रणाली बहाल करना अर्थव्यवस्था की बड़ी चुनौती है।

देश की अर्थव्यवस्था और कारोबारी जगत का यह परिदृश्य अर्थव्यवस्था और उद्योगों को बचाने के लिए सरकार से व्यापक राहत पैकेज की मांग को न्यायसंगत बनाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि सरकार ने कोरोना को प्राकृतिक आपदा घोषित करते हुए देश की कंपनियों को विकल्प दिया है कि वे कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का पैसा कोरोना वायरस से प्रभावित लोगों और गरीबों के कल्याण पर खर्च कर सकती हैं। दरअसल सरकार की इस अच्छी पहल के साथ यह भी जरूरी दिखाई दे रहा है कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में अमीर वर्ग और विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों ने जिस तरह लाखों करोड़ों रुपए का दान कोरोना पीड़ितों को राहत देने के लिए दिया है, उसी तरह भारत के अमीर तबके को भी आगे आना होगा।

बंदी से देश के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और गरीबों की मुश्किलें सबसे ज्यादा बढ़ी हैं। देश के करीब पैंतालीस करोड़ कामगारों में नब्बे फीसद लोग असंगठित क्षेत्र से हैं। असंगठित क्षेत्र के लोगों को काम और वेतन की पूरी सुरक्षा नहीं होती है। इतना ही नहीं, इन्हें अन्य सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं नहीं मिलती हैं। देश में करीब इक्कीस फीसद लोग गरीबी की रेखा के नीचे हैं। डेढ़ करोड़ से अधिक लोग प्रवासी मजदूर हैं। ऐसे में इस समय कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत स्वास्थ्य, कुपोषण और भूख जैसे संकट को कम करने के लिए सीआरआर व्यय बढ़ाने के लिए प्राथमिकता दी जानी जरूरी है। उल्लेखनीय है कि पांच सौ करोड़ रुपए या इससे ज्यादा की सकल पूंजी या पांच करोड़ रुपए या इससे ज्यादा मुनाफे वाली कंपनियों को पिछले तीन साल के अपने औसत मुनाफे का दो फीसद हिस्सा हर साल सीएसआर के तहत उन निर्धारित गतिविधियों पर खर्च करना होता है, जो समाज के पिछड़े या वंचित लोगों के कल्याण के लिए जरूरी हैं। सीएसआर के तहत प्राकृतिक आपदा, भूख, गरीबी और कुपोषण पर नियंत्रण, कौशल प्रशिक्षण, शिक्षा को बढ़ावा, पर्यावरण संरक्षण, खेलकूद प्रोत्साहन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, तंग बस्तियों के विकास आदि पर खर्च करना होता है।

हालांकि यह चिंता का विषय है कि बड़ी संख्या में कंपनियां सीएसआर के उद्देश्य के अनुरूप खर्च नहीं करती हैं। ऐसे में अभी तक जो कंपनियां सीएसआर को रस्म अदायगी मान कर उसके नाम पर कुछ भी कर देती थीं, उनके लिए अब मुश्किल हो सकती है। सीएसआर के मोर्चे पर सरकार सख्ती करने जा रही है। अब कंपनियां केवल यह कह कर नहीं बच पाएंगी कि उन्होंने सीएसआर पर पर्याप्त रकम खर्च की है। अब उन्हें बताना पड़ेगा कि खर्च किस काम में किया गया, उसके परिणाम क्या रहे और समाज पर उसका कोई सकारात्मक असर पड़ा या नहीं। यह भी बताना होगा कि क्या यह खर्च कंपनी से जुड़े किसी संगठन पर हो रहा है। अब सरकार द्वारा कंपनियों के सीएसआर के बारे में नए नियमों को ध्यान में रखना होगा। इन नियमों के तहत सीएसआर खर्च के तहत निचले स्तर पर शामिल कंपनियों के लिए खुलासे की न्यूनतम बाध्यता होगी, खर्च की रकम बढ़ने के साथ-साथ अधिक से अधिक जानकारी देनी होगी।

जिस तरह अमेरिका, इटली और जापान जैसे देशों ने अपने यहां कर्मचारियों को बेरोजगारी लाभ देने की योजना बनाई है, उसी तरह भारत सरकार को भी ऐसी योजनाएं बनाने की जरूरत है। निश्चित रूप से ऐसे रणनीतिक कदमों से रोजगार चुनौतियों का सामना किया जा सकेगा और अर्थव्यवस्था को मंदी के दौर से बचाया जा सकेगा। सरकार बंदी के बीच उद्योग-कारोबार की और रोजगार संबंधी मुश्किलों को दूर करने के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित करेगी। निश्चित रूप से ऐसे प्रोत्साहन से देश के करोड़ों लोगों को कोरोना के कारण उत्पन्न आर्थिक मुश्किलों से तो बचाया ही जा सकेगा, साथ ही अर्थव्यवस्था व उद्योगों को फिर से पटरी पर लाया जा सकेगा।

जिंदगी जिंदादिली का नाम

पूनम पांडे

'अगर आप चाहते हैं कि जमाना आपको चाहे, आपसे प्यार करे, तो सबसे पहले जिंदादिल बनिए।' यह कथन है अलबर्ट आइंस्टीन का। जी हां, जीवन इसीलिए है कि इसको उत्सव की तरह जिया जाए।

रोजमर्रा की जिंदगी में न जाने कितने लोग हमारे संपर्क में आते हैं, लेकिन उनमें चंद लोग ही ऐसे होते हैं, जो अपने मस्तमौला अंदाज और जिंदादिली से हम पर गहरा असर कर जाते हैं। कुछ ही लमहों की मुलाकात में गुदगुदा देने वाली यादें हमारे पास छोड़ जाते हैं। असल में यह जिंदादिली अपने आप में एक दोहरा वरदान है। खुशमिजाज आदतों वाला व्यक्ति खुद तो तनाव मुक्त रहता ही है, उसके संपर्क में आने वाले को भी अपनी हर परेशानी और दुख हलके-फुल्के से लगने लगते हैं। भारीपन, दबाव और दिमागी बोझ जैसे बिल्कुल खत्म हो जाते हैं। इसलिए जिंदादिल मनुष्य अपने प्रसन्नचित्त व्यवहार से परोक्ष रूप में एक समाज सुधारक और परोपकारी व्यक्ति होता है।

ऐसा बिलकुल नहीं है कि हंसने और मस्त रहने वालों के जीवन में कोई कष्ट और पीड़ा होती ही नहीं। जरूर होती है, लेकिन जिंदादिल व्यक्ति हरदम बस रोनी-सी सूरत बना कर अपना दुख और बढ़ाने के बजाय चहक-चहक कर औरों के मन को गुदगुदाने और अपनी पीड़ा को भूल जाने की चेष्टा करते हैं। उसमें सफल भी होते हैं, क्योंकि दिल खोल कर हंसना और अपने जीवन के विविध आयामों से खुश रहना एकमात्र ऐसा अलौकिक आनंद है, जिसके सामने तनाव और परेशानियां कभी हावी नहीं होने पाती हैं।

दुनिया मेरे आगे

अपने आसपास हमें उदास और मुंह लटकाए रखने वाले लोग भी अवश्य मिल जाएंगे, जो अपनी जरा-सी पीड़ा या कष्ट को बढ़ा-चढ़ा कर सुनाते फिरते हैं, उसके बाद समाज की सहानुभूति या दया का पात्र बनने में गर्व महसूस करते हैं। मगर ऐसे अवसादी लोग कभी किसी के चहेते या लोकप्रिय नहीं बन पाते हैं। धीरे-धीरे समाज इनसे कटने लगता है और ऐसे लोगों को यदा कदा विभिन्न उपनामों से भी सुशोभित किया जाता है। 'अरे अरे, वह तो निराशाचंद है। उसके पास जाकर अपना कीमती वक्त क्या खराब करना, दूसरों से ऐसी उदास बातें करेगा कि अपना रोना ही रोता रहेगा।' या, 'अरे, उससे फलां फलां मजाक मत करना, वह नीरस है, उसको हंसी-मजाक का मतलब ही नहीं पता। आप कोई हंसी ठिठोली करोगे और वह तो बस गोलगप्पे की तरह अपना मुंह फुला कर बैठ जाएगा।'

वह कहावत है न कि 'अगर हंसते हो तो सब आपके पास हंसने चले आएंगे, मगर रोते हो तो यह काम अकेले करो।' ऐसी आदत पाल लेने से न केवल बाहरी व्यक्तित्व खराब होता है, बल्कि एकाकीपन का सामना भी करना पड़ सकता है। फिर ऐसी नीरस और उदास प्रकृति के लोग चाहे कितने भी विद्वान, धनवान, बलवान हों या प्रतिभावान, कोई भी उनके साथ एक पल गुजारना तक पसंद नहीं करता। इसका कारण बताते हुए व्यवहार मनोविज्ञानी हिमगार्ड कहते हैं कि 'हर मनुष्य की मूल प्रवृत्ति हमेशा सहज और मीठे माहौल में रहने की है, यही कारण है कि खुशमिजाज लोग आसानी से लोकप्रिय हो जाते हैं।'

राजा कृष्णदेव राय स्वयं गंभीर स्वभाव के थे, पर वे तेनालीराम जैसे हाजिरजवाब और विनोदप्रिय को हर महत्त्वपूर्ण कार्य और यात्रा आदि में अपने साथ ले जाते थे। अकबर के दरबार में बेशकीमती नवरत्न थे, जो एक से बढ़ कर एक बुद्धिमान और कला की खान थे, लेकिन अकबर खुशमिजाज, हाजिरजवाब बीरबल के साथ हास-परिहास में अधिक समय गुजारते थे।

वैसे यह बात भी सौ फीसद सच है कि प्रसन्न भी वही रह सकता है, जिसके मन में किसी के प्रति मैल न हो, बदला लेने की कोई भावना न हो, जिसका दिल और दिमाग साफ-सुथरे विचारों से सदैव महकते रहें।

हर हाल में प्रफुल्लित और संतुष्ट रहने को आज के चिकित्सा जगत में एक अचूक औषधि माना जा रहा है। अपने जीवन को हमेशा लाड़-प्यार देकर जीना एक मानसिक उपचार है, जो कई रोगों को पनपने ही नहीं देती। अधिकतर मनोवैज्ञानिकों का विश्वास है कि किसी बहाने हंसने, खिलखिलाने से ताजगी और उत्साह बरकरार रहते हैं, तनाव ग्रंथियों को पनपने का खाद-पानी नहीं मिलता, फलस्वरूप व्यक्ति मानसिक रोगों से मुक्त रहता है।

चार्ली चैपलिन अपने प्रशंसकों से यही कहते थे कि 'बात बात पर कहकहे लगा कर हंसना और ताली बजा कर मुस्कुराना ही मुझे इतना जवान रखता है।' हम लोग उदासी और अनचाहे माहौल से नहीं, बल्कि प्रसन्नता की कम खुराक से निराश रहने लगते हैं। अगर सरकार यह कानून बना दे कि दिन में दो बार हंस-हंस कर लोटपोट होना अनिवार्य है, तब शायद दिल खोल कर हंसने में कोई भी कंजूसी नहीं करेगा।

इस बात में दो राय नहीं कि यह जीवन बहुत अनमोल है, इसे यों ही काट-काट कर बिताना भला कहां की बुद्धिमानी है। आनंद तो तब है जब हम एक एक पल जिंदगी को मीठी झप्पियां देकर जी लें।

भीलवाड़ा मॉडल

कोरोना को काबू करने के लिए इन दिनों भीलवाड़ा मॉडल की चर्चा जोरों पर है। राजस्थान के भीलवाड़ जिले की कुल आबादी लगभग पच्चीस लाख है और जिला इसके जिला मुख्यालय की आबादी करीब चार लाख के आसपास। इस जिले की इतनी कम आबादी के बावजूद यहां कोरोना संक्रमण तीसरे चरण में प्रवेश कर गया था और पीड़ितों की संख्या सत्ताईस तक पहुंच गई थी, दो लोगों की मौत भी हो गई। ऐसे में जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक लोगों की जांच करने, संक्रमित रोगियों को अलग-थलग करने और सुरक्षित दूरी जैसे कदमों पर अमल के लिए बंदी को सख्ती से लागू करवाया। एक मुख्य नियंत्रण कक्ष बना कर बड़ी संख्या में टीमें बनाई गईं। सबसे पहले जिले के हर व्यक्ति को बंदी की स्थिति में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की गई, फिर सर्दी-जुकाम से पीड़ित लोगों तक की कोरोना के संदिग्ध मरीज होने के शक में गहन जांच की गई। इसी के साथ इस जिले को सील भी कर दिया। इस प्रकार बहुत कम समय में ही अपने जिले के लगभग सभी पच्चीचस लाख लोगों की कोरोना जांच करके उसमें से संक्रमित रोगियों को छांट कर, उन्हें अलग कर उनका समुचित इलाज किया गया। इस पूरी कवायद के सुखद परिणाम आए। चार अप्रैल, 2020 के बाद आज तक भीलवाड़ा में एक भी कोरोना संक्रमित व्यक्ति नहीं मिला है।

भीलवाड़ा का यह प्रयास भारत जैसे राष्ट्र-राज्य के लिए एक बड़ी मिसाल है। भीलवाड़ा जैसा राजस्थान का एक गुमनाम-सा जिला अज सबके लिए एक नजीर बन गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर भारत ने भीलवाड़ा मॉडल को अपनाते हुए काम नहीं किया तो यहां कोरोना इटली जैसी तबाही मचा सकता है। सबसे अफसोसजनक बात यह है कि हमारे राजनीतिक कर्णधार कोरोना महामारी के संकट में भी हिंदू-मुसलमान, भारत-पाकिस्तान, मंदिर-मस्जिद जैसी बातों से उबर नहीं पा रहे हैं। जबकि जरूरत है देश में कोरोना से निपटने के लिए तेजी और सख्ती से कदम उठाने की।

● *निर्मल कुमार शर्मा, गाजियाबाद*

बंदी का फायदा भी

आज कोरोना संक्रमण मानव जीवन और देश-दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए अभिशाप बनता जा रहा है। लेकिन देखने में यह आया है कि भारत सहित कई देशों में लिया गया बंदी का निर्णय पर्यावरण के लिए वरदान साबित हो रहा हैं, क्योंकि बंदी के चलते सड़कों पर गाड़ियां नहीं दौड़ रहीं, कई फैक्टरियों में काम बंद होने की वजह से विषैले पदार्थ के कण हवा में नहीं पहुंच रहे हैं, इससे वायु गुणवत्ता में सुधार आया है। देश में बंदी की वजह से दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु, चेन्नई जैसे महानगरों की हवा साफ है। देश के पिच्यासी से ज्यादा शहरों की हवा की गुणवत्ता सूचकांक 100 से भी नीचे है। इसके अलावा कारखानों के अपशिष्ट में कमी के चलते नदियों का जल शुद्ध हो रहा हैं।

हालांकि स्थितियां सामान्य या बंदी समाप्ति के बाद जब आर्थिक गतविधियां शुरू हो जाएंगी तो दुबारा हवा, जल प्रदूषित होने लगेगा, क्योंकि आर्थिक गतविधियां और पर्यावरण का सीधा संबंध है। जब आर्थिक गतविधियां चलती हैं तब पर्यावरण को नुकसान होता हैं। आज के दौर में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना आर्थिक गतविधियां जारी रखना जरूरी हैं। इसलिए यह सही वक्त है जब सरकार की तरफ से पेट्रोल, डीजल जैसे जीवाश्म ईंधन के बजाय सौर ऊर्जा, सौर ऊर्जा से चलने वाले वाहनों और अन्य विकल्पों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए और इनमे निवेश करना चाहिए।

● *निशांत महेश त्रिपाठी, कोंढाली (नागपुर)*

मानवता के खिलाफ

संपूर्ण मानवजाति के लिए ऐसा संकट खड़ा हो गया है जिससे भारत सहित समूचा विश्व कोरोना जैसे अदृश्य दुश्मन से जंग लड़ रहा है। ऐसे समय में मानवीय प्रयासों से ही सफलता हासिल की जा सकती है। सुरक्षित दूरी और मास्क लगाने जैसी कई सावधानियां बरतने पर जोर दिया जा रहा है। लेकिन कुछ व्यक्ति सरकार के दिशा निर्देशों को धता बताते हुए आए दिन इनका उल्लंघन कर रहे हैं और न केवल अपनी बल्कि दूसरों की जान भी खतरे में डाल रहे हैं। कई शहरों से कोरोना संक्रमितों का स्वास्थ्यकर्मियों से बुरा बर्ताव करने और पुलिस पर हमले जैसी घटनाएं देखने को मिल रही हैं। यह चिंता का विषय है। इसमें कोई शक नहीं कि पिछले महीने तबलीगी जमात के लोगों ने देश भर में इस संक्रमण को फैलाया, उससे कोरोना मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जमातियों का अपराध मानवता के खिलाफ है।

● *अभिषेक बाजपेयी, रायबरेली*

महाबली की मदद

भारत ने अमेरिका को हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा भेजने के लिए प्रतिबंध हटा दिया है। आजादी के चार साल बाद सन 1951 में जब भारत अनाज की कमी से जूझ रहा था, तो अमेरिका से मदद मांगी थी। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत को बीस लाख टन आपात मदद की पेशकश की थी। वह बात अलग थी कि अमेरिका ने अपने फायदे के लिए भारत की मदद की थी। साथ ही साथ, अमेरिका पंडित जवाहरलाल नेहरू की गुट निरपेक्षता नीति, चीन को लेकर भारत की नीति, कोरियाई युद्ध, पश्चिम उपनिवेशवाद और अन्य मुद्दों पर भारत के रुख से खुश नहीं था। पचास के दशक से आज 2020 तक दुनिया में कई चीजें बदलीं। भारत दुनिया की सबसे तेज गति से उभरने वाली अर्थव्यवस्था बन चुका है। सात दशकों में बहुत कुछ बदल चुका है। भारत आज खाद्यान उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है। आज भारत ने सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका को हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन दवा भेज कर दुनिया में साख बनाई और मानवता का परिचय दिया है।

● *वत्सल श्रीवास्तव, प्रयागराज*

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

www.readwhere.com

जानकारी

वैशाख मास

काल वैशाखी : यह काल वैशाखी क्या है? काल वैशाखी यानी तेज गति से आने वाले वे तूफान जो थोड़ी देर के बाद शांत हो जाते हैं। गर्म और शुष्क हवाएं समुद्र की आर्द्र हवाओं से मिलती हैं तो ऐसा होता है। चूंकि पश्चिम बंगाल, बंगाल की खाड़ी का सहोदर है, इसलिए साधारण तौर पर ऐसे तूफान बंगाल में आते रहते हैं। इन हवाओं के कारण कई बार थोड़ी देर के लिए मूसलाधार बारिश होती है। फिर मौसम ठंडा और तूफान गायब। आखिर इसका नाम काल वैशाखी क्यों है। इसके बारे में अक्सर हास-परिहास होता है। कुछ लोग कहते हैं कि अप्रैल-मई की इस भीषण गर्मी के लिए तूफान काल की तरह आता है और मौसम ठंडा कर जाता है, इसलिए इसका नाम काल वैशाखी है। तो कुछ लोग कहते हैं कि चूंकि यह तूफान वैशाख में ज्यादा आता है, इसलिए काल यानी समय के तौर पर इसे चिन्हित कर इसे काल वैशाखी कहा जाता है।

कैलेंडर

तीज त्योहार

13 अप्रैल से 26 अप्रैल

13 अप्रैल: सोमवार: मेष संक्रांति, सौर नववर्ष

14 अप्रैल : खरमास समाप्त

18 अप्रैल: शनिवार: वरुथिनी एकादशी

20 अप्रैल : प्रदोष व्रत (कृष्ण पक्ष)

24 अप्रैल : गुरु अनंग देव जयंती

25 अप्रैल: शनिवार: परशुराम जयंती

26 अप्रैल: रविवार: अक्षय तृतीया

सूर्य के राशि परिवर्तन से

सकारात्मक ऊर्जा का होगा संचार

मदन गुप्ता सपाटू

सूर्य का मेष राशि में गोचर 13 अप्रैल, सोमवार को रात्रि 8 बज कर 14 मिनट (20:14 बजे) पर होगा, जब सूर्य देव अपने परम मित्र मंगल के स्वामित्व वाली मेष राशि में प्रवेश करेंगे। यह एक अग्नि तत्व की राशि है और सूर्य इस राशि में अपनी उच्च अवस्था में माना जाता है। इस प्रकार एक अग्नि तत्व प्रधान सूर्य ग्रह का प्रवेश अग्नि तत्व प्रधान मेष राशि में होगा, जिससे गर्मी के मौसम में बढ़ोतरी होगी। कोरोना का धीरे धीरे प्रभाव कम होगा।

सूर्यदेव के मेष राशि में प्रवेश करने से मीन खरमास भी समाप्त हो जाएगा और बीते एक महीने से जो शादी-विवाह आदि शुभ कार्य बंद थे, वे भी शुरू हो जाएंगे।

जन्म के समय सूर्य जिस राशि में होता है उसे सूर्य राशि कहते हैं। पाश्चात्य ज्योतिष में भविष्य फल को देखने के लिए सूर्य राशि का प्रयोग किया जाता है। पश्चिम के ज्योतिषियों का मानना है कि चंद्र राशि की अपेक्षा सूर्य राशि से जातकों का सटीक फलादेश बताया जा सकता है। सूर्य का उदय और सूर्य का अस्त होना राशि चक्र के निर्धारण के लिए प्रमुख कारक हैं।

लगभग 30 दिन के अंतराल पर सूर्यदेव एक-एक करके सभी बारह राशियों में गोचर करते हैं। ये चक्र मेष राशि से शुरू होकर मीन राशि तक चलता है और फिर मेष राशि से दोबारा शुरू हो जाता है।

ज्योतिषीय गणना की दृष्टि से पहली राशि मेष को माना गया है। दूसरी वृषभ, तीसरी मिथुन, चौथी कर्क, पांचवी सिंह, छठी कन्या सातवीं तुला, आठवीं वृश्चिक, नौंवी धनु, दसवीं मकर, ग्यारहवीं कुंभ और बारहवीं राशि मीन है।

चंद्र राशि

यहां आपकी चंद्र राशि के अनुसार सूर्य के प्रभाव बता रहे हैं। जन्म पत्री में देखें कि चंद्रमा के साथ कौन सा अंक लिखा है। वही आपकी राशि होगी। यदि 1 है तो मेष राशि, 7 है तो तुला, 12 है तो मीन राशि।

राशियों पर प्रभाव

मेष– सूर्य का गोचर आपकी ही राशि में हो रहा है, ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। महत्त्वपूर्ण लेन-देन हो सकता है। भूमि, भवन आदि की खरीद-बिक्री करते समय सावधानी रखें। संतान की ओर से कोई शुभ समाचार भी महीने के अंत में मिल सकता है। माता-पिता की मदद से जमीन या भवन संबंधी फायदा भी आपको मिल सकता है।

वृष– सूर्य देव का गोचर बारहवें भाव में होगा, यह भाव व्यय भाव भी कहलाता है। सरकारी काम में किसी की मदद मिल सकती है। कोई महत्त्वपूर्ण फैसला भी ले सकते हैं। सेहत को लेकर भी आपको सावधान रहना होगा। पेट या छाती से जुड़ी समस्या हो सकती है।

मिथुन– सूर्य का गोचर आय भाव में होगा। आपको धन लाभ भी हो सकता है। कोई अच्छी खबर भी आपको मिल सकती है। कुछ नया करने की इच्छा आपके मन में रहेगी। अधिकारियों से अनबन होने की संभावना बन रही है। कामकाज की अधिकता से या योजनाओं पर काम नहीं होने से आप परेशान हो सकते हैं।

कर्क– शुरुआती दिनों में आपकी आय ज्यादा नहीं होगी और खर्चे बढ़े रहेंगे। इस दौरान सूर्य के अपनी उच्च राशि में दिगबल से युक्त होने के कारण आपकी नौकरी में जबरदस्त पदोन्नति के योग बनाएंगे। करिअर में आगे बढ़ने के मौके तो आपको मिल सकते हैं। इन दिनों में आपको कोई बड़े काम की जिम्मेदारी भी आपको मिल सकती है।

सिंह– सूर्य के गोचर से आपके मान-सम्मान में खूब बढ़ोतरी होने के से आप बहुत लोकप्रिय होंगे। सोचे हुए काम समय पर पूरे हो सकते हैं। नौकरी और कारोबार में कुछ नया करने का मन हो सकता है। इनसे जुड़ा कोई बड़ा फैसला भी आप ले सकते हैं।

कन्या– लेन-देन और निवेश के मामलों में भी बड़े फैसले ले सकते हैं। इस गोचर की अवधि में आपको धन हानि होने के योग बनेंगे और इस समय में आपको कहीं भी धन का निवेश करने से बचना चाहिए। वहीं पारिवारिक मामलों में आपको संभलकर रहना होगा। सोच-समझकर बोलें। आपकी बातों का गलत मतलब भी इन दिनों में निकाला जा सकता है।

तुला– कुछ लोगों की शादी होने की भी संभावना रहेगी। कारोबार में आपका फायदा बढ़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। इन दिनों में किए गए कामों का फायदा भविष्य में मिल सकता है। संतान संबंधी जरूरी मामले निपटाने में आपका समय बीतेगा। भाइयों या दोस्तों के साथ विवाद होने की संभावना है।

वृश्चिक– कुछ मामलों में आपको किस्मत का साथ नहीं मिल पाएगा। छठे भाव में सूर्य कई बार अचानक से स्वास्थ्य समस्याएं दे सकता है। वहीं यदि आपका कोई कोर्ट कचहरी का मामला लंबित है तो वह भी आपके पक्ष में आने से आपका फायदा होगा। बिजनेस से जुड़े नए एग्रीमेंट हो सकते हैं। इन दिनों में आपको कामकाज में कोई चुनौती भी मिल सकती है।

धनु– वरिष्ठ अधिकारियों से आप के संपर्क अच्छे होंगे और इस समय में आपका तबादला हो सकता है। कारोबार में भी फायदा होने के योग बन रहे हैं। नौकरीपेशा लोगों को आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। पदोन्नति होने की संभावना है। रुका हुआ पैसा आपको मिल सकता है। पुराने किए गए निवेश में भी आपको धन लाभ हो सकता है।

मकर– नौकरी में आपको अच्छा इंक्रीमेंट और पदोन्नति मिल सकती है। यदि आप व्यापार करते हैं तो उसमें भी समय सुखद रहेगा। कई चिंताएं एकसाथ खत्म हो सकती है। धन लाभ होगा। बचत बढ़ सकती है। आप प्रॉपर्टी, वाहन या अन्य मामलों में पैसा निवेश करने का मन बना सकते हैं। खरीदारी करने का भी मन बनेगा। इस महीने आप छोटी यात्राएं करने की योजना भी बना सकते हैं।

कुंभ– आपको कुछ नए लोगों से मिलने का मौका मिलेगा, जो आपके व्यापार को नई दिशा देने में मदद करेंगे। नौकरी और कारोबार के मामलों में ये महीना आपके लिए उतार-चढ़ाव वाला हो सकता है। नए बिजनेस की योजनाएं इस महीने बन सकती हैं। कहीं पैसा निवेश करने की सोच रहे हैं तो किसी अनुभवी से सलाह जरूर लें। इस महीने संतान और माता की सेहत को लेकर परेशान हो सकते हैं।

मीन– आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। महीना आपके लिए सामान्य रहेगा। इन दिनों में सोचे हुए काम पूरे होंगे लेकिन कई मामलों में देरी भी हो सकती है। नया काम तो मिलेगा लेकिन उसमें मेहनत ज्यादा करनी पड़ सकती है और आपको मेहनत का फायदा भी कम ही मिल पाएगा।

गुरु ग्रंथ साहिब के पहले संपादक गुरु अर्जन देव

गुर कृपाल सिंह अश्क

शहादत एक बहुत महान रुतबे का नाम है। सिख धर्म के पांचवे गुरु अर्जन देव जी को शहीदों का सरताज कहा जाता है। उन्हीं से सिख धर्म में शहादतों का जो सिलसिला शुरू हुआ, उसकी लड़ी फिर बहुत लंबी होती गई। इसमें स्थान पाने वाले कभी भी अन्याय के सामने नहीं झुके और हमेशा सत्य के मार्ग पर चले।

गुरु अर्जन देव जी का जन्म 15 अप्रैल, 1563 को अपने ननिहाल गोइंदवाल में गुरु अमरदास जी की बेटी बीबी भानी की कोख से हुआ था। उनके पिता गुरु अमरदास जी गुरु गद्दी के तीसरे वारिस थे। बालपन में एक दिन खेलते हुए वह गुरु अमरदास जी की चारपाई के पास चले गए और खड़े होने का प्रयास करने लगे तो गुरु जी ने पूछा कि कौन है?, तो बीबी भानी ने कहा, 'आप का दोहता'। इस पर गुरु के मुखारविंद से निकल गया 'दोहिता, बानी का बोहिथा' और यह बात सही साबित हुई। गुरु अर्जन देव जी ने अपनी शाहकार रचना सुखमनी साहिब के अलावा बावन अखरी, बारामाहा (राग माझ) के अलावा राग गाउडी, गुजरी, रामकली, जैतसरी, मारु और बसंत रागों में 7 वारें (काव्यरूप) दीं। उन के 2218 शब्द गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज हैं।

गुरु अर्जन देव जी के महान कार्यों में से एक प्रमुख कार्य गुरु ग्रंथ साहब जी की 'आदि बीड़' का संपादन है। गुरु अमर दास जी ने 1570 से 1572 के दो वर्षों में अपने पौत्र बाबा मोहन के बेटे सहंसर राम से, अब तक रची गई बाणी को दो सैंचियों (पुस्तकों) में पूरा करया था जिन्हें गोइंदवाल वाली सैंचियां कहा जाता है। इन में गुरु नानक देव जी, गुरु अंगद देव जी, गुरु अमर दास जी भक्त कबीर, नामदेव, त्रेलोचन, सैन, रविदास और जयदेव जी की बाणी 14 रागों में संकलित है। ये पोथियां गुरु अमर दास जी के बेटे बाबा मोहरी जी के पास थीं। गुरु अर्जन देव जी ने इन्हें प्राप्त कर के इस में गुरु राम दास जी की बाणी, अपनी और दूसरे भक्तों की बाणी को इकट्ठा करवा भाई गुरदास से एक बीड़ बनवाई जिसे आदि ग्रंथ कहा जाता है। गुरु जी को रागों और रागनियां के बारे में भरपूर ज्ञान था। गुरु ग्रन्थ साहिब में बाणी को प्रसंग, विषयों और रागों के तहत दर्ज किया। एक और काम जो गुरु जी ने किया वह पंजाबी शब्द-जोड़ है जिसे उन्होंने एकरूपता प्रदान की। इस तरह वे आदि गुरु ग्रंथ साहिब के पहले संपादक थे।

शहीदों के सरताज

जब मुगल बादशाह जहांगीर आगरा में तख्त पर बैठा तो उसके बेटे खुसरो ने बगावत कर दी और गुरु जी के पास तरन तारन पहुंच गया जहां गुरु जी एक ताल का निर्माण करवा रहे थे। गुरु जी ने उसूलों के मुताबिक शरण में आए खुसरो की सहायता की जिस से जहांगीर उन का दुश्मन बन गया। उस के एक उच्चधिकारी चंदू को, जो पहले ही अपनी बेटी का रिश्ता उन के बेटे हरगोबिंद जी से न होने के कारण गुरु जी के विरुद्ध था, बदला लेने का मौका मिल गया। उस ने जहांगीर को भड़काया कि आदि बीड़ में इस्लाम के खिलाफ लिखा गया है। जहांगीर ने पंजाब आ कर पड़ताल करवाई। जब इल्जाम गलत पाए गए तो उस ने अपने मुताबिक गुरु जी से कुछ लिखवाना चाहा। इनकार करने पर 2 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया। जुर्माना न देने के कारण, गुरु जी को कैदी बना कर चंदू को सौंप दिया गया। यही तो वह चाहता था। पांच दिन तक गुरु जी को गर्म तवा पर बैठा कर उनके सिर पर गर्म रेत डाली गई। खौलते हुए गरम पानी में बैठाया गया। एक दिन गुरु जी सिपाहियों की निगरानी में रावी में स्नान करने गए तो अपने बेटे हरगोबिन्द जी को गुरु गद्दी संभाल कर इस दुनिया से विदा हो गए। यह घटना 30 मई 1606 की है।

गुरु अर्जन देव जी ने सिखों में दस्वंध (अपनी कमाई का दसवां हिस्सा) निकालने की परंपरा शुरू की ताकि लंगर और दूसरे सभी धार्मिक व सामाजिक काम चलाए जा सकें। विभिन्न केंद्रों पर अपने प्रतिनिधि जिन्हें मसंद कहा जाता था, नियुक्त किए। वर्ष 1588 में संतोखसर सरोवर को पक्का करवाया। इसी वर्ष संत मीयां मीर को बुला कर गुरु के चक्क (अमृतसर) में दरबार साहिब का निर्माण करवाया। 1590 में तरन तारन के सरोवर को पक्का करवाया और 1594 में करतारपुर साहिब नगर की स्थापना की। 1604 में उन्होंने पहली बार आदि श्री गुरु ग्रंथ साहिब का प्रकाश दरबार साहिब में करवाया और बाबा बूढ़ा जी को पहले ग्रंथी की सेवा सौंपी।

माधव मास है वैशाख

शास्त्री कोसलेंदद्रास

संवत्सर के आरंभ में चैत्र में नवरात्र की महापूजा के पूर्ण होते ही पवित्र वैशाख मास शुरू होता है। यह मास न केवल सांस्कृतिक तौर पर बल्कि आध्यात्मिक उन्नति की प्राप्ति के लिए सबसे उपयुक्त काल है। भारतीय दर्शन में काल भगवान का ही रूप है। इस नाते वे परमेश्वर ही विभिन्न काल में अनेक रूपों में भक्तों के आराध्य होते हैं। वैशाख मास में वे माधव हैं। भगवान नारायण भक्तों को आनंद देने के लिए माधव रूप में वैशाख मास पूजित होते हैं।

अपार है वैशाख की महिमा

स्कंद पुराण में वैशाख मास सभी मासों में उत्तम कहा गया है। वैशाख मास का माहात्म्य एवं व्रत दोनों रूपों में जगत में व्याप्त है। पुराण कहते हैं- वैशाख के समान कोई मास नहीं है। सत्ययुग के समान कोई युग नहीं है। वेदों के समान कोई शास्त्र नहीं है। गंगा के समान कोई तीर्थ नहीं है। अतः अनितर वैशिष्ट्य के कारण वैशाख उत्तम मास है।

महिमा अपार

वैशाख में भगवान के अवतार

धर्मशास्त्र के अनुसार वैशाख पवित्र मास है। इस महीने का संबंध भगवान के अवतार, आचार्यों के जन्म और धार्मिक उत्सवों से है। ऐतिहासिक और पौराणिक लेख है कि वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया की तिथि को भगवान विष्णु ने नर-नारायण, परशुराम और ह्ययग्रीव के रूप में चार अवतार लिए। इसी मास की चतुर्दशी तिथि को भक्तशिरोमणि प्रसाद के प्राण बचाने के लिए भगवान नृसिंह के रूप में खंभे से प्रकट हुए। इतना ही नहीं, भगवान विष्णु इसी मास की पूर्णिमा को भगवान बुद्ध के रूप में अवतरित हुए, जिन्होंने वेदों के नाम पर की जा रही अशास्त्रीय सिद्धांतों का खंडन किया। मानव मन की चेतना माता जानकी इसी पवित्र मास में मिथिला की पवित्र धरा से प्रकट हुई। त्रेतायुग की शुरुआत भी वैशाख मास से ही हुई।

धर्माचरण हेतु वैशाख

पौराणिक आख्यान के अनुसार देवर्षि नारद ने राजा अम्बरीष को उपदेश देते हुए कहा कि प्रजापति ब्रह्मा ने वैशाख को सब मासों में उत्तम कहा है। यह माता की तरह जीवों को मनोवांछित पदार्थ प्रदान करता है। वैशाख मास धर्म, यज्ञ, क्रिया और तपस्या करने के लिए श्रेष्ठ है। यह मास मनुष्यों द्वारा ही नहीं संपूर्ण देवताओं द्वारा पूजित हैं। जिस प्रकार विद्याओं में अध्यात्म-विद्या, मंत्रों में प्रणव, वृक्षों में कल्पवृक्ष, धेनुओं में कामधेनु, देवताओं में विष्णु, प्रिय वस्तुओं में प्राण, नदियों में गंगा, तेजों में सूर्य, धातुओं में स्वर्ण, वैष्णवों में शिव तथा रत्नों में कौस्तुभ मणि उत्तम है, उसी प्रकार धर्म के आचरण हेतु साधनभूत वैशाख सबसे उत्तम है।

वैशाख में करें दान

धर्मशास्त्र के अनुसार वैशाख मास में सूर्योदय से पूर्व जो व्यक्ति स्नान करके व्रताचरण करता है, वह भगवान विष्णु का कृपापात्र होता है। स्कंदपुराण में उल्लेख है कि महीरथ नामक राजा ने वैशाख स्नान से वैकुण्ठधाम प्राप्त किया था। लोगों को ह्यऊँ नमो भगवते वासुदेवायह्न मंत्र का यथासंख्य जप करना चाहिए। जलदान का विशेष महत्व है इसलिए प्याऊ लगानी चाहिए। पंखा, खरबूजा, फल एवं अन्न का दान करना चाहिए। ब्रह्मपुराण के अनुसार वैशाख मास में तेल लगाना, दिन में सोना, कांसे के बर्तन में भोजन करना, दो बार भोजन करना और रात में खाना वर्जित है।

लोक परंपराओं का वैशाख

वैशाख मास देवताओं, पितरों तथा ऋषियों को अत्यंत प्रिय है। वैशाख मास में देवताओं के लिए होम, पितरों के लिए तर्पण और ऋषियों के लिए अन्न दान करना चाहिए। वैशाख की पवित्रता और दिव्यता के कारण कालांतर में वैशाख माह की तिथियों का सम्बंध अनेक लोक परंपराओं से जुड़ता गया। इस नाते देव मंदिरों के पट खोलने और महोत्सवों के मनाने का मास वैशाख है। यही कारण है कि चार धाम में से एक बद्रीनाथ धाम के कपाट वैशाख माह की अक्षय तृतीया को खुलते हैं। वैशाख के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा भी निकलती है।

वैशाख की अमावस्या को देववृक्ष वट की पूजा की जाती है।

बसंत ऋतु के रहते हुए ही ग्रीष्म का आगमन जीवन में नई उमंगों तथा जीवन के प्रति आस्था को जागृत करता है। यह सौर मास का प्रथम दिन प्राणी मात्र के लिए सुखदायी होता है, अत: स्वयंमेव इस संक्रांति का महत्व दिखाई पड़ जाता है।

मेष संक्रांति

सौर गणना

प्रदीप कुमार जोशी

सूर्य का संबंध प्राणि मात्र की अंतश्चेतना से है। सूर्य है तो प्राण है अन्यथा प्राणिमात्र निष्प्राण हो जाता है। यही एक ऐसा तत्व है जिसके कारण आकाशीय पिंड में होने वाली बारह संक्रांतियां जीवन में नया उल्लास उत्पन्न करती हैं। प्रत्येक संक्रांति के अनुसार ही अपने उस विशिष्ट समय में प्राणियों को कुछ ना कुछ नया देती है। मनुष्य इन सबका अनुभव कर अभिव्यक्ति भी करता है, इसीलिए हमें प्रतीत होता है कि इस काल विशेष में मनुष्य पर अच्छा या बुरा प्रभाव पड़ता है। खगोलीय घटनाओं में संक्रांति भी एक ऐसी घटना है जिससे हम मासों, वर्षों, दिनों का निर्धारण करते हैं। भारत में दो प्रकार की मास व्यवस्थाएं हैं-चांद्र मास और सौर मास। चांद्र मास का प्रारंभ चन्द्रमा की गति के अनुसार होता है तथा सौर मास का प्रारंभ सूर्य की गति के अनुसार होता है। जिस प्रकार चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नववर्ष प्रारम्भ होना माना जाता है, उसी प्रकार सूर्य के मीन राशि को छोड़कर मेष राशि में प्रवेश काल को मेष संक्रांति कहा जाता है और इसी दिन से सौर गणना का नववर्ष प्रतिपादित किया जाता है। सूर्य की मेष संक्रांति- बसंत एवं ग्रीष्म ऋतुओं का सम्मिलन भी है। सूर्य ऋतुओं का कारण है।

विश्व के सर्वमान्य वेदों की मान्यता है कि प्रकाश, उष्णता तथा पर्जन्यादि के विषय में सब भुवन सूर्य के आश्रित हैं। सूर्य विश्व का आधरभूत है। सूर्य जगत की आत्मा है। सूर्य को वेदों में सैकड़ों पवित्र नामों से अभिहित किया गया है। सूर्य को आत्मा, साक्षात विष्णु कहकर सूर्य की महत्ता वेदों में अनेक मंत्रों के द्वारा दर्शाई गई है। वेदों के आधार पर सूर्य की महत्ता पृष्ठों में नही पुस्तकों में लिखी जा सकती है। इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि पौराणिक काल के सूर्य को जिस प्रकार प्रतिष्ठित किया है वह रूप वैदिक सूर्य में नहीं मिलता।

मेष की संक्रांति से लेकर मीन की संक्रांति तक 12 मास के अयन वर्षोद्ध का उल्लेख तो है, लेकिन संक्रांतियों के विशेष महत्व की बात वैदिक काल में नहीं मिलती। मेष की संक्रांति का पौराणिक ज्योतिष के अनुसार अत्यन्त महत्व है। सूर्य मीन राशि से मेष राशि में प्रवेश करते हैं।

मेष राशि के स्वामी मंगल हैं, यद्यपि सूर्य एवं मंगल मित्र हैं फिर भी दोनों के क्रूर ग्रह होने से इनका दुष्प्रभाव अवश्य पड़ता है, लेकिन केवल उन जातकों पर पड़ता है जिनकी कुंडली में मंगल और सूर्य की स्थिति ठीक नहीं है या दोनों ही नीच राशि में स्थित हैं। ऐसी स्थिति में स्नान, दान, जप आदि का विशेष महत्व है।

उत्सव

पोएला बोइसाख यानी बंगाल का नववर्ष

विनय बिहारी सिंह

वैशाख का पहला दिन यानी बंगाल के नए वर्ष का प्रारंभ। पश्चिम बंगाल में एक दूसरे को शुभ नव वर्षों कहते हुए देखना और सुनना एक सुखद अनुभव है। उनके चेहरे की ताजगी, मुस्कुराहट और प्रेम अनायास ही सब कुछ कह देता है। नव वर्ष यानी प्रफुल्लता, उत्साह, आत्मीयता और आशा का पर्व। इस दिन रवींद्र नाथ टैगोर का प्रसिद्ध गीत- एशो हे बैसाख एशो, एशो (आओ हे वैशाख आओ आओ) किसी गायक की मीठी आवाज में कहीं भी बजते हुए सुना जा सकता है। इस बार 14 अप्रैल को मंगलवार के दिन पड़ रहा है पहला वैशाख। बांग्ला नव वर्ष 1427। आमतौर पर 14 या 15 अप्रैल को ही यह पड़ता है। पिछले साल 15 को पड़ा था। अगले साल भी 15 को ही पड़ेगा। तो नया साल कैसे तय होता है? जब सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है तो बंगाल का नया वर्ष प्रारंभ हो जाता है। इसे ज्योतिष की भाषा में मेष संक्रांति कहा जाता है।

लक्ष्मी- गणेश की नई मूर्ति के सामने नए खाते को रख कर मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा होती है। इस पूजा में मिठाई से लेकर, पंचामृत, पांच फल, कलश, आम का पत्ता, नारियल और वह तमाम सामग्री होती है जिसे संपूर्ण पूजा में आवश्यक माना जाता है।

पोएला बैसाख (वै नहीं बै) का दिन बंगाल और बंगाली समुदाय के व्यापारियों और दुकानदारों के लिए नया खाता शुरू करने का दिन होता है। उनकी कोशिश रहती है कि पिछला सारा हिसाब-किताब अंतिम स्थिति में पहुंच जाए। बकाया इत्यादि ले लिया जाए और फिर नए खाते में नया हिसाब-किताब शुरू हो। लेकिन कई बार यह संभव नहीं हो पाता तो वे पुराने हिसाब को नए खाते में दर्ज कर लेते हैं। लेकिन इसके पहले नए खाते की पूजा होती है। लक्ष्मी- गणेश की नई मूर्ति के सामने नए खाते को रख कर मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा होती है। इस पूजा में मिठाई से लेकर, पंचामृत, पांच फल, कलश, आम का पत्ता, नारियल और वह तमाम सामग्री होती है जिसे संपूर्ण पूजा में आवश्यक माना जाता है। दुकानदार के परिजन और आमंत्रित चुने हुए ग्राहक सुंदर वस्त्रों में सजे इसमें उपस्थित रहते हैं। ग्राहक उस दिन कुछ खरीदते हैं और नए खाते में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। उस दिन बंगाल के बाजारों में यह रौनक देखने लायक होती है। लगभग सभी घरों में भी लक्ष्मी- गणेश का पूजन होता है और घर के लोग खुद तो स्वादिष्ट व्यंजन का आनंद लेत ही हैं, एक-दूसरे के घर भी भिजवाते हैं। मिठाइयों में रसगुल्ला और संदेश के अलावा रसमलाई, बेक्ड रसगुल्ला, खीरकदम, रबड़ी, दूध की मलाई से बनी मिठाइयां, चंद्रकला, चमचम और विशेष तौर पर बना लेंग्चा आदि प्रसाद के रूप में रखे जाते हैं। इसके अलावा भी कई मिठाइयां। हां मिष्टी दोई यानी मीठी दही के बिना तो कोई भी आयोजन फीका ही माना जाता है। एक व्यंजन जो किसी भी उत्सव में जरूर उपस्थित रहता है, वह है- खीर, जिसे बांग्ला में पाएस कहा जाता है। मिठाइयां चाहे जितनी हों, खीर नहीं है तो भोजन तृप्तिकारी नहीं है। कई संस्थाएं नए साल के पहले दिन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी करती हैं। कहीं संगीत, तो कहीं नाटक, कहीं काव्य आवृत्ति तो कहीं सुमधुर बाउल गान।

कोरोना ने कई चीजें बदल दी हैं। नए वर्ष के पांच दिन पहले तक सीमित समय के लिए दुकानें खुलती थीं। दुकानदार चुपचाप बैठे हैं, लेकिन बंगाली समुदाय मिठाई प्रेमी होता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं हो रहे हैं। सामूहिक उत्सव बंद है। यानी 2020 या कहें बंगाब्द 1427 सब अपने-एअपने घरों में मना रहे हैं।

कोरोना से बचाव के लिए तुरंत शुरू हो बीसीजी टीकाकरण

जेएनयू के आणविक चिकित्सा विशेष केंद्र के प्रोफेसर दास ने सरकार को दी सलाह

सुशील राघव
नई दिल्ली, 12 अप्रैल।

क्षयरोग (टीबी) से बचाव के लिए भारत सहित दुनिया के कई देशों में नवजातों को लगाया जाने वाला बीसीजी (बैसिलस कैमलेट-गुएरिन) का टीका कोरोना विषाणु संक्रमण को रोकने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। देश में बुजुर्गों, कोरोना मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टर और उनकी देखभाल करने वाले चिकित्साकर्मियों को यह टीका सबसे पहले लगाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार को यह सलाह जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के आणविक चिकित्सा विशेष केंद्र के प्रोफेसर गोबर्धन दास ने दी है।

प्रोफेसर दास ने बताया कि टीबी रोग से बचाव के लिए 1921 में बीसीजी के टीके की शुरुआत हुई थी। भारत सहित दुनिया के कई देशों में वर्तमान समय में भी नवजातों को यह टीका लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि जिन-जिन देशों में यह टीका आज भी लगाया जा रहा है, उन देशों में कोरोना विषाणु संक्रमण के कम मामले दर्ज हो रहे हैं।

प्रोफेसर दास ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक स्पेन में रविवार तक करीब 1.60 लाख लोग संक्रमित हो चुके थे और लगभग 16 हजार लोगों की मौत हो चुकी थी। वहीं, स्पेन के पड़ोसी पुर्तगाल में साढ़े पंद्रह हजार लोग संक्रमित और करीब साढ़े चार सौ लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि दोनों पड़ोसी देशों में से पुर्तगाल में अभी भी बीसीजी का टीकाकरण होता है जबकि स्पेन काफी समय पहले इसे बंद कर चुका है। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण से सबसे अधिक प्रभावित देशों में अमेरिका, स्पेन, इटली, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस आदि में बीसीजी का टीका अनिवार्य नहीं है। इसके अलावा भारत सहित दक्षिण एशिया और अफ्रीका के सभी देशों में बीजीसी का टीका बच्चों को जन्म के समय ही लगाना अनिवार्य है, वहां कोरोना संक्रमण के कम मामले सामने आ रहे हैं।

प्रोफेसर दास का कहना है कि इससे साबित होता है कि बीसीजी का टीका कोरोना संक्रमण के खिलाफ काम कर रहा है। उनके मुताबिक इसको देखते हुए अमेरिका, हॉलैंड, जर्मनी और ब्रिटेन सहित कुछ देशों से बीसीजी का टीकाकरण शुरू किया है। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि भारत में भी टीकाकरण शुरू करे। अभी सभी लोगों को टीका लगाने की आवश्यकता नहीं है। शुरुआत में बुजुर्गों (संक्रमण का अधिक खतरा है) और कोरोना मरीजों के इलाज में लगे डॉक्टरों व चिकित्साकर्मियों को लगाना चाहिए। उन्होंने बताया कि देश में कोरोना संक्रमण के लिहाज से तय किए गए संवेदनशील क्षेत्रों में सभी लोगों को यह टीका लगाया जा सकता है। प्रोफेसर दास ने बताया कि बीसीजी के एक टीके की कीमत मात्र दस रुपए होती है। यह हमारे देश में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और सबसे ऊपर इसका कोई विपरीत प्रभाव भी मानव शरीर पर नहीं पड़ता।

आटा खरीदने निकले बिहार भाजपा मीडिया प्रभारी के साथ पुलिसकर्मियों ने मारपीट की

पटना, 12 अप्रैल (भाषा)।

देशबंदी के दौरान लोगों को आवश्यक वस्तुएं खरीदने के लिए बाहर जाने पर प्रतिबंध नहीं होने के बावजूद रविवार को आटा खरीदने निकले बिहार भाजपा इकाई के मीडिया प्रभारी राकेश कुमार सिंह के साथ पुलिस ने पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र में मारपीट की।

राकेश ने आरोप लगाया है कि वह राज्य की राजधानी में आर-ब्लॉक गोल चक्कर के पास सुबह 6:30 बजे गेहूं का आटा खरीदने जा रहे थे तभी गश्ती पर निकले कोतवाली थाना के पुलिसकर्मियों ने परिचय दिए जाने के बावजूद मेरे साथ मारपीट की। उन्होंने कहा 'एक पुलिस जिप्सी, जो अपनी गश्त ड्यूटी पर थी, ने अचानक मुझे आर-ब्लॉक गोल चक्कर के एक मंदिर के पास रोका और उसपर सवार पुलिसकर्मी मुझसे पूछताछ करने लगे कि मैं कहां से आ रहा हूं और मैं कहां जा रहा हूं। मैंने उनसे कहा कि मैं आटा खरीदने जा रहा हूं।' सिंह ने कहा कि पुलिसकर्मियों ने मुझसे आगे पूछा कि मैं क्या करता हूं। मेरे यह कहने पर कि मैं बिहार भाजपा का मीडिया प्रभारी हूं, एक कांस्टेबल ने अचानक मुझ पर डंडा बरसाना शुरू कर दिया।

तबलीगी जमात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए : तसलीमा

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

भारत में कोरोना संकट को लेकर विवादों में आई तबलीगी जमात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका और कभी पेशे से डॉक्टर रहीं तसलीमा नसरीन ने कहा है कि ये जहालत फैलाकर मुसलिम समाज को 1400 साल पीछे ले जाना चाहते हैं।

दिल्ली में तबलीगी जमात के एक धार्मिक कार्यक्रम में हुए जमावड़े और उनमें से कई और उनके संपर्क में आए लोगों के कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आने के बीच तसलीमा ने खास इंटरव्यू में कहा, 'मैं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में भरोसा करती हूं लेकिन कई बार इंसानियत के लिए कुछ चीजों पर प्रतिबंध लगाना जरूरी है। यह जमात मुसलमानों को 1400 साल पुराने अरब दौर में ले जाना चाहती है।' उनकी पहचान विवादों से घिरी रहने वाली लेखिका के रूप में है लेकिन तसलीमा एक डॉक्टर भी हैं। उन्होंने बांग्लादेश के मैमनसिंह में मेडिकल कॉलेज से 1984 में एमबीबीएस की डिग्री ली थी । उन्होंने ढाका मेडिकल कॉलेज में काम शुरू किया लेकिन नारीवादी लेखन के कारण पेशा छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा, 'हम मुसलिम समाज को शिक्षित, प्रगतिशील और अंधविश्वासों से बाहर निकालने की बात करते हैं लेकिन लाखों की

तादाद में मौजूद ये लोग अंधकार और अज्ञानता फैला रहे हैं। मौजूदा समय में साबित हो गया कि ये अपनी ही नहीं दूसरों की जिंदगी भी खतरे में डाल रहे हैं। जब इंसानियत एक वायरस के कारण खतरे में पड़ गई है तो हमें बहुत एहतियात बरतने की जरूरत है।'

कट्टरपंथ विरोधी लेखन के कारण फतवे और निर्वासन झेलने वाली इस लेखिका ने कहा, 'मुझे समझ में नहीं आता कि इन्हें मलेशिया में संक्रमण की खबरें आने के बाद भारत में आने ही क्यों दिया गया। ये इस्लाम की कोई सेवा नहीं कर रहे हैं।' दुनिया भर में कोरोना वायरस महामारी से जूझते डॉक्टरों को देखकर उन्हें नब्बे के दशक की शुरुआत का वह दौर याद आ गया, जब बांग्लादेश में हैजे के प्रकोप के बीच वह भी इसी तरह दिन-रात की परवाह किए बिना इलाज में लगी हुई थी।उन्होंने कहा, 'इससे मुझे वह समय याद आ गया जब 1991 में बांग्लादेश में हैजा बुरी तरह फैला था।'

पूर्णबंदी का उल्लंघन करती पाई गई उरुग्वे की महिला राजनयिक

पेज 1 का बाकी

हर दूतावास को पूर्ण बंदी और सरकार के निर्देशों की जानकारी दी है। राजनयिकों से उनके आवासों में ही रहने को कहा गया है।

विदेश मंत्रालय को मिली शिकायत के मुताबिक, महिला ने पुलिसकर्मियों से कहा कि आप मेरा कुछ नहीं कर सकते और मुझे मास्क पहनने के लिए भी नहीं कह सकते। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले के तूल पकड़ने के बाद ट्विटर पर उरुग्वे ट्रेंड करने लगा। दिल्ली के वसंत विहार के पश्चिमी मार्ग में शनिवार को उरुग्वे दूतावास में काम करने वाली विदेशी महिला को बिना मास्क और दस्ताने पहने साइकिल चलाने पर पुलिस ने रोका, तो उन्होंने पुलिस वालों की बातें अनसुनी कर उनसे बहस की। इतना ही नहीं उन्होंने पुलिस अधिकारी को धमकाते हुए उसका नाम नोट किया, जिसने उसे दस्ताने और मास्क पहनने के लिए कहा था।

पटियाला में पुलिस पर हमला एएसआइ का हाथ काटा

पेज 1 का बाकी

दिखाने को कहा गया, लेकिन उन्होंने अपनी गाड़ी बैरिकेड से टकरा दी।' इसके बाद समूह के लोगों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया और पटियाला शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर बलबेरा गांव में निहंगों के संचालन वाले गुरद्वारा खिचरी साहिब भाग गए।

पुलिस ने कहा कि पुलिस महानिरीक्षक (पटियाला जोन) जतिंदर सिंह औलख के नेतृत्व में चलाए गए एक अभियान में पुलिस ने गुरद्वारे से एक किलोमीटर दूर लोगों की आवाजाही रोक दी और उसे घेर लिया। कई पुलिसकर्मियों ने आसपास के खेतों में मोर्चा संभाला। इस अभियान में पंजाब पुलिस का विशेष अभियान समूह (एसओजी) भी शामिल था। मीडिया को गुरद्वारे के पास जाने से रोक दिया गया। पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) दिनकर गुप्ता ने बाद में बताया कि सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गुरद्वारे से तीन पिस्तौल, पेट्रोल बम, तलवारें, चूरा पोस्त की बोरियां और एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान जारी है। उन्होंने कहा, 'हमने उन्हें आत्मसमर्पण करने का अनुरोध किया लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। अंदर से निहंगों ने पुलिसकर्मियों को गालियां भी दीं।' पुलिस ने कहा कि एक सरपंच सहित स्थानीय लोग भी उनसे बात करने के लिए अंदर गए, लेकिन वे नहीं माने। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि निहंगों ने धमकी दी कि यदि पुलिस ने प्रवेश किया तो वे खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले गैस सिलेंडरों में आग लगा देंगे। डीजीपी ने कहा कि गोलीबारी भी हुई।

इससे पहले पंजाब के विशेष मुख्य सचिव के बीएस सिद्धू ने कहा कि पुलिस ने जब गुरुद्वारे में प्रवेश किया तो आदरपूर्वक कार्य किया। उन्होंने ट्वीट किया, 'पुलिस दल ने गुरद्वारे में प्रवेश करने के दौरान पूरी मर्यादा का पालन किया। भीतर महिलाएं और बच्चे भी थे, जिन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा।'

भारतीय कार्रवाई में मारे गए 15 फौजी और आठ आतंकी

पेज 1 का बाकी

की तरफ बोफर्स तोपों से गोले दागे। वहां आतंकी शिविर थे। यह हमला पहाड़ों पर बसे केरन सेक्टर से किया गया, जहां पांच अप्रैल को भारतीय सेना के स्पेशल कमांडो ने पांच आतंकवादियों को मार गिराया था। दुधनियाल में हमले को लेकर पाकिस्तानी फौज ने दावा किया है कि भारतीय सेना ने एलओसी से सटे शारदा, दुधनियाल और शाहकोट सेक्टर में गोलाबारी की है, लेकिन सिर्फ चार नागरिक गंभीर तौर पर घायल हुए हैं, जिनमें 15 साल की एक लड़की भी है। अधिकारियों के मुताबिक, सैन्य खुफिया एजंसी ने रक्षा मंत्रालय को भेजी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पाकिस्तान अपना नुकसान कम बताने की कोशिश में है। दुधनियाल में भारतीय सेना की कार्रवाई में न सिर्फ 15 पाकिस्तानी सैनिक और आठ आतंकी मारे गए, बल्कि उनके राशन और हथियारों के कई भंडार तबाह हो गए।

आठ साल के बच्चे समेत तीन की मौत

पेज 1 का बाकी

है। ये हैं- चौकीबल इलाके के जावेद खान और शमीना बेगम एवं तुमना गांव का आठ साल का बच्चा जयान।

रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, भारतीय सेना ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू की है। पाकिस्तान ने भारतीय सेना के शरारत, जाल, ब्लैक रॉक और अनिल पोस्टों को निशाना बनाकर मोर्टार के गोले दागे। लेकिन अधिकतर गोले नागरिक इलाकों में गिरे, जिससे काफी नुकसान हुआ है। पाकिस्तान की ओर से जबरदस्त गोलाबारी की वजह से नागरिक इलाकों में काफी नुकसान हुआ है। साथ ही राहत एवं बचाव कार्यों में बाधा आ रही है। अंतिम रिपोर्ट आने तक नियंत्रण रेखा से उस पर से गोलाबारी जारी थी। भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई जारी रखी है। कई सीमावर्ती इलाकों के लोगों को भूमिगत बंकरों में ले जाया गया है।

इससे पहले मेंढर में शनिवार रात कई घंटों तक पाकिस्तान की तरफ से गोले बरसाए गए, जिसमें नागरिक इलाकों में कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। साथ ही, जम्मू क्षेत्र के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास हीरानगर सेक्टर में भी रात भर पाकिस्तानी रेंजर्स और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बीच भारी गोलीबारी हुई। पाकिस्तान ने रात नौ बजे के आसपास करोल मटरई, फकीरा और चंदवा सहित तीन अग्रिम इलाकों पर गोलीबारी कर संघर्षविराम का उल्लंघन शुरू किया, जिसके बाद सीमा की निगरानी कर रहे बीएसएफ के जवानों ने करारा जवाब दिया।

पाकिस्तानी गोलाबारी में गेहूं की फसल को भी नुकसान हुआ है। बौखलाया पाकिस्तान शुक्रवार रात से ही गोलाबारी कर रहा है। इसमें मेंढर में नियंत्रण रेखा पर तैनात भारतीय सेना का एक जवान घायल हो गया। उसे सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मेंढर के रिहायशी इलाकों में पाकिस्तान की तरफ से दागे गए मोर्टार से लगभग दस मकानों को नुकसान पहुंचा। पाकिस्तान ने पुंछ के शाहपुर किरनी सेक्टर में भी मोर्टार दागे। वहीं भारतीय सेना की जबावी कार्रवाई में पाकिस्तान सेना को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है।

दिल्ली में बेहद संक्रमित दस और इलाके सील, कुल संख्या 43

पेज 1 का बाकी

क्षेत्रों में शामिल हैं।

दिल्ली सरकार ने रविवार को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में महावीर एन्क्लेव क्षेत्र को कोविड-19 हॉटस्पॉट के रूप में चिह्नित कर इसे सील करने का आदेश दिया। इसके बाद शहर में ऐसे क्षेत्रों की कुल संख्या 34 हो गई है। अधिकारी ने कहा, 'महावीर एन्क्लेव में बंगाली कॉलोनी की गली नंबर पांच और पांच ए, एच -2 ब्लॉक को सील करने का आदेश जारी किया गया है।' राजौरी, जहांगीरपुरी और देवली एक्सटेंशन के क्षेत्रों को शनिवार को हॉटस्पॉट यानी संक्रमण से अधिक प्रभावित क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया गया था।

24 घंटे में संक्रमण के 918 मामलों की पुष्टि

पेज 1 का बाकी

127 है। इसके बाद मध्य प्रदेश में 36, गुजरात में 22, दिल्ली में 19, पंजाब में 11, तमिलनाडु में 10, तेलंगाना में नौ, आंध्र प्रदेश में छह, कर्नाटक में छह, पश्चिम बंगाल में पांच, उत्तर प्रदेश में पांच, जम्मू-कश्मीर में चार, हरियाणा में तीन, राजस्थान में तीन और केरल में दो लोगों की मौत हुई है। वहीं, असम, झारखंड़, बिहार, ओड़ीशा और हिमाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

संक्रमितों की संख्या महाराष्ट्र में 1,761 तक पहुंच गई है। दिल्ली में 1069, तमिलनाडु में 969, राजस्थान में 700, मध्य प्रदेश में 564, तेलंगाना में 504, उत्तर प्रदेश में 452, गुजरात में 432, आंध्र प्रदेश में 381, केरल में 374, कर्नाटक में 226, जम्मू कश्मीर में 224, हरियाणा में 185, पंजाब में 151, पश्चिम बंगाल में 134 मामले, बिहार में 64, ओड़ीशा में 54, उत्तराखंड में 35, हिमाचल प्रदेश में 32, छत्तीसगढ़ में 25, असम में 29, चंडीगढ़ में 19, झारखंड में 17 मामले, लद्दाख में 15, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 11, गोवा में सात, पुदुचेरी में सात मामले, त्रिपुरा में दो, मणिपुर में दो, मिजोरम में एक और अरुणाचल प्रदेश में एक मामला सामने आया है।

ब्रिटेन में भी मृतकों की संख्या दस हजार के पार

पेज 1 का बाकी

से लेकर पनामा तक, दुनिया में हर जगह गिरजाघर सूने रहे और महामारी के चलते जारी पूर्णबंदी की वजह से लोगों को ईस्टर घरों में रहकर ही मनाना पड़ा। कोरोना के चलते दुनियाभर में चार अरब से अधिक लोग लॉकडाउन में हैं।

आधिकारिक आंकड़ों पर आधारित एएफपी की अंतरराष्ट्रीय समयानुसार रविवार 11 बजे तक की सूची के अनुसार कोविड-19 से विश्व में 1,09,307 लोगों की जान चली गई। चीन में दिसंबर में महामारी के उभरने के बाद से अब तक दुनिया के 193 देशों और क्षेत्रों में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 1,780,750 से अधिक हो चुकी है। इनमें से कम से कम 3,59,200 रोगी अब तक ठीक हो चुके हैं।

अमेरिका में इस महामारी ने सबसे अधिक लोगों की जान ली है और इस देश में मृतकों की संख्या 20,608 तथा संक्रमण के मामलों की संख्या 5,30,006 हो गई है। अमेरिका के बाद दूसरा सबसे प्रभावित देश इटली है जहां 19,468 लोगों की मौत हुई है जबकि स्पेन में 16,972 व फ्रांस में 13,832 लोगों की मौत हुई है। इंग्लैंड में मौत के 657 नए मामले सामने आने के बाद ब्रिटेन में भी मृतकों की संख्या 10 हजार से अधिक हो गई है। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा ने इसमें स्कॉटलैंड, वेल्स या उत्तरी आयरलैंड के आंकड़े शामिल नहीं किए हैं। ब्रिटेन के अस्पतालों ने शनिवार को घोषणा की थी कि अब तक 9,875 रोगियों की मौत हो चुकी है, जिसके बाद 657 लोगों की मौत के मामले सामने आए हैं। चीन में अब तक इस महामारी से 3,339 लोगों की मौत हुई है और संक्रमण के कुल 82,052 मामले दर्ज किए गए हैं। यूरोप में कोरोना संक्रमण के अब तक 9,09,769 मामले सामने आए हैं और 75,018 लोगों की मौत हुई है। अमेरिका और कनाडा में मिलाकर कुल 5,53,203 मामले दर्ज किए गए हैं और 21,286 लोगों की मौत हुई है।

जॉनसन को अस्पताल से मिली छुट्टी

पेज 1 का बाकी

देते हुए कहा कि दो हफ्ते पहले कोविड-19 की उनकी जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद जान बचाने के लिए वे उनके आभारी हैं।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने बताया, 'प्रधानमंत्री को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।' हालांकि, अपनी मेडिकल टीम की सलाह को मानते हुए प्रधानमंत्री फौरन ही काम पर नहीं लौटेंगे।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डोमिनिक राब उनके पूरी तरह से स्वस्थ होने तक उनकी ओर से उनका कामकाज देखते रहेंगे। प्रवक्ता ने बताया, 'उन्होंने (प्रधानमंत्री ने) सेंट थॉमस में शानदार देखभाल के लिए हर किसी को धन्यवाद दिया।' अपने पहले अपने सार्वजनिक बयान में 55 वर्षीय जॉनसन ने कहा, 'जान बचाने के लिए मैं उनका आभारी हूं।'

पीएम केयर्स फंड के खिलाफ अर्जी पर सुनवाई आज

पेज 1 का बाकी

गया है 28 मार्च को पीएम केयर्स फंड के संबंध में प्रेस बयान जारी होने के बाद इस याचिका की जरूरत महसूस हुई। याचिका में प्रधानमंत्री सहित कोष के सभी न्यासियों को पक्ष बनाया गया है। याचिका में यह अनुरोध भी किया गया है कि इस कोष में मिली राशि भारत की संचित निधि में अंतरित की जाए। इसके अलावा अदालत की निगरानी में एसआइटी (विशेष जांच दल) से कोष की स्थापना की जांच करायी जाए।

भारत की वृद्धि दर 1.5 से 2.8 फीसद के बीच रहेगी : विश्व बैंक

पेज 1 का बाकी

कारण घरेलू निवेश में सुधार में भी देरी होगी। रिपोर्ट कहती है कि 2021-22 में कोविड-19 का प्रभाव खत्म होने के बाद अर्थव्यवस्था पांच फीसद की वृद्धि दर्ज कर सकेगी। हालांकि, इसके लिए अर्थव्यवस्था को वित्तीय और मौद्रिक नीति के समर्थन की जरूरत होगी।

विश्व बैंक ने भी अन्य वैश्विक एजंसियों के साथ सुर में सुर मिलाते हुए कोविड-19 के मद्देनजर वृद्धि दर का अनुमान घटाया है। एशियाई विकास बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान घटाकर चार फीसद किया है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भी वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 3.5 फीसद कर दिया है। फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर दो फीसद रहने का अनुमान लगाया है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 5.5 से 3.6 फीसद कर दिया है। मूडीज इन्वेस्टर सर्विसेज ने 2020 के कैलेंडर वर्ष में भारत की वृद्धि दर 2.5 फीसद रहने का अनुमान लगाया है। संवाददाताओं के साथ कांफ्रेंस कॉल में विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री हैंस टिमर ने कहा कि भारत का परिदृश्य अच्छा नहीं है। भारत में बंदी अधिक समय तक जारी रहती है तो आर्थिक परिणाम विश्व बैंक के अनुमान से अधिक बुरे हो सकते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए भारत को इस महामारी को और फैलने से रोकना होगा। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सभी को भोजन मिल सके।

कोरोना विषाणु से बहादुरी से लड़ रही तीन माह की बच्ची

पेज 1 का बाकी

मिले और वे स्वस्थ होकर घर लौटें।

उल्लेखनीय है कि इंदौर, देश में कोरोना वायरस के प्रकोप से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में शामिल है। अब तक प्राप्त सरकारी आंकड़ों के मुताबिक महज 19 दिन के अंतराल में शहर में इस महामारी के मरीजों की तादाद बढ़कर 298 पर पहुंच गई है। इनमें से 32 लोगों को इलाज के दौरान मौत हो चुकी है यानी शहर में कोविड-19 के मरीजों में मृत्यु दर 10.74 प्रतिशत है।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि शहर में कोविड-19 के मरीजों की मृत्यु दर पिछले कई दिन से राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले कहीं ज्यादा बनी हुई है। कोरोना वायरस के मरीज मिलने के बाद से प्रशासन ने 25 मार्च से शहरी सीमा में कर्फ्यू लगाया है।

मरकज से पैदल बिजनौर जा रही महिला को अस्पताल भेजा

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 12 अप्रैल।

जारचा इलाके के ऊंचा अमीरपुर गांव में ग्रामीणों ने दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज से पैदल बिजनौर जा रही एक महिला को पुलिस के हवाले कर दिया। यह महिला मरकज के बाहर भीख मांगती थी और संदेह है कि यह तबलीगी जमात के सदस्यों के संपर्क में आई है। पूर्णबंदी के बाद वह पैदल ही अपने घर बिजनौर जा रही थी। ग्रामीणों के पूछताछ करने पर महिला कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई। शक होने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने महिला को कासना स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती करा दिया है।

यह महिला रविवार सुबह जारचा इलाके के ऊंचा अमीरपुर गांव के बाहर से गुजर रही थी। ग्रामीणों ने उसे रोककर पूछताछ की तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई। लोगों के फोन करने पर पहुंची थाना जारचा पुलिस ने महिला से पूछताछ की तो पता चला कि वह दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज से आ रही है और उसे बिजनौर जाना है। पूर्णबंदी के कारण यातायात की कोई सुविधा नहीं होने पर गांव और कच्चे रास्तों से पैदल बिजनौर जा रही थी। तीन दिन की यात्रा करके वह रविवार सुबह जारचा क्षेत्र के ऊंचा अमीरपुर गांव के पास पहुंची थी। पुलिस की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। महिला को जांच के लिए कासना स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती करा दिया गया है। महिला को अब अगले 14 दिनों के लिए पृथक कर अस्पताल में रखा जाएगा। तबलीगी जमात में शामिल लोगों में कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सतर्क है।

संक्रामक रोगों को लेकर अनुसंधान व विकास जरूरी : सुजाता राव

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

कोविड-19 की भीषण चुनौती के बीच स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की पूर्व सचिव सुजाता राव ने कहा है कि पिछले कुछ दशकों में संक्रामक रोगों से निपटने को लेकर भारत सहित दुनिया के देशों ने अनुसंधान एवं विकास पर कोई खास ध्यान नहीं दिया।

उनका कहना है कि ऐसे में संचारी रोगों के रोकथाम एवं प्रबंधन को लेकर एक 'समग्र एवं दीर्घकालीन नीति' बनाने की जरूरत है। सुजाता राव ने खास बातचीत में कहा, 'पिछले 10 वर्षों में सात-आठ तरह के प्रभावशाली वायरस संक्रमण सार्स, जिका, इबोला, एच1एन1, कोविड-19 आदि सामने आए हैं। भारत के साथ ही एशिया, यूरोप, अफ्रीका सहित अन्य क्षेत्रों पर इसका असर स्पष्ट रूप से देखने को मिला। इसके कारण न केवल लोगों का स्वास्थ्य बल्कि अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुईं। इसके बावजूद इतने लंबे समय से संक्रामक रोगों से निपटने को लेकर शोध कार्यों पर दुनिया ने कोई खास ध्यान नहीं दिया।' उन्होंने कहा कि संक्रामक रोगों से निपटने में अनुसंधान एवं विकास की कमी के कारण ही कोरोना वायरस एक चुनौती के रूप में सामने खड़ा है। सुजाता राव ने कहा कि भारत में आज भी 36 फीसद बीमारियां संक्रमण या संचारी रोगों के कारण हो रही हैं। हमें संक्रामक रोगों को रोकने पर खास ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'भारत को ही नहीं बल्कि पूरे विश्व को संक्रामक रोगों से निपटने के लिए एक 'समग्र एवं दीर्घकालीन नीति' बनाने की जरूरत है जहां इस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास पर खास ध्यान दिया जाना चाहिए।' गौरतलब है कि दुनिया भर में कोरोना वायरस के संक्रमण के करीब 17 लाख मामले सामने आए हैं और इसके कारण करीब एक लाख लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में कोरोना वायरस के चलते मृतकों का आंकड़ा शनिवार को 239 पर पहुंच गया और कुल संक्रमितों की संख्या 7,447 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की पूर्व सचिव ने कहा कि हमारे देश में बड़ी आबादी है जहां स्वास्थ्य प्रणाली मजबूत नहीं है। कुपोषण एवं स्वस्थ जीवनशैली के अभाव में काफी संख्या में लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है। ऐसे में बीमारियों को लेकर सतत रूप से अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान देने की जरूरत है, जिसकी हमारे देश में काफी कमी है। स्वास्थ्य क्षेत्र में अधिक बजटीय आबंटन की जरूरत को रेखांकित करते हुए राव ने कहा कि अभी हमारे देश में स्वास्थ्य क्षेत्र पर कुल सकल घरेलू उत्पादन का एक फीसद खर्च होता है और अनुसंधान एवं विकास पर खर्च मामूली है।

www.readwhere.com

'बंद लंबा खिंचा तो जा सकती हैं आइटी उद्योग में नौकरियां'

हैदराबाद, 12 अप्रैल (भाषा)।

नास्कॉम के पूर्व अध्यक्ष आर चंद्रशेखर का मानना है कि कोविड-19 महामारी की वजह से अगर बंद लंबा चलता है, तो सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में नौकरियों में कटौती हो सकती है।

चंद्रशेखर ने कहा कि घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) दीर्घावधि में एक सकारात्मक पहलू हो सकता है। इससे आइटी कंपनियों के लिए नए रास्ते खुलेंगे। उनके निवेश में बचत होगी। पूर्व नौकरशाह ने कहा कि मौजूदा स्थिति और खराब होती है तो स्टार्टअप्स के लिए दिक्कत आ सकती है। स्टार्टअप्स कंपनियां उद्यम पूंजीपतियों से मिले कोष से चल रही हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी कंपनियां दो वजहों से नौकरियों में कटौती नहीं करेंगी। एक तो वे अपने कर्मचारी नहीं गंवाना चाहती हैं। दूसरा उनके पास कर्मचारियों को देने के लिए धन की कमी नहीं है।

चंद्रशेखर ने कहा कि कुछ बड़ी कंपनियां नौकरियों की कटौती करती भी हैं, तो वे अस्थायी या इंटर्न कर्मचारियों को हटाएंगी। जब तक इन कंपनियों की जेब अनुमति देगी, वे नियमित और स्थायी कर्मचारियों को नहीं हटाएंगी। चंद्रशेखर ने कहा- यह इस बात पर निर्भर करेगा कि यह स्थिति कब तक रहती है। एक महीने, दो महीने या तीन महीने। उसके बाद ये कंपनियां भी दबाव में आ जाएंगी। कंपनियां अपने कर्मचारियों को सबसिडी देना जारी नहीं रख सकते हैं। सवाल यह है कि ऐसी स्थिति कब तक रहती है।

उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों में कर्मचारी घर से काम कर रहे हैं। लघु अवधि में इसका उद्योग पर नकारात्मक असर होगा। लेकिन भविष्य में यह कार्य संस्कृति में ऐसा बदलाव लाएगा, जो भारत में आइटी कंपनियों ने अभी तक अनुभव नहीं किया है। चंद्रशेखर ने कहा कि भविष्य में वर्क फ्रॉम होम से कर्मचारी की उत्पादकता, लॉजिस्टिक्स लागत और कार्यालय स्थल की बचत होगी।

कोरोना के झटके से उबर जाएगा एमएसएमई क्षेत्र : गडकरी

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु व मझोले उपक्रम (एमएसएमई) मंत्री नितिन गडकरी को उम्मीद है कि एसएसएमई क्षेत्र को बंद की वजह से जो झटका लगा है, वह उससे जल्द उबर जाएगा।

गडकरी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में कहा कि यह क्षेत्र चीन के आयात पर निर्भरता को कम करेगा और सरकार के समर्थन से घरेलू विनिर्माण में तेजी लाएगा। सरकार इस क्षेत्र के मुद्दों मसलन कार्यशील पूंजी की कमी और सस्ते कर्ज तक पहुंच को सुलझाने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लाखों इकाइयों को मौजूदा हालात में भारी नुकसान होने की आशंका है।

एमएसएमई मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा गठित समितियां जमीनी स्तर पर लगातार स्थिति की निगरानी और आकलन कर रही हैं। समिति इस बारे में सुझाव देगी कि कुछ क्षेत्रों में सामान्य परिचालन के लिए बंद को कब हटाया जा सकता है।

हमारे गोदामों में नौ महीनों के लिए पर्याप्त खाद्यान्न : पासवान

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार के पास सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के दायरे में आने वाले 81 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को नौ महीनों तक खिलाने के लिए पर्याप्त अनाज का भंडार है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार गेहूं की भारी पैदावार की उम्मीद को देखते हुए हमारे पास आने वाले दिनों में और अधिक समय के लिए खाद्यान्न भंडार होगा।

कोराना महामारी की रोकथाम के लिए लागू प्रतिबंधों की अवधि को अप्रैल अंत तक बढ़ाए जाने की संभावना को देखते हुए उपभोक्ता मामलों, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के मंत्री ने कहा कि संकट के समय अभूतपूर्व पैमाने पर खाद्यान्नों का परिवहन और उनका वितरण जीवन रेखा बनकर उभरा है। इसी के जरिए गरीबों को समय पर उनके राशन की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

पासवान ने एक बातचीत में बताया कि 10 अप्रैल तक सरकारी गोदामों में गरीबों के बीच वितरण के लिए 299.45 लाख टन चावल और 235.33 लाख टन गेहूं जैसे दो प्रमुख अनाज उपलब्ध थे। यह कुल मिलाकर 534.78 लाख टन है। पासवान ने कहा कि प्रति माह पीडीएस के जरिए 60 लाख टन अनाज की आपूर्ति की जाती है। यहां से सीमित मात्रा में मोटे अनाज और दालों की आपूर्ति भी की जाती है।

उन्होंने कहा- अनाज की कोई कमी नहीं है। हमारे पास अब रबी फसल आने वाली है। हमारा अनुमान है कि हमारे पास दो साल तक के लिए पर्याप्त स्टॉक होगा। हालांकि बंद बढ़ाने के संदर्भ में अर्थव्यवस्था से लेकर कई तरह की चिंताएं हैं, लेकिन गेहूं और चावल जैसे जरूरी अनाज की कमी को लेकर कोई चिंता नहीं है।

पासवान ने हल्के-फुल्के अंदाज में मौजूदा राजनीतिक हालात को लेकर कहा कि परिस्थिति कुछ ऐसी है कि गवाह (केंद्र सरकार) चुस्त और मुद्दई (राज्य सरकारें) सुस्त। उन्होंने कहा कि सभी पीडीएस लाभार्थियों को तीन महीने की आपूर्ति मुफ्त मिलने की घोषणा के बाद केंद्र सरकार लगातार राज्यों से कह रही है कि वे अपने राशन के कोटे का समय पर उठान करें।

उन्होंने कहा कि अनाजों के आवागमन में ट्रेनें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। हाल में किसी एक दिन ट्रेन के जरिए करीब 20.19 लाख टन अनाज को भेजा गया जो एक रिकॉर्ड है। सरकार ने एजंसियों, सार्वजनिक हों या निजी, दोनों के लिए भी यह आसान बना दिया है कि यदि वे गरीबों की मदद करने में शामिल हों, तो वे सरकार के पास से रियायती दर पर अनाज खरीद सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में बढ़ा शुद्ध निवेश

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेशकों ने 2019-20 में शुद्ध रूप से 1,600 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया। इससे पिछले छह साल के दौरान निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से निकासी ऊंची कर रखी थी।

विश्लेषकों का कहना है कि कोरोना महामारी फैलने की वजह से निवेशक निवेश के सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। मॉर्निंगस्टार इंडिया के वरिष्ठ विश्लेषक प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि कोरोना से वैश्विक अर्थव्यवस्था और बाजारों को जोखिम को देखते हुए आगे चलकर इस खंड में और निवेश देखने को मिल सकता है। एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार गोल्ड फंड्स के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां मार्च, 2020 के अंत तक 79 फीसद बढ़कर 7,949 करोड़ रुपए पर पहुंच गईं, जो मार्च, 2019 के अंत तक 4,447 करोड़ रुपए थीं। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार हाल में समाप्त वित्त वर्ष में निवेशकों ने 14 गोल्ड ईटीफ में शुद्ध रूप से 1,613 करोड़ रुपए का निवेश किया। 2018-19 में निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से 412 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी। इससे पहले 2017-18 में गोल्ड ईटीएफ से 835 करोड़ रुपए, 2016-17 में 775 करोड़, 2015-16 में 903 करोड़, 2014-15 1,475 करोड़ और 2013-14 में 2,293 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी हुई थी।

सालाना वेतन वृद्धि रुकने और नौकरी जाने का डर बढ़ा रहा कर्मचारियों में तनाव

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना संकट और उसको रोकने के लिए लागू बंद से नौकरीपेशा लोगों की समस्या बढ़ गई है। वे अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। कई क्षेत्रों में कर्मचारियों के वेतन में कटौती, सालाना वेतन वृद्धि नहीं होना और नौकरी जाने की आशंका ने उनकी समस्या बढ़ा दी है।

कई कंपनियां अपने कर्मचारियों का उत्साह बनाए रखने के लिए विभिन्न उपायों पर गौर कर रही हैं। कुछ कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हंसी-खुशी का माहौल बनाने को मनोवैज्ञानिकों की सेवा ले रही हैं। कई ने कंपनी की अद्यतन सूचना के बारे में कर्मचारियों के साथ निरंतर बातचीत करने का फैसला किया है। कुछ कंपनियां अपने कर्मचारियों से इस कठिन समय में प्रदर्शन को लेकर करिअर में प्रगति के साथ अतिरिक्त लाभ देने का वादा कर रही हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा संकट कर्मचारियों के साथ-साथ संगठनों पर भी काफी दबाव लाया है। देशव्यापी बंद जल्द खत्म होता दिखाई नहीं देता। ऐसे में कर्मचारियों के लिए संवेदनात्मक चुनौतियां कई गुना बढ़ गई हैं। टीमलीज सर्विसेज के व्यापार प्रमुख (औद्योगिक विनिर्माण और इंजीनियरिंग व सामान्य कर्मचारी) सुदीप सेन ने कहा- निश्चित रूप से कुछ चिंता है क्योंकि यह ऐसी स्थिति है जिसका सामाना संगठनों समेत हममें से किसी ने नहीं किया। सालाना वेतन वृद्धि के संदर्भ में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। क्योंकि कोरोना संकट का नियोक्ताओं के साथ कारोबार पर भी असर पड़ा है।

ऐसे कठिन समय में कुछ नियोक्ता कार्य स्थल पर पहुंचकर काम करने वाले अपने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए अलग हटकर कदम उठा रहे हैं। इसके तहत वे सराहना के रूप में अतिरिक्त भत्ते के अलावा मास्क, सैनिटाइजर उपलब्ध कराकर निरंतर जांच (बुखार) जैसे सुरक्षा संबंधी उपाय कर रहे हैं। वालमार्ट इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि हम खासकर उन सहकर्मियों के अभारी हैं जो बिना किसी स्वार्थ के इस समय लोगों को सेवा दे रहे हैं। क्षेत्र में काम कर रहे ऐसे कर्मचारियों को हम 200 रुपए प्रतिदिन अतिरिक्त भत्ता देंगे। हम अपने सहकर्मियों के लिए सुरक्षित परिवहन व्यवस्था को लेकर भी प्रतिबद्ध हैं।

हम स्थानीय परिवहन नहीं होने की स्थिति में यात्रा पर होने वाले खर्च का भुगतान कर रहे हैं। कई कंपनियों को सेवा दे रही मनोवैज्ञानिक साक्षी मानध्यन ने कहा कि जब हम अनिश्चित भविष्य के बारे में सोचते हैं तो चिंतित होते हैं। कई लोगों ने वेतन में सालाना वृद्धि के आधार पर अप्रैल और आने वाले समय के लिए योजनाएं बनाई होंगी। लेकिन दुर्भाग्य से ये चीजें नहीं हो रही हैं।

केंद्र ने पंजाब को 1,237 करोड़ बकाया जीएसटी मुआवजा जारी किया

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

केंद्र सरकार ने पंजाब सरकार को माल व सेवा कर (जीएसटी) मुआवजे की 1,237 करोड़ रुपए बकाए की राशि जारी की है। यह बकाया जुलाई-2017 से मार्च 2019 की अवधि का है।

पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर कहा कि यह राशि ऐसे महत्त्वपूर्ण समय पर राज्य को मिली है, जब पूरा देश कोरोना संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि सीतारमण ने कोष जारी करने का अपना वादा पूरा किया है। मुझे लगता है कि मुआवजे की रकम जारी करने में यह देरी एक दुआ की तरह बन गई है। यह कोष हमारी सबसे जरूरत के समय काम आएगा। इससे पहले केंद्र सरकार ने जुलाई 2017 से मार्च 2019 की अवधि का पंजाब को 12,857 करोड़ रुपए का जीएसटी बकाया जारी किया था। इस तरह केंद्र सरकार ने इस अवधि के लिए पंजाब को कुल 14,094 करोड़ रुपए का बकाया जारी किया है।

जीएसटी कानून के तहत राज्यों को राजस्व नुकसान के रूप में पांच साल मुआवजे की गारंटी का प्रावधान है। यदि उनकी कर आय में 2015-16 के आधार पर साल दर साल 14 फीसद से कम की वृद्धि होती है तो उन्हें मुआवजे का अधिकार होगा। मुआवजे के लिए विलासिता की कुछ वस्तुओं पर क्षतिपूर्ति उपकर लाने की व्यवस्था की गई है।

गेल ने मांग गिरने से बंद किया पाटा पेट्रोरसायन संयंत्र

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

गैस कंपनी गेल इंडिया लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश स्थित अपने पाटा पेट्रोरसायन संयंत्र को बंद कर दिया है। इसकी प्रमुख वजह देशव्यापी बंद की वजह मांग का गिरना और माल की आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना रहा है।

गेल ने पहले अपने पाटा संयंत्र की सालाना उत्पादन क्षमता में 4,00,000 टन में आधी कटौती की थी। सूत्रों ने बताया कि सार्वजनिक पाबंदी के बाद कंपनी ने अपने तैयार उत्पादों की आवाजाही के लिए इस्तेमाल होने वाले ट्रकों के दो तिहाई ट्रकों का उपयोग रोक दिया है। सूत्र ने बताया कि गेल ने पिछले हफ्ते अपने इस संयंत्र को बंद किया। हालांकि देश में रसोई गैस की मांग को पूरा करने के लिए कंपनी पाटा संयंत्र पर तरल पेट्रोलियम गैस का उत्पादन जारी रखे है।

विदेशी निवेशकों ने अप्रैल में भारतीय पूंजी बाजारों से 9,103 करोड़ निकाले

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

कोविड-19 संकट की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने अप्रैल में अब तक भारतीय पूंजी बाजारों से 9,103 करोड़ रुपए की निकासी की है। एफपीआइ निवेश के लिए सोने और डॉलर आधारित प्रतिभूतियों जैसे सुरक्षित विकल्प की ओर रुख कर रहे हैं।

डिपोजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एक से नौ अप्रैल के दौरान विदेशी निवेशकों ने शेयरों से शुद्ध रूप से 2,951 करोड़ और ऋण या बांड बाजार से 6,152 करोड़ रुपए की निकासी की। इस तरह अप्रैल में अब तक उन्होंने शुद्ध रूप से 9,103 करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पिछले महीने एफपीआइ ने भारतीय पूंजी बाजारों से शुद्ध रूप से 1.1 लाख करोड़ रुपए की निकासी की थी। यह नेशनल सिक्योरिटीज डिपोजिटरी पर एफपीआइ के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद से निकासी का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

मॉर्निंगस्टार इंडिया के वरिष्ठ विश्लेषक प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि दुनिया भर में कोविड-19 को लेकर स्थिति खराब हुई है। इस महामारी ने वैश्विक स्तर पर निवेशकों की धारणा और बाजारों को प्रभावित किया है। श्रीवास्तव ने कहा कि इससे उभरते बाजार सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। विदेशी निवेशकों वहां से अपना निवेश निकालकर अधिक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। उभरते बाजारों में भारत इससे सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।

कोरोना : देश में 20 लाख 'सुरक्षा स्टोर' बनाने की योजना

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

देशव्यापी पूर्णबंदी के बीच सरकार की योजना देशभर में 20 लाख 'सुरक्षा स्टोर' बनाए जाने की है। कोरोना वायरस के सामुदायिक फैलाव को रोकने के लिए लोगों व माल की आवाजाही पर सार्वजनिक पाबंदी (पूर्णबंदी) लगाई गई है।

इसकी जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि सरकार की योजना मोहल्लों के किराना स्टोर को चिन्हित करके उन्हें 'सुरक्षा स्टोर' में तब्दील करना है। यह स्टोर दैनिक वस्तुओं की आपूर्ति करेंगे। इन दुकानों पर साफ-सफाई और सामुदायिक दूरी से जुड़ी हर तरह की एहतियात बरती जाएगी। इन दुकानों को कीटाणुमुक्त भी किया जाएगा।

इस योजना को लागू करने के लिए सरकार निजी कंपनियों को शामिल करेगी। यह कंपनियां हर तरह के प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करेंगी। साथ ही अनिवार्य वस्तुओं के विनिर्माता के यहां से सामान लेकर खुदरा दुकानों तक उनकी पहुंच को भी सुनिश्चित करेंगी। सूत्र ने बताया कि उपभोक्ता मामलों के सचिव पवन कुमार अग्रवाल के साथ रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली शीर्ष कंपनियां एक दौर की बैठक कर चुकी हैं। यह सार्वजनिक-निजी भागीदारी के साथ लागू की जाने वाली महत्वाकांक्षी योजना है।

सूत्रों ने बताया कि सरकार का लक्ष्य अगले 45 दिन में ऐसे 20 लाख स्टोर बनाने है। प्रत्येक एफएमसीजी कंपनी को इस योजना को अमली जामा पहनाने के लिए एक या दो राज्य की जिम्मेदारी दी जा सकती है। संपर्क करने पर अग्रवाल ने कहा कि सरकार 'सुरक्षा स्टोर' पर काम कर रही है। लेकिन उन्होंने इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी देने से मना कर दिया।

> दैनिक वस्तुओं की आपूर्ति करेंगे यह स्टोर
> सरकार की योजना मोहल्लों के किराना स्टोर को चिन्हित करके उन्हें 'सुरक्षा स्टोर' में तब्दील करना है। इन दुकानों पर साफ-सफाई और सामुदायिक दूरी से जुड़ी हर तरह की एहतियात बरती जाएगी। इन दुकानों को कीटाणुमुक्त भी किया जाएगा।

किसी किराना दुकान को 'सुरक्षा स्टोर' के दायरे में आने के लिए स्वास्थ्य व सुरक्षा मानकों का अनुपालन करना होगा। इसमें दुकान और बिलिंग काउंटर पर लोगों के बीच डेढ़ मीटर का अंतर रखने के 'सामुदायिक दूरी' नियम का पालन भी अनिवार्य है। इसके अलावा दुकानदारों को ग्राहकों के दुकान में घुसने से पहले हैंड सैनेटाइजर या हाथ धोने की व्यवस्था करना होगा। सभी स्टाफ के लिए मास्क पहनना अनिवार्य करने और सबसे ज्यादा छूने में आने वाले स्थानों को दिन में दो बार कीटाणुमुक्त बनाने का प्रावधान भी करना होगा।

सुरक्षा स्टोर में सिर्फ किराना दुकानों को ही नहीं बल्कि टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद की दुकानों, कपड़ों और सैलून को भी शामिल करने की योजना है। एक प्रमुख एफएमसीजी कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने इस योजना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, 'सरकार सुरक्षा स्टोर और सुरक्षा चक्र बनाने की योजना पर काम कर रही है। 50 से ज्यादा प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों से इसके लिए संपर्क किया गया है। हम सरकार के साथ हैं और अपनी मंजूरी दे चुके हैं।' एफएमसीजी कंपनियों से इसके लिए लोगों को प्रशिक्षण और सुरक्षा किट देने के लिए भी कहा जाएगा।

केरल में जांच के घेरे में आईं एंबुलेंस

तिरुवनंतपुरम/कोझिकोड, 12 मार्च (भाषा)।

केरल में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन बंदी के बीच मरीजों के बजाय लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचा रही कुछ एंबुलेंसों को जब्त किए जाने के बाद ये पुलिस जांच के घेरे में आ गई हैं। लोगों से बड़ी धनराशि वसूल कर उन्हें ले जाने के आरोप में एक एंबुलेंस चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

पुलिस के अनुसार, चालक ने शुरू में बताया कि गाड़ी खाली है, लेकिन एंबुलेंस में पांच लोग सवार मिले। उन्हें पोत्तम से बैठाया गया था जो तिरुवनंतमपुरम शहर में है। पुलिस ने बताया कि बंद के दौरान एंबुलेंस से केरल से लोगों को तमिलनाडु और वहां से लोगों को केरल लाया जा रहा था। गाड़ी को शनिवार आधी रात को पकड़ा गया। एंबुलेंस चालक विजेश और पांच अन्य के खिलाफ बंद का उल्लंघन करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि एंबुलेंस पर स्थानीय राजनीतिक पार्टी वैकुंठ स्वामी धर्म प्रचार सभा का स्टीकर लगा है लेकिन पार्टी के पदाधिकारियों ने इससे इनकार किया है कि गाड़ी उनकी है। एक अन्य एंबुलेंस को शनिवार को कोझिकोड जिले में पकड़ा गया, जो लोगों को एर्नाकुलम से कासरगोड ले जा रही थी।

कोरोना संक्रमित बच्ची के परिजनों पर बंद की अवहेलना का मामला दर्ज

भावनगर, 12 अप्रैल (भाषा)।

पुलिस ने गुजरात के भावनगर जिले में कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई, एक चार साल की बच्ची के परिजनों पर प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि बच्ची के परिजन पूर्णबंदी की अवहेलना कर बच्ची को लेकर एक रिश्तेदार के घर चले गए थे। घोघा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि बच्ची का पिता जो कि जमनाकुंड इलाके में कोरोना नियंत्रण क्षेत्र का निवासी है, उसने खुद को सरकारी अधिकारी बताते हुए पुलिस को शुक्रवार को एक पर्ची थमाई और मोटरसाइकिल पर अपनी पत्नी व बच्ची के साथ यहां से 18 किलोमीटर दूर घोघा में अपने रिश्तेदार के यहां पहुंच गया।

उन्होंने बताया कि शनिवार को चार साल की बच्ची घोघा में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई जांच में कोरोना वायरस संक्रमित पाई गई। साथ ही बताया कि उसे बाद में भावनगर के एक अस्पताल में पृथक केंद्र में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि बच्ची के माता-पिता और उससे संपर्क में आए दो अन्य को यहां के एक अस्पताल में पृथक रखा गया है।

रविवार को बच्ची के माता-पिता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (भादंसं) की धारा 170, धारा 269, धारा 270 और धारा 188 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि उनके खिलाफ महामारी बीमारी कानून के प्रावधानों के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

पूर्णबंदी के दौरान रविवार को सुनसान पड़ा जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग।

कोरोना से जंग के लिए प्रौद्योगिकी संस्थानों ने बनाए कई नए यंत्र

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

कोरोना विषाणु के खिलाफ मुहिम में जुटे कई संस्थान और स्टार्ट-अप साफ सफाई के लिए ड्रोन, खाने व दवाओं की आपूर्ति के लिए रोबोट व दूर से मरीजों की जांच के लिए खास आलों के साथ ही नोटों व राशन सामग्री को साफ रखने के लिए यूवी टेक्नोलॉजी से युक्त बक्सों समेत कई अभिनव प्रयोग कर रहे हैं।

अस्पतालों में विशेष संक्रमण रोधी कपड़े, कम लागत वाले कोरोना विषाणु जांच किट, कोरोना विषाणु से संक्रमित लोगों के लिए पृथक लघुकक्ष, परंपरागत ऑक्सीजन मास्क के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल हो सकने लायक बबल हेलमेट्स और सामाजिक दूरी का उल्लंघन होने पर अलार्म की तरह बजने वाले पेंडेंट कुछ ऐसे नए उत्पाद और विचार हैं जो देश में कोरोना विषाणु संक्रमण के बाद नजर आ रहे हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु द्वारा कई मोबाइल एप्लीकेशन जैसे 'गो कोरोना गो', 'संपर्क-ओ-मीटर' विकसित किए गए जिससे सामाजिक दूरी के कम होने, कोरोना विषाणु संक्रमित किसी व्यक्ति के संपर्क में आने के जोखिम की गणना के साथ ही पृथकवास के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों पर भी अधिकारियों द्वारा नजर रखी जाती है।

20 से ज्यादा तकनीकी और वैज्ञानिक संस्थान जहां कोरोना विषाणु की दवा तैयार करने के प्रयास में जुटे हैं, वहीं प्रमुख आइआइटी ने भी अपने-अपने संस्थानों में 'कोविड-19 विशेषता वाले शोध केंद्र' पहले ही स्थापित कर दिए हैं, जहां और नवोन्मेष उत्पादों को विकसित करने के लिए प्रेरणा दी जाती है।

> भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु द्वारा कई मोबाइल एप्लीकेशन जैसे 'गो कोरोना गो', 'संपर्क-ओ-मीटर' विकसित किए गए जिससे सामाजिक दूरी के कम होने, कोरोना विषाणु संक्रमित किसी व्यक्ति के संपर्क में आने के जोखिम की गणना के साथ ही पृथकवास के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों पर भी अधिकारियों द्वारा नजर रखी जाती है।
>
> पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग के एक छात्र ने 'कवच' नाम का एक उपकरण बनाया है जो सामाजिक दूरी के एक मीटर के दायरे का उल्लंघन होते ही चमकने लगेगा और उसमें कंपन होगा। पेंडेंट की तरह पहने जा सकने वाले इस उपकरण में हर 30 मिनट बाद हाथ धोने के लिए अलार्म भी बजेगा।

विषाणु के खिलाफ मुहिम में आइआइटी, गुवाहाटी ने विभिन्न ड्रोन विकसित करने में बढ़त ले ली है। आइआइटी, गुवाहाटी के निदेशक टीजी सीताराम ने बताया, 'एक समूह ने जहां बड़े क्षेत्र को संक्रमण मुक्त करने के लिए ड्रोन बनाया, एक अन्य समूह ने इंफ्रारेड कैमरे से युक्त ड्रोन तैयार किया है, जिससे मानवीय दखल के बिना बड़े समूह की थर्मल स्क्रीनिग की जा सकती है और एक बार जब बंद खत्म हो जाएगा तो शुरुआती चरण में ही कोविड-19 के मामलों में संदिग्धों की पहचान हो जाएगी।' उन्होंने कहा, 'ड्रोन में लाउडस्पीकर भी लगा है जिसका इस्तेमाल निर्देश देने के लिए भी किया जा सकता है।' उन्होंने बताया कि संस्थान के एक अन्य दल ने दो रोबोट विकसित किए हैं जिन्हें अस्पतालों के पृथक वार्ड में तैनात किया जा सकता है जिससे कोविड-19 संक्रमित मरीजों को खाना, दवा और अन्य जरूरी चीजों की आपूर्ति के साथ ही संक्रामक वस्तुओं को उनके पास से हटाया जा सकेगा।

आइआइटी रोपड़ ने बक्से के आकार का एक उपकरण विकसित किया है जिसमें पराबैंगनी कीटाणुनाशक विकिरण तकनीक लगी है। इसमें राशन और नोट समेत बाहर से लाए जाने वाले सभी सामान को डाला जा सकता है जिससे उन्हें साफ किया जा सके।

आइआइटी रोपड़ के दल के मुताबिक ट्रंक जब बाजार में आएगा तो यह 500 रुपए में उपलब्ध हो सकता है। इस बक्से के अंदर सामान को साफ होने में 30 मिनट का वक्त लगेगा जिसके बाद 10 मिनट वहीं छोड़ने के बाद इन्हें निकाला जा सकता है। आइआइटी बॉम्बे के एक स्टार्टअप ने 'डिजिटल आला' विकसित किया है जो जो दूर से ही दिल की धड़कन को सुनकर उन्हें दर्ज कर सकता है। इससे स्वास्थ्यकर्मियों के नए कोरोना विषाणु के मरीजों के संपर्क में आने का जोखिम कम हो जाएगा। आइआइटी रुड़की और कानपुर ने कम लागत वाले सचल वेंटिलेटर बनाए हैं।

पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग के एक छात्र ने 'कवच' नाम का एक उपकरण बनाया है जो सामाजिक दूरी के एक मीटर के दायरे का उल्लंघन होते ही चमकने लगेगा और उसमें कंपन होगा। पेंडेंट की तरह पहने जा सकने वाले इस उपकरण में हर 30 मिनट बाद हाथ धोने के लिए अलार्म भी बजेगा। इसमें तापमान मापने का यंत्र भी लगा है और जैसे ही उपयोगकर्ता के शरीर का तापमान तय सीमा से ज्यादा होगा उसके पास इससे एक एसएमएस पहुंच जाएगा।

'पीएम केयर फंड' का पैसा राज्यों को दिया जाए : येचुरी

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी ने कोरोना के खिलाफ अभियान के सुचारू संचालन हेतु सहायता राशि जुटाने के लिए प्रधानमंत्री के नाम पर बनाए गए कोष 'पीएम केयर' का पैसा राज्यों को देने की सरकार से मांग की है।

माकपा के महासचिव ने रविवार को कहा कि आर्थिक तंगी के बावजूद कोरोना के विरुद्ध संघर्ष में राज्यों ने अग्रिम स्तर पर मोर्चा संभाला हुआ है। उन्होंने वस्तु व सेवा कर के बकाए का भी पैसा केंद्र द्वारा राज्यों को नहीं दिए जाने पर ट्वीट कर कहा, 'यह आपराधिक है और स्वयं को हराने के समान है। केंद्र सरकार को प्रधानमंत्री के नाम पर गठित कोष में एकत्र किए गए हजारों करोड़ रुपए की राशि और उनका बकाया राज्यों को तत्काल देना चाहिए।

उन्होंने पिछले वित्त वर्ष में जीएसटी से हुए राज्यों को नुकसान की भरपाई के रूप में 30 हजार करोड़ रुपए के बकाए का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र को संकट की इस घड़ी मे आर्थिक तंगी से जूझ रहे राज्यों को जीएसटी सहित कानून के मुताबिक अन्य बकायों का भी राज्यों को भुगतान करना चाहिए। उन्होंने केंद्र द्वारा राज्यों के बकाए का भुगतान नहीं करने को अस्वीकार्य बताते हुए कहा, 'राज्य तमाम आर्थिक संकटों के बावजूद कोरोना के खिलाफ अग्रिम मोर्चे पर लड़ रहे हैं।

www.readwhere.com

PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR THE ATTENTION OF THE EQUITY SHAREHOLDERS/BENEFICIAL OWNERS OF THE EQUITY SHARES OF

POLYPLEX

POLYPLEX CORPORATION LIMITED

Corporate Identification Number (CIN): L25209UR1984PLC011596
Registered Office: Lohia Head Office,
Distt. Udham Singh Nagar, Uttarakhand, Khatima-262308
Corporate Office: B-37, Sector - 1, Noida - 201 301,
Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh, India
Telephone: +91.120.2443716-19 Fax: +91.120.2443723 & 24
Website: www.polyplex.com • Email: akgurnani@polyplex.com
Company Secretary and Compliance Officer: Mr. Ashok Kumar Gurnani

PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR THE ATTENTION OF EQUITY SHAREHOLDERS / BENEFICIAL OWNERS OF EQUITY SHARES OF POLYPLEX CORPORATION LIMITED FOR THE BUY-BACK OF EQUITY SHARES FROM THE OPEN MARKET THROUGH STOCK EXCHANGES UNDER THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (BUY-BACK OF SECURITIES) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED.

This public announcement (the "**Public Announcement**") is made in relation to the buy-back of equity shares (as defined below) by Polyplex Corporation Limited (the "**Company**") from BSE Limited ("**BSE**") and the National Stock Exchange of India Limited ("**NSE**") (together, the "**Stock Exchanges**"), pursuant to the provisions of Regulation 16(iv) (a) read with Regulation 16(iv)(b) of the Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018, as amended (the "**SEBI Buy-Back Regulations**"), and contains the disclosures as specified in the applicable provisions of Schedule IV to the SEBI Buy-Back Regulations.

OFFER FOR BUY-BACK OF EQUITY SHARES FROM OPEN MARKET THROUGH STOCK EXCHANGES

Part A - Disclosures in accordance with Schedule I of the SEBI Buy-Back Regulations

1. DETAILS OF BUY-BACK OFFER AND OFFER PRICE

1.1 The board of directors of the Company (hereinafter referred to as the "**Board**" or "**Board of Directors**"), at their meeting held on **April 9, 2020** (the "**Board Meeting**"), has approved the proposal for buy-back of its own fully paid-up equity shares of face value of ₹10 each ("**Equity Shares**") in accordance with Article 4 of the Articles of Association of the Company, the provisions of Sections 68, 69 and 70 of the Companies Act, 2013, as amended ("**Companies Act**") and the applicable rules thereunder, in compliance with the SEBI Buy-back Regulations and subject to such other approvals, permissions, sanctions and filings as may be necessary under the SEBI Buy-back Regulations, Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as amended ("**SEBI LODR**"), Reserve Bank of India ("**RBI**"), the Securities and Exchange Board of India ("**SEBI**"), Registrar of Companies, Uttarakhand (the "**ROC**"), Stock Exchanges where the Equity Shares of the Company are listed etc. as may be required and further subject to such conditions as may be prescribed while granting such Board approval which may be agreed by the Board of Directors of the Company.

1.2 The Board in the aforementioned meeting, have approved the Buy-back by the Company of its fully paid-up Equity Shares for an aggregate amount not exceeding ₹5,481.50 Lakhs (Rupees Fifty Four Crore Eighty One Lakh and Fifty thousand Only) ("**Maximum Buy-back Size**"), being 9.9924% and 2.3949% of the total paid-up share capital and free reserves of the Company based on the audited standalone and consolidated financial statements of the Company respectively, as at March 31, 2019 (being the date of the last audited financial statements of the Company), for a price not exceeding ₹475/- (Rupees Four Hundred and Seventy Five only) per Equity Share ("**Maximum Buy-back Price**") from all shareholders of the Company excluding promoters, promoter group and persons who are in control of the Company ("**Promoters**"), as the terms are respectively defined in the SEBI Buy-back Regulations ("**Buy-back**"). The Maximum Buy-back Size does not include any other expenses incurred or to be incurred for the Buy-back like filing fees payable to SEBI, Stock Exchanges fees, advisors' fees, public announcement, publication expenses, transaction cost viz., brokerage, applicable taxes such as securities transaction tax, stamp duty, income tax, Buy-back tax etc., and any other incidental and related expenses ("**Transaction Costs**"). The Buy-back period is from **April 9, 2020**, i.e., the date of the Board approval up to the date on which the final payment of consideration for the Equity Shares bought back by the Company is made ("**Buy-back Period**").

1.3 The aggregate maximum amount of the Buy-back is less than 10% of the total paid-up capital and free reserves of the Company. The Company will comply with the requirement of maintaining a minimum public shareholding of at least 25% of the total paid-up equity share capital of the Company as provided under Regulation 38 of the SEBI LODR during the Buy-back Period and upon completion thereof.

1.4 The Buy-back will be implemented by the Company from its free reserves in accordance with Regulation 4(ix) of the SEBI Buy-back Regulations and in accordance with Regulation 4(iv)(b)(ii) of the SEBI Buy-back Regulations, through open market purchases from the Stock Exchanges, using the order matching mechanism except "all or none" order matching system, as provided under the SEBI Buy-back Regulations. Further, as required under the Companies Act and SEBI Buy-back Regulations, the Company shall not purchase Equity Shares which are locked-in or non-transferable, in the Buy-back, until the pendency of the lock-in or until the Equity Shares become transferable, as applicable. There are no partly paid-up Equity Shares with calls in arrears of the Company.

1.5 A copy of this Public Announcement is available on Company's website (www.polyplex.com) and is expected to be available on the website of SEBI (www.sebi.gov.in) during the Buy-back Period.

2. NECESSITY FOR THE BUY-BACK

2.1 In continuation of the Company's efforts to effectively utilize its resources, it is proposed to Buy-back its own Equity Shares for an aggregate amount not exceeding the Maximum Buy-back Size being 9.9924% and 2.3949% of the paid-up share capital and free reserves based on the audited financial statements of the Company as at March 31, 2019 on standalone and consolidated basis respectively, from the open market through Stock Exchanges. Having regard to the healthy cash flows that the Company has been able to consistently generate, the future projected cash flows of the Company and the anticipated funds required for capital expenditure and working capital to meet the expected future growth of the Company, the Buy-back is expected to achieve the following objectives:

(a) optimize returns to shareholders;

(b) enhance overall shareholders value; and

(c) optimize the capital structure. The Company will implement the Buyback out of its Free Reserves through utilization of cash, sale of liquid investments held and internal accruals of the Company.

The Company believes that the Buy-back will create long term value for shareholders. The Buy-back is not likely to cause any material impact on the profitability/ earnings of the Company except a reduction in the investment income, which the Company could have otherwise earned on the amount distributed towards the Buy-back. The Buy-back will not in any manner impair the ability of the Company to pursue growth opportunities or meet its cash requirements for business operations and for continued capital investment, as and when required.

2.2 At the Maximum Buy-back Price and for Maximum Buy-back Size, the indicative maximum number of Equity Shares bought back would be 11,54,000 (Eleven Lakh Fifty Four Thousand) Equity Shares ("**Maximum Buy-back Shares**").

2.3 Further, in accordance with Regulation 15 of the SEBI Buy-back Regulations, the Company shall utilize at least 50% of the amount earmarked as the Maximum Buy-back Size for the Buy-back, i.e. ₹2,740.75 Lakhs (Rupees Twenty Seven Crore Forty Lakh and Seventy Five Thousand only) ("**Minimum Buy-back Size**") and based on the Minimum Buy-back Size and the Maximum Buy-back Price, the Company will purchase a minimum of 5,77,000 (Five Lakh Seventy Seven Thousand) Equity Shares ("**Minimum Buy-back Shares**") in the Buy-back.

2.4 The actual number of Equity Shares bought back during the Buy-back will depend upon the actual price, excluding the Transaction Costs, paid for the Equity Shares bought back and the aggregate consideration paid in the Buy-back, subject to the Maximum Buy-back Size. The actual reduction in outstanding number of Equity Shares would depend upon the price at which the Equity Shares of the Company are traded at the Stock Exchanges as well as the total number of Equity Shares bought back by the Company from the open market through the Stock Exchanges during the Buy-back Period.

3. BASIS FOR ARRIVING AT THE MAXIMUM BUY-BACK PRICE AND OTHER DETAILS

3.1 The Maximum Buy-back Price of ₹475/- (Rupees Four Hundred and Seventy Five only) per Equity Share has been arrived at after considering various factors, including average of the weekly high and low of the closing share price of the Equity Shares of the Company on the Stock Exchanges, the net worth of the Company and the potential impact of the Buy-back on the EPS of the Company. The Maximum Buy-back Price excludes the Transaction Costs.

3.2 The Maximum Buy-back Price is at a premium of 49.04% and 49.11% over the closing prices on BSE Limited ("**BSE**") (i.e. ₹318.70 (Rupees Three Hundred Eighteen and paisa Seventy only) and the National Stock Exchange of India Limited ("**NSE**") (i.e. ₹318.55 (Rupees Three Hundred and Eighteen and paisa Fifty Five only), respectively, on April 3, 2020 which is one trading day prior to the date on which the notice of the Board Meeting to consider the Buy-back proposal was intimated to the BSE and the NSE. The Maximum Buy-back Price is at a premium of 42.90% and 42.99%, compared to the average of the weekly high and low of the closing prices of the Equity Shares of the Company on the Stock Exchanges during the 2 (two) weeks preceding the date of the Board Meeting on BSE and NSE respectively.

3.3 The Buy-back is proposed to be completed within a maximum period of six (6) months from the date of opening of the Buy-back. Subject to the Maximum Buy-back Price of ₹475/- (Rupees Four Hundred and Seventy Five only) per Equity Share for the Buy-back and maximum validity period of six (6) months from the date of opening of the Buy-back and achievement of the Minimum Buy-back Size, the actual time frame and the price for the Buy-back will be determined by the Board or the authorized representatives of the Board, at their discretion, in accordance with the SEBI Buy-back Regulations.

3.4 The amount required by the Company for the Buy-back (including the cost of financing the Buy-back and the Transaction Costs) will be through utilization of cash, sale of liquid investments held and internal accruals of the Company. The Company confirms that as required under Section 68(2)(d) of the Companies Act and under Regulation 4(ii) of the SEBI Buy-back Regulations, the ratio of the aggregate of secured and unsecured debts owed by the Company shall not be more than twice the paid-up equity share capital and free reserves post Buy-back on standalone and consolidated basis.

4. PROMOTER SHAREHOLDING AND OTHER DETAILS

4.1 Details of aggregate shareholding of the promoter, promoter group and of the directors of the corporate promoters, and of persons who are in control of the Company as on the date of Board Meeting approving the Buy-back is as below:

Sr. No.	Name of the Promoters / Promoter Group / Directors of Corporate Promoters / Persons in control	Number of Equity Shares	% Equity Shareholding in the Company
A.	**Promoters**		
1.	Mr. Sanjiv Saraf	3,25,138	1.02
	Total (A)	**3,25,138**	**1.02**
B.	**Promoter Group**		
1.	Mahalaxmi Trading & Investments Co. Limited, Mauritius	76,22,390	23.83
2.	Secure Investments Limited, Mauritius	55,35,744	17.31
3.	Sanjiv Sarita Consulting Private Limited, India	13,90,924	4.35
4.	Utkarsh Trading & Holdings Limited, India	4,11,278	1.28
5.	Bhilangana Hydro Power Limited, India	2,08,000	0.65
6.	Ms. Amla Saraf	2,59,000	0.81
7.	Ms. Sakhi Saraf	2,45,000	0.77
8.	Mr. Sanjiv Chadha	4,000	0.01
9.	Mr. Narayandas Durgaprasadji Saraf	20	0.00
10.	Ms. Urmiladevi Narayandas Saraf	20	0.00
11.	Ms. Sarita Saraf	20	0.00
	Total (B)	**1,56,76,396**	**49.01**
	Total of Promoter & Promoter Group (A+B)	**1,60,01,534**	**50.02**
C.	**Directors Of Corporate Promoters (Other than at A and B above)**		
1.	Ashok Kumar Gurnani*	3,152	0.01
	Total (C)	**3,152**	**0.01**
	Total (A+B+C)	**1,60,04,686**	**50.03**

*Director in Bhilangana Hydro Power Limited, Sanjiv Sarita Consulting Private Limited and Utkarsh Trading and Holdings Limited.

4.2 None of the persons mentioned in Paragraph 4.1 above, have purchased/sold any Equity Shares of the Company during a period of six months preceding the date of the Board Meeting i.e. April 09, 2020.

5. PARTICIPATION BY PROMOTERS

In accordance with the provisions of Regulation 16(ii) of the SEBI Buy-back Regulations, the Buy-back shall not be made by the Company from the promoters or persons in control of the Company.

Further, in accordance with Regulation 24(i)(e) of the SEBI Buy-back Regulations, the promoters or their associates shall not deal in the shares or other specified securities of the Company in the stock exchange or off-market, including inter-se transfer of shares, during the period from the date of Board approval till the closing of the Buy-back.

6. NO DEFAULTS

The Company confirms that there are no defaults subsisting in the repayment of deposits or interest payable thereon, redemption of debentures or preference shares, payment of dividend to any shareholder or repayment of any term loan or interest payable thereon to any financial institution or banking company.

7. CONFIRMATION BY THE BOARD OF DIRECTORS OF THE COMPANY

7.1 The Board has confirmed on the date of the Board Meeting, i.e. April 9, 2020 that they have made full inquiry into the affairs and prospects of the Company and that they have formed the opinion:

7.1.1 that immediately following the meeting of the Board of Directors is convened there will be no grounds on which the Company can be found unable to pay its debts;

7.1.2 as regards the Company's prospects for the year immediately following the date that, having regard to the Board's intentions with respect to the management of the Company's business during that year and to the amount and character of the financial resources which will in their view be available to the Company during that year, the Company will be able to meet its liabilities as and when they fall due and will not be rendered insolvent within a period of one year from that; and

7.1.3 in forming its opinion aforesaid, the directors shall take into account the liabilities as if the Company was being wound up under the provisions of the Companies Act or the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 (including prospective and contingent liabilities).

8. REPORT BY THE COMPANY'S AUDITORS

8.1 The text of the report dated April 9, 2020 received from M/s S.S. Kothari Mehta & Company, the statutory auditor of the Company, addressed to the Board of Directors of the Company is reproduced below:

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

To
The Board of Directors
Polyplex Corporation Limited
Noida – 201 301, U.P
India

Report on proposed Buy Back of Equity Shares pursuant to the requirements of the Companies Act, 2013 (as amended) (the "Act") and Clause (xi), Schedule I to the Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018 (the "SEBI Buyback Regulations")

Introduction:

1. This report is issued in accordance with the terms of our engagement dated April 7, 2020.

2. We have been engaged by Polyplex Corporation Limited (the "Company") to perform a reasonable assurance engagement on determination of the amount of permissible capital payment in connection with the proposed buy back by the Company of its equity shares in pursuance of the provisions of Section 68 and 70 of the Act and the SEBI Buyback Regulations.

3. The management of the Company has prepared the accompanying Annexure A - Statement of permissible capital payment as on March 31, 2019 ('the Statement') pursuant to the proposed buy- back of equity shares approved by the board of directors of the Company ("Board of Directors") at their meeting held on April 9, 2020, in accordance with the provisions of sections 68, 69 and 70 of the Act and the SEBI Buyback Regulations. The Statement contains the computation of amount of permissible capital payment towards buy-back of equity shares in accordance with the requirements of section 68(2) of the Act, Regulation 4(i) & 5(i)(b) of the SEBI Buyback Regulations and based on the latest audited standalone and consolidated financial statements for the year ended March 31, 2019. We have initialled the Statement for the identification purposes only.

Management's Responsibility:

4. The preparation of the Statement in accordance with Section 68 (2) of the Act and in compliance of the SEBI Buyback Regulations, is the responsibility of the Management of the Company, including the computation of the amount of permissible capital payment, the preparation and maintenance of all accounting and other relevant supporting records and documents. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of the internal control relevant to the preparation and presentation of the Statement and applying an appropriate basis of preparation; and making estimates that are reasonable in the circumstances.

5. The Board of Directors is also responsible to make a full inquiry into the affairs and prospects of the Company and to form an opinion on reasonable grounds that the Company will be able to pay its debts from the date of Board meeting and will not be rendered insolvent within a period of one year from the date of the Board meeting at which the proposal for buyback was approved by the Board of Directors of the Company and in forming the opinion, it has taken into account the liabilities (including prospective and contingent liabilities) as if the Company were being wound up under the provisions of the Act or the Insolvency and Bankruptcy Code 2016. Further, a declaration is required to be signed by at least two directors of the Company in this respect in accordance with the requirements of the section 68 (6) of the Act and the SEBI Buy-back Regulations.

Auditor's Responsibility:

6. Pursuant to the requirement of the SEBI Buyback Regulations, it is our responsibility to provide reasonable assurance that:

(a) the amount of capital payment for the buy back, as stated in **Annexure A** has been determined considering the Audited Financial Statements for the year ended March 31, 2019, and is within the permissible limit computed in accordance with the provisions of Section 68 of the Act and Regulation 4(i) & 5(i)(b) of the SEBI Buyback Regulations;

(b) the Board of Directors in their meeting held on April 9, 2020 have formed their opinion, as specified in Clause (x) of Schedule I of the SEBI Buyback Regulations, on reasonable grounds that the Company having regard to its state of affairs will not be rendered insolvent within a period of one year from the aforesaid date.

7. A reasonable assurance engagement involves performing procedures to obtain sufficient appropriate evidence so as to reduce the engagement risk to an acceptably low level for arriving at positive form of expression of conclusion on the matters mentioned in paragraph 6 above. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks associated with the assignment. Within the scope of our work, we performed the following procedures:

(a) Examined authorisation for buy back from the Articles of Association of the Company;

(b) Examined that the amount of capital payment for the buy-back as detailed in the Statement is within the permissible limit computed in accordance with section 68(2) of the Act and Regulation 4(i) & 5(i)(b) of the SEBI Buyback Regulations;

(c) Examined that the ratio of the secured and unsecured debt owed by the Company is not more than twice the paid-up capital and its free reserves after such buy-back;

(d) Examined that all the shares for buy-back are fully paid-up;

(e) Inquired into the state of affairs of the Company in relation to the audited standalone and consolidated financial statements for the year ended March 31, 2019 and limited review of unaudited standalone and consolidated financials for the six and nine months period ending September 30, 2019 and December 31, 2019, respectively;

(f) Agreed the balance of the Statement of Profit and Loss, Securities Premium Account and General Reserve as at March 31, 2019 as disclosed in the Statement with the audited financial statements;

(g) Examined resolutions passed in the meetings of the Board of Directors in this regard. We have not carried out any procedures as regards to the projections approved by the Board of Directors and accordingly do not certify the same;

(h) Inquired if the Board of Directors of the Company, in its meeting held on April 9, 2020, has formed the opinion as specified in Clause (x) of Schedule I to the SEBI Buy-back Regulations, on reasonable grounds and that the Company will not, having regard to its state of affairs, be rendered insolvent within a period of one year from the aforesaid date of the board meeting and the date on which the results of the shareholders' resolution with regard to the proposed buy-back will be declared;

(i) Obtained Directors' declarations for the purpose of buy-back and solvency of the Company; and

(j) Obtained appropriate representations from the management of the Company.

8. The audited financial statements, referred to in paragraph 6 and 7 above, have been audited by us, on which we have issued unmodified audit opinion vide our reports dated May 17, 2019. Our audit of these financial statements was conducted in accordance with the Standards on Auditing specified under Section 143(10) of the Act and other applicable authoritative pronouncements issued by the Institute of Chartered Accountants of India (the 'ICAI'). Those Standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. Such audit was not planned and performed in connection with any transactions to identify matters that maybe of potential interest to third parties.

9. The unaudited financial statements, referred to in paragraph 7 above, have been reviewed by us, on which we have issued an unmodified conclusion vide our report dated November 14, 2019 and February 13, 2020. We conducted our review in accordance with Standards on review engagement (SRE) 2410 "Review of Interim Financial Information Performed by the Independent Auditor of the Entity" issued by the Institute of Chartered Accountants of India. These standards require that we plan and perform the review to obtain moderate assurance as to whether the financial statements are free of material misstatement. A review is limited primarily to inquiries of the company personnel and analytical procedures applied to financial data and thus provide less assurance than an audit. We have not performed an audit and accordingly, we do not express an audit opinion.

10. We, having regard to paragraph 7 above, have conducted examination of the Statement in accordance with the Guidance Note on Reports or Certificates for Special Purposes, issued by the Institute of the Chartered Accountants of India (the ICAI). The Guidance Note requires that we comply with the ethical requirements of the Code of Ethics issued by the ICAI.

11. We have complied with the relevant applicable requirements of the Standard on Quality Control (SQC) 1, Quality Control for Firms that Perform Audits and Reviews of Historical Financial Information, and Other Assurance and Related Services Engagements.

Opinion

12. Based on our examination as stated above and the representation, information and explanations given to us, we report that:

(a) We have inquired into the state of affairs of the Company in relation to audited standalone and consolidated financial for the year ended March 31, 2019;

(b) the amount of the permissible capital payment towards the proposed buy-back of equity shares as computed in the accompanying Statement, has been determined in accordance with the requirements of section 68(2) of the Act and Regulation 4(i) & 5(i)(b) of the SEBI Buy-back Regulations based on the audited financial statements for the year ended March 31, 2019;

(c) the Board of Directors, in their meeting held on April 9, 2020, have formed the opinion, as specified in clause (x) of Schedule I of the SEBI Buyback Regulations, on reasonable grounds that the Company will not, having regard to its state of affairs, be rendered insolvent within a period of one year from the aforesaid date of the meeting of the Board of Directors; and

(d) we are not aware of anything to indicate that the opinion expressed by the Directors in the declaration as to any of the matters mentioned therein is unreasonable in the circumstances as at the date of declaration.

Restriction on use:

13. Our work was performed solely to assist you in meeting your responsibilities in relation to your compliance with the provisions of section 68 and other applicable provisions of the Act read with rule 17 of the Companies (Share Capital and Debentures) Rules, 2014 (as amended) and the SEBI Buyback Regulations, pursuant to the proposed buyback of equity shares. Our obligations in respect of this report are entirely separate, and our responsibility and liability is in no way changed by, any other role we may have as auditors of the Company or otherwise. Nothing in this report, nor anything said or done in the course of or in connection with the services that are the subject of this report, will extend any duty of care we may have in our capacity as auditors of the Company.

14. This report is addressed to and provided to the Board of Directors of the Company solely for the purpose of enabling it to comply with the aforesaid requirements and to include this report in, pursuant to the requirements of the SEBI Buy-back Regulations, (a) public announcement to be made to the shareholders of the Company to be filed with the Securities and Exchange Board of India, BSE Limited and National Stock Exchange of India Limited, as required by the SEBI Buyback Regulations, and (b) for providing to the manager to the buyback. Accordingly, this report may not be suitable for any other purpose, and therefore, should not be used, referred to or distributed for any other purpose or to any other party without our prior written consent. Accordingly, we do not accept or assume any liability or any duty of care for any other purpose for which or to any other person to whom this report is shown or into whose hands it may come without our prior consent in writing.

For S.S. Kothari Mehta & Company
Chartered Accountants
Firm's Registration Number: 000756N
UDIN: 20093214AAAAAI3003
Partner Yogesh Kr. Gupta
Membership Number: 093214

Place: Faridabad (Haryana)
Dated: April 9, 2020

Annexure A - Statement of Permissible Capital Payment

Computation of amount of permissible capital payment for the buy-back of equity shares in accordance with Section 68 (2) of the Companies Act, 2013 and Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018 based on audited standalone & consolidated Ind AS financial statements as at and for the year ended 31st March, 2019:

(INR in Lakhs)

Particulars	Standalone	Consolidated
A. Paid up equity capital as at 31st March 2019 (31,984,600 equity shares of ₹10 each) and amount received on account of Forfeited Shares of INR 57.86 Lakhs	3256.32	3256.32
B. Free reserves *		
Securities premium	2348.20	13886.37
General reserve	6205.10	6205.10
Retained earnings	43046.89	205537.40
Total free reserves	**51600.19**	**225628.87**
Total paid up equity capital and free reserves (A+B)	**54856.51**	**228885.19**
Permissible capital payment towards buy back of equity shares in accordance with Section 68(2) of the Act and Regulation 5(i)(b) of the SEBI Buyback Regulations (10% of the paid-up equity capital and free reserves)	**5485.65**	**22888.52**

** considered as defined in section 2(43) of Companies Act, 2013 read with section 68 of the Companies Act, 2013, hence retained earnings are reduced to the extent of INR 456.06 Lakhs & INR 221.09 Lakhs for Standalone & Consolidated Financial Statements respectively on account of fair value changes of certain assets & liabilities and Remeasurement of Defined Benefit Obligations.*

For and on behalf of the Board of Directors
Polyplex Corporation Limited
Sd/-
Ashok Kumar Gurnani
Company Secretary

Contd.

www.readwhere.com

Part B - Disclosures in Accordance with Schedule IV of the SEBI Buy-back Regulations

9. DATE OF BOARD APPROVAL

The Board approval for the Buy-back was granted on April 9, 2020.

10. MINIMUM AND MAXIMUM NUMBER OF EQUITY SHARES PROPOSED TO BE BOUGHT BACK, SOURCES OF FUNDS AND COST OF FINANCING THE BUY-BACK

10.1 Based on the Minimum Buy-back Size and the Maximum Buy-back Price, the Company will purchase a indicative minimum of 5,77,000 (Five Lakh Seventy Seven Thousand) Equity Shares ("**Minimum Buy-back Shares**") and based on Maximum Buy-back Size and the Maximum Buy-back Price, the indicative maximum number of Equity Shares bought back would be 11,54,000 (Eleven Lakh Fifty Four Thousand) Equity Shares ("**Maximum Buy-back Shares**"). If the Equity Shares are bought back at a price below the Maximum Buy-back Price, the actual number of Equity Shares bought back could exceed the indicative Maximum Buy-back Shares or Minimum Buy-back Shares but will always be subject to the Maximum Buy-back Size. Further, the number of Equity Shares bought back will not exceed 25% of the total paid-up equity capital of the Company as on March 31, 2019.

10.2 The Company proposes to implement the Buy-back out of its free reserves. The amount required by the Company for the Buy-back (including the cost of financing the Buy-back and the Transaction Costs) will be through utilization of cash, sale of liquid investments held and internal accruals of the Company.

10.3 As mentioned in Paragraph 10.1 above, in continuation of the Company's efforts to effectively utilize its resources, it is proposed to Buy-back up to 9.9924% and 2.3949% of the paid-up share capital and free reserves based on the audited financial statements of the Company as at March 31, 2019 on standalone and consolidated basis respectively, from the open market through the Stock Exchanges. The Buy-back of Equity Shares will result in a reduction in number of shares accompanied by a likely increase in EPS and return on capital employed. The Company believes that the Buy-back will create long term value for continuing shareholders. The Buy-back is not likely to cause any material impact on the profitability/earnings of the Company except a reduction in the investment income, which the Company could have otherwise earned on the amount distributed towards the Buy-back. The Buy-back will not in any manner impair the ability of the Company to pursue growth opportunities or meet its cash requirements for business operations and for continued capital investment, as and when required.

11. PROPOSED TIMETABLE FOR BUY-BACK

Activity	Date
Date of Board Approval	Thursday, April 9, 2020
Date of publication of the Public Announcement	Monday, April 13, 2020
Date of commencement of the Buy-back	Thursday, April 16, 2020
Acceptance of Equity Shares accepted in dematerialized mode	Upon the relevant pay-out by the Stock Exchanges.
Extinguishment of Equity Shares/certificates	In case the Equity Shares bought back are in dematerialized form, the same will be extinguished in the manner specified in the Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018 and the bye-laws framed thereunder. The Company shall ensure that all the Equity Shares bought back are extinguished within seven (7) days of the expiry of the Buy-back Period.
Last Date for the Buy-back	Earlier of: (a) October 15, 2020 (i.e., 6 months from the date of the opening of the Buy-back); or (b) when the Company completes the Buy-back by deploying the amount equivalent to the Maximum Buy-back Size; or (c) at such earlier date as may be determined by the Board /or its duly authorized Buy-back committee, after giving notice of such earlier closure, subject to the Company having deployed an amount equivalent to the Minimum Buy-back Size (even if the Maximum Buy-back Size has not been reached or the Maximum Buy-back Shares have not been bought back), however, that all payment obligations relating to the shares bought back shall be completed before the last date for the Buy-back.

12. PROCESS AND METHODOLOGY TO BE ADOPTED FOR THE BUY-BACK

12.1 The Buy-back is open to all eligible shareholders of the Company holding Equity Shares in dematerialised form ("**Demat Shares**"). Shareholders holding shares in physical form can participate in the Buy-Back after such Equity Shares are dematerialized by approaching depository participant.

12.2 Further, as required under the Companies Act and SEBI Buy-back Regulations, the Company shall not purchase Equity Shares which are partly paid-up. Equity Shares with call-in-arrears, locked-in Equity Shares or non-transferable Equity Shares, in the Buy-back, until they become fully paid-up, or until the pendency of the lock-in, or until the Equity Shares become transferable, as applicable.

12.3 The Buy-back will be implemented by the Company by way of open market purchases through the Stock Exchanges, through the order matching mechanism except "all or none" order matching system, as provided under the SEBI Buy-back Regulations.

12.4 For the implementation of the Buy-back, the Company has appointed Axis Capital Limited as the registered broker ("**Company's Broker**") through whom the purchases and settlements on account of the Buy-back would be made by the Company.

The contact details of the Company's Broker are as follows:

AXIS CAPITAL

AXIS CAPITAL LIMITED
1st Floor, Axis House,
C-2 Wadia International Centre,
P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 025
Tel: +91 22 4325 5577
Fax: +91 22 4325 5599
Contact Person: Mr. Sudhir Agarwal
Email: gib@axiscap.in

12.5 The Equity Shares are traded in compulsory dematerialised mode under the trading code(s) 524051 at BSE and POLYPLEX at NSE. The ISIN of the Equity Shares of the Company is INE633B01018. For detailed procedure with respect to tendering of shares, Stock Exchanges will be issuing notice with detailed procedures. Sellers may refer the notice to understand procedure on how to tender the shares in this buyback.

12.6 The Company, shall, commencing from April 16, 2020 (i.e., the date of opening of the Buy-back), place "buy" orders on the BSE and/or NSE on the normal trading segment to Buy-back the Equity Shares through the Company's Broker in such quantity and at such price, not exceeding the Maximum Buy-back Price of ₹475/- (Rupees Four Hundred and Seventy Five only) per Equity Share, as it may deem fit, depending upon the prevailing market price of the Equity Shares on the Stock Exchanges. When the Company has placed an order for Buy-back of Equity Shares, the identity of the Company as a purchaser would be available to the market participants of the Stock Exchanges.

12.7 **Procedure for Buy-back of Demat Shares**: Beneficial owners holding Demat Shares who desire to sell their Equity Shares in the Buy-back, would have to do so through their stock broker, who is a registered member of either of the Stock Exchanges by indicating to their broker the details of the equity shares they intend to sell whenever the Company has placed a "buy" order for Buy-back of the equity shares. The Company shall place a "buy" order for Buy-back of Demat Shares, by indicating to the Company's Broker, the number of Equity Shares it intends to buy along with a price for the same. The trade would be executed at the price at which the order matches the price tendered by the beneficial owners and that price would be the Buy-back price for that beneficial owner. The execution of the order, issuance of contract note and delivery of the stock to the member and receipt of payment would be carried out by the Company's Broker in accordance with the requirements of the Stock Exchanges and SEBI.

12.8 It may be noted that a uniform price would not be paid to all the shareholders/ beneficial owners pursuant to the Buy-back and that the same would depend on the price at which the trade with that shareholder/beneficial owner was executed on Stock Exchanges.

12.9 **Procedure for Buy-back of Physical Shares:** All Eligible Shareholders of the Company holding Equity Shares in physical form should note that pursuant to provisions of the proviso to Regulation 40(1) of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as amended from time to time ("SEBI Listing Regulations") read with press release no. 12/2019 dated March 27, 2019 issued by SEBI, with effect from April 1, 2019, the request for transfer of securities shall not be processed unless the securities are held in dematerialised form with a depository. Accordingly, the Company shall not accept the Equity Shares tendered under the Buy-Back unless such Equity Shares are in dematerialised form.

ACCORDINGLY, ALL ELIGIBLE SHAREHOLDERS OF THE COMPANY HOLDING EQUITY SHARES IN PHYSICAL FORM AND DESIROUS OF TENDERING THEIR EQUITY SHARES ARE ADVISED TO APPROACH THE CONCERNED DEPOSITORY PARTICIPANT TO HAVE THEIR EQUITY SHARES DEMATERIALIZED. IN CASE ANY ELIGIBLE SHAREHOLDER HAS SUBMITTED EQUITY SHARES IN PHYSICAL FORM FOR DEMATERIALIZATION, SUCH ELIGIBLE SHAREHOLDERS SHOULD ENSURE THAT THE PROCESS OF DEMATERIALIZATION IS COMPLETED WELL IN TIME SO THAT THEY CAN PARTICIPATE IN THE BUY-BACK BEFORE BUY-BACK CLOSING DATE.

12.10 Shareholders are requested to get in touch with the Merchant Banker of the Buy-back or the Company's Broker or the Investor Service Centre to clarify any doubts in the process.

12.11 Subject to the Company purchasing Equity Shares for an amount equivalent to the Minimum Buy-back Size, nothing contained herein shall create any obligation on the part of the Company or the Board to Buy-back any Equity Shares or confer any right on the part of any shareholder to have any Equity Shares bought back, even if the Maximum Buy-back Size has not been reached, and/or impair any power of the Company or the Board to terminate any process in relation to the Buy-back, to the extent permissible by law. If the Company is not able to complete the Buy-back equivalent to the Minimum Buy-back Size, the amount held in the Escrow Account up to a maximum of 2.5% of the Maximum Buy-back Size, shall be liable to be forfeited and deposited in the Investor Protection and Education Fund of SEBI or as directed by SEBI in accordance with the SEBI Buy-back Regulations.

12.12 The Company shall submit the information regarding the Equity Shares bought back by it, to the Stock Exchanges on a daily basis in accordance with the SEBI Buy-back Regulations. The Company shall also upload the information regarding the Equity Shares bought back by it on its website (www.polyplex.com) on a daily basis.

12.13 Eligible Sellers who intend to participate in the Buyback should consult their respective tax advisors for applicable taxes.

13. METHOD OF SETTLEMENT

13.1 **Settlement of Demat Shares:** The Company will pay consideration for the Buy-back to the Company's Broker on or before every pay-in date for each settlement, as applicable to the respective Stock Exchanges where the transaction is executed. The Equity Shares bought back in demat form would be transferred directly to the demat account of the Company designated for the Buyback ("Company Demat Account"), on receipt of such Demat Shares and after completion of the clearing and settlement obligations of the Stock Exchanges. Beneficial owners holding Demat Shares would be required to transfer the number of such Demat Shares sold to the Company pursuant to the Buy-back, in favour of their stock broker through whom the trade was executed, by tendering the delivery instruction slip to their respective depository participant ("**DP**") for debiting their beneficiary account maintained with the DP and crediting the same to the broker's pool account as per procedure applicable to normal secondary market transactions. The beneficial owners would also be required to provide to the Company's Broker, copies of all statutory consents and approvals required to be obtained by them for the transfer of their Equity Shares to the Company.

13.2 **Extinguishment of Demat Shares**: The Demat Shares bought back by the Company shall be extinguished and destroyed in the manner specified in the Securities and Exchange Board of India (Depository and Participants) Regulations, 2018 and its bye-laws, in the manner specified in the SEBI Buy-back Regulations and the Companies Act. The Company undertakes to ensure that all Demat Shares bought back by the Company are extinguished within seven (7) days of expiry of the Buy-back Period.

13.3 Consideration for the Equity Shares bought back by the Company shall be paid only by way of cash through normal banking channel.

14. Brief Information about the Company

14.1 Polyplex Corporation Limited was incorporated on October 18, 1984. The company CIN is L25209UR1984PLC011596. Polyplex Corporation Limited is one of the leading global plastic film producers. The Company is engaged in the core business of manufacturing Biaxially Oriented Polyester (BOPET) Film for flexible packaging, electrical and other industrial applications products. Our BOPET film capabilities include both thin and thick PET film in a wide range of thickness and surface properties covering a spectrum of applications. Our diversified global business portfolio includes BOPET, BOPP, Blown PP/PE and CPP films produced in plants in India, Thailand, Turkey, USA and Indonesia. Integrated downstream capabilities of Metallizing, Holography, Silicone Coating, Offline Chemical Coating, Extrusion Coating and Transfer Metallized Paper deliver further value-added/speciality products.

14.2 The Equity Shares of Company are presently listed on BSE and NSE.

14.3 On consolidated basis, for the financial years ended March 31, 2017, March 31, 2018 and March 31, 2019, the Company recorded a total income (net of Excise Duty) of ₹3,32,177 Lakhs, ₹3,61,651 Lakhs, and ₹4,73,343 Lakhs respectively, and the profit after tax (before attribution to non-controlling interest) was recorded as ₹36,139 Lakhs, ₹28,412 Lakhs, and ₹58,366 Lakhs respectively.

15. FINANCIAL INFORMATION ABOUT THE COMPANY

15.1 The Company prepares its financial statements in accordance with Indian Accounting Standards prescribed under Section 133 of the Act, read with the relevant rules issued thereunder ("Ind AS"). Financial information on the basis of audited standalone financial statements of the Company for the last three financial years ended March 31, 2019, March 31, 2018 and March 31, 2017 and the unaudited standalone financial statements for the nine (9) months ended December 31, 2019 is provided hereunder:

(₹ in Lakhs)

Particulars	Standalone			
	Unaudited	Audited		
	For the nine months ended on December 31, 2019	For the year ended on March 31, 2019	For the year ended on March 31, 2018	For the year ended on March 31, 2017
Revenue from Operations	97121	134766	108868	94360
Other Income	21026	19190	6398	5016
Total Income	**118147**	**153956**	**115266**	**99376**
Total Expense (excluding Finance Cost, Depreciation & Amortisation, Tax and Exceptional Items)	86015	120252	100996	86656
Finance Cost	225	485	1584	1903
Depreciation & Amortisation	3742	4507	4751	5277
Exceptional Items - Income / (Expense)	-	-	-	-
Profit Before Tax	28165	28712	7935	5540
Tax Expense	6955	5904	2045	967
Profit After Tax	**21210**	**22808**	**5890**	**4573**
(i) Attributable to Non-Controlling Interest	-	-	-	-
(ii) Attributable to owners of the parent	21210	22808	5890	4573
Other Comprehensive Income	-	15	24	(25)
(i) Attributable to Non-Controlling Interest	-	-	-	-
(ii) Attributable to owners of the parent	-	15	24	(25)
Total Comprehensive Income	21210	22823	5914	4548
(i) Attributable to Non-Controlling Interest	-	-	-	-
(ii) Attributable to owners of the parent	21210	22823	5914	4548
Paid-up Equity Share Capital	3256.32	3256.32	3256.32	3256.32
Other Equity	Not available	52041.55	43626.22	40615.07
Free reserves and Securities premium #	Not available	51600.19	43854.20	40591.47
Other Reserves	Not available	441.36	(227.98)	23.60
Non-controlling Interest	-	-	-	-
Net worth *	Not available	55297.87	46882.54	43871.39
Total debt	Not available	21763.24	21813.25	20492.06
- Secured Loans	Not available	20986.12	15202.90	19492.06
- Unsecured Loans	Not available	777.12	6610.35	1000.00

#considered as defined in section 2(43) of Companies Act, 2013 read with section 68 of the Companies Act, 2013. Accordingly, retained earnings as per standalone Ind AS Financial Statements as on March 31, 2019, 2018 and 2017 are reduced to the extent of INR 456.08 Lakh, INR (228.35) Lakh and INR (1.18) Lakhs respectively on account of fair value changes of certain assets & liabilities and Remeasurement of Defined Benefit Obligations

** Paid-up equity share capital, securities premium and reserves excluding capital reserve, foreign currency translation reserve, legal reserve , Fair value of Investment in Debt instrument through OCI, Share warrants forfeited & OCI items routed through Retained earnings*

Financial Ratios on standalone basis are as under:

Key Ratios	Standalone			
	For the nine months ended	For the year ended	For the year ended	For the year ended
	December 31, 2019	March 31, 2019	March 31, 2018	March 31, 2017
	(Unaudited)	(Audited)	(Audited)	(Audited)
Basic Earnings per Share (INR) of ₹10 each	66.32*	71.31	18.41	14.30
Diluted Earnings per Share (INR) of ₹10 each	66.32*	71.31	18.41	14.30
Book value per Share (INR)	Not available	172.89	146.58	137.16
Debt / Equity Ratio	Not available	0.40	0.46	0.47
Return on Net Worth (%)	Not available	41.25%	12.56%	10.42%

**Not annualized*

Notes:

1. *Basic Earnings per Share (INR) = Net Profit After Tax attributable to equity shareholders / Weighted average number of Shares outstanding during the year*
2. *Diluted Earnings per Share (INR) = Net Profit After Tax attributable to equity shareholders / Weighted average number of Shares, including potential equity shares, outstanding, during the year*
3. *Book value per Share (INR) = Net Worth (Paid-up equity share capital, securities premium and reserves excluding capital reserve, foreign currency translation reserve, legal reserve , Fair value of Investment in Debt instrument through OCI, Share warrants forfeited & OCI items routed through Retained earnings) / Number of Equity Shares outstanding at year end*
4. *Total Debt-Equity Ratio = Total Debt / Equity (Paid-up equity share capital, free reserves and securities premium)*
5. *Return on Net Worth (%) = Net Worth (Paid-up equity share capital, securities premium and reserves excluding capital reserve, foreign currency translation reserve, legal reserve , Fair value of Investment in Debt instrument through OCI, Share warrants forfeited & OCI items routed through Retained earnings) / Number of Equity Shares outstanding at year end*

15.2 The Company prepares its financial statements in accordance with Indian Accounting Standards prescribed under Section 133 of the Act, read with the relevant rules issued thereunder ("Ind AS"). Financial information on the basis of audited consolidated financial statements of the Company for the last three financial years ended March 31, 2019, March 31, 2018 and March 31, 2017 and the unaudited consolidated financial statements for the nine (9) months ended December 31, 2019 is provided hereunder.

(INR in Lakhs)

Particulars	Consolidated			
	Unaudited	Audited		
	For the nine months ended on December 31, 2019	For the year ended on March 31, 2019	For the year ended on March 31, 2018	For the year ended on March 31, 2017
Revenue from Operations	329719	456989	357234	320099
Other Income	10341	16354	4417	12078
Total Income	340060	473343	361651	332177
Total Expense (excluding Finance Cost, Depreciation & Amortisation, Tax and Exceptional Items)	266362	383852	307817	275828
Finance Cost	1331	2908	3943	4702
Depreciation & Amortisation	17044	20910	18501	19663
Exceptional Items - Income / (Expense)	-	-	-	5628
Profit Before Tax	55323	65673	31390	37612
Tax Expense	8088	7307	2978	1473
Profit After Tax	47235	58366	28412	36139
(i) Attributable to Non-Controlling Interest	21328	25362	12466	12968
(ii) Attributable to owners of the parent	25907	33004	15946	23171
Other Comprehensive Income	9461	1197	22836	(13550)
(i) Attributable to Non-Controlling Interest	3330	(2494)	11317	(5114)
(ii) Attributable to owners of the parent	6131	3691	11519	(8436)
Total Comprehensive Income	56696	59563	51248	22589
(i) Attributable to Non-Controlling Interest	24658	22868	23783	7854
(ii) Attributable to owners of the parent	32038	36695	27465	14735
Paid-up Equity Share Capital	3256.32	3256.32	3256.32	3256.32
Other Equity	Not available	225905.41	207295.41	194228.72
Free reserves and Securities premium #	Not available	225628.87	207523.39	194179.14
Other Reserves	Not available	276.54	(227.98)	49.58
Non-controlling Interest	Not available	123518.76	107221.39	88487.21
Net worth *	Not available	229161.73	210551.73	197485.04
Total debt	Not available	78573.62	86234.38	81011.50
- Secured Loans	Not available	53392.82	56026.12	80011.50
- Unsecured Loans	Not available	25180.80	30208.26	1000.00

#considered as defined in section 2(43) of Companies Act, 2013 read with section 68 of the Companies Act, 2013. Accordingly, retained earnings as per consolidated Ind AS Financial Statements as on March 31, 2019, 2018 and 2017 are reduced to the extent of INR 221.08 Lakh, INR (185.17) Lakh and INR 26.67 Lakhs respectively on account of fair value changes of certain assets & liabilities and Remeasurement of Defined Benefit Obligations

** Paid-up equity share capital, securities premium and reserves excluding capital reserve, foreign currency translation reserve, legal reserve , Fair value of Investment in Debt instrument through OCI, Share warrants forfeited & OCI items routed through Retained earnings*

Financial Ratios on consolidated basis are as under:

Key Ratios	Consolidated			
	For the nine months ended	For the year ended	For the year ended	For the year ended
	December 31, 2019	March 31, 2019	March 31, 2018	March 31, 2017
	(Unaudited)	(Audited)	(Audited)	(Audited)
Basic Earnings per Share (INR) of ₹10 each	81.00*	103.18	49.85	72.44
Diluted Earnings per Share (INR) of ₹10 each	81.00*	103.18	49.85	72.44
Book value per Share (INR)	Not available	716.48	658.29	617.44
Debt / Equity Ratio	Not available	0.34	0.41	0.41
Return on Net Worth (%)	Not available	16.55%	8.94%	12.64%

**Not annualized*

Notes:

1. *Basic Earnings per Share (INR) = Net Profit After Tax attributable to equity shareholders / Weighted average number of Shares outstanding during the year*
2. *Diluted Earnings per Share (INR) = Net Profit After Tax attributable to equity shareholders / Weighted average number of Shares, including potential equity shares, outstanding, during the year*
3. *Book value per Share (INR) = Net Worth (Paid-up equity share capital, securities premium and reserves excluding capital reserve, foreign currency translation reserve, legal reserve , Fair value of Investment in Debt instrument through OCI, Share warrants forfeited & OCI items routed through Retained earnings) / Number of Equity Shares outstanding at year end*
4. *Total Debt-Equity Ratio = Total Debt / Equity (Paid-up equity share capital, free reserves and securities premium)*
5. *Return on Net Worth (%) = Net Worth (Paid-up equity share capital, securities premium and reserves excluding capital reserve, foreign currency translation reserve, legal reserve , Fair value of Investment in Debt instrument through OCI, Share warrants forfeited & OCI items routed through Retained earnings) / Number of Equity Shares outstanding at year end*

15.3 The Company shall comply with the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011, wherever and if applicable. The Company hereby declares that it is in compliance with Sections 68, 69 and 70 of the Companies Act and the Companies (Share Capital and Debentures) Rules, 2014.

Contd.

www.readwhere.com

विजडन ने रोहित को किया नजरअंदाज

साल के पांच क्रिकेटरों में शामिल नहीं हो पाए गांगुली और धोनी

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (भाषा)।

भारत ने 1932 में टैस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था लेकिन अभी तक उसके केवल 17 खिलाड़ी ही विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटरों की सूची में जगह बना पाए हैं। हैरानी वाली बात यह है कि इसमें सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल नहीं हैं।

दरअसल, विजडन इस सूची में जगह बनाने के लिए केवल इंग्लैंड में प्रदर्शन को महत्व देता रहा है और इसलिए एक जमाने में सुनील गावसकर ने इसकी आलोचना भी की थी। गावसकर को 1980 में विजडन के पांच क्रिकेटरों में जगह मिली थी जबकि उन्होंने 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ उसकी सरजमीं पर 774 रन बनाकर इतिहास रचा था।

भारतीय क्रिकेटरों की एक लंबी फेहरिस्त है जिन्हें विजडन के पांच क्रिकेटरों में जगह नहीं मिली। इनमें गांगुली, धोनी और रोहित के अलावा गुंडप्पा विश्वनाथ, वीरेंद्र सहवाग, स्पिन चौकड़ी में शामिल बिशन सिंह बेदी,

विजडन इस सूची में जगह बनाने के लिए केवल इंग्लैंड में प्रदर्शन को महत्व देता रहा है और इसलिए एक जमाने में सुनील गावसकर ने इसकी आलोचना भी की थी।

ईरापल्ली प्रसन्ना और एस वेंकटराघवन, हरभजन सिंह, रविचंद्रन अश्विन, जवागल श्रीनाथ, रविंद्र जडेजा, ईशांत शर्मा आदि प्रमुख हैं।

गांगुली ने तो अपने करिअर की शुरुआत भी इंग्लैंड में की थी और पहले दो टैस्ट मैचों में भी शतक जड़े थे। उन्होंने इंग्लैंड में नौ टैस्ट मैचों में 65.35 की औसत से 915 रन बनाए हैं। वनडे में उनका सर्वोच्च स्कोर 183 रन (बनाम श्रीलंका विश्व कप 1999) भी इंग्लैंड की धरती पर बना है लेकिन विजडन ने कभी भारतीय कप्तान को वर्ष के पांच क्रिकेटरों में शामिल करने के लिए उपयुक्त नहीं समझा। रोहित ने पिछले दो वर्षों में एकदिवसीय क्रिकेट में इंग्लैंड की धरतीं पर रनों का अंबार लगाया है। उन्होंने विश्व कप 2019 में पांच शतकों की मदद से 648 रन बनाए थे। लेकिन वह भी इसका हिस्सा नहीं बन सके।

गौरतलब है कि मोहिंदर अमरनाथ को 1984 में विश्व कप 1983 के सेमी फाइनल और फाइनल के प्रदर्शन के आधार पर विजडन की इस सूची में जगह मिली थी। वीवीएस लक्ष्मण ने भी कहा कि उन्हें इस साल विजडन के पांच खिलाड़ियों में रोहित का नाम नहीं देखकर हैरानी हुई।

अपनी कप्तानी का डंका दुनिया भर में बजाने वाले धोनी भी कभी विजडन की सूची में जगह नहीं बना पाए। विश्वनाथ ने अपना उच्चतम स्कोर 222 रन इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था लेकिन तब स्थान चेन्नई था लेकिन 1979 में लॉर्ड्स में खेली गई उनकी 113 रन की पारी को भला कौन भुला सकता है जिससे भारत ने मैच ड्रॉ करवाया था। सहवाग कभी विजडन के पांच क्रिकेटरों में शामिल नहीं हो पाए लेकिन उन्हें 2003 से शुरू किए गए वर्ष के अग्रणी क्रिकेटर (विजडन लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड) में दो बार (2008 और 2009) जगह मिली है। यह सम्मान सचिन तेंदुलकर (2010) और विराट कोहली (2016 से 2019) को भी मिला है।

भारत ही नहीं विश्व के कई चोटी के क्रिकेटरों को कभी विजडन के पांच क्रिकेटरों की सूची में जगह नहीं मिली। इनमें इंजमाम उल हक, एबी डिविलियर्स, डेविड वार्नर, रोस टेलर, क्रिस गेल, स्टीफन फ्लेमिंग, रंगना हेराथ, नाथन लियोन, डेनियल विटोरी, चमिंडा वास, मिशेल जॉनसन, मोर्नी मोर्कल आदि भी शामिल हैं। डिविलियर्स को हालांकि विजडन ने पिछले साल दशक के पांच क्रिकेटरों में शामिल किया था।

किर्गियोस ने वादे के मुताबिक लोगों को खाना मुहैया कराया

सिडनी, 12 अप्रैल (भाषा)।

आस्ट्रेलिया के टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस ने अपना वादा पूरा करते हुए कोविड-19 महामारी के कारण लागू प्रतिबंधों के दौरान भूख से परेशान लोगों को खाना और अन्य जरूरी सामान मुहैया कराया।

“ कृपया भूखे पेट ना सोएं। मुझे निजी संदेश भेजने में डर या शर्मिंदगी महसूस ना करें। मेरे पास जो कुछ भी है उसे साझा करने में मुझे खुशी होगी।

टेनिस कोर्ट पर विवादों के कारण सुर्खियां बटोरने वाले किर्गियोस ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में फोटो साझा किया जिसमें वितरित करने के लिए तैयार सामान दिख रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कहा कि वह निजी तौर पर जरूरतमंदों को सामान पहुंचाएंगे।

कोविड-19 के कारण आस्ट्रेलिया में लागू प्रतिबंधों से औद्योगिक इकाइयां बंद हैं जिससे बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार हो गए हैं। देश भर में कल्याणकारी भुगतान के लिए बड़ी संख्या में लोग कतार में लगे हैं जिसे देख कर स्थिति महामंदी जैसा लग रही है।

विश्व रैंकिंग में 40वें स्थान पर काबिज 24 साल के किर्गियोस ने इंस्टाग्राम पर लिखा था, ‘कृपया भूखे पेट ना सोयें। मुझे निजी संदेश भेजने में डर या शर्मिंदगी महसूस ना करें। मेरे पास जो कुछ भी है उसे साझा करने में मुझे खुशी होगी’ उन्होंने कहा कि चाहे वह नूडल्स का डब्बा हो, ब्रेड हो या दूध। मैं बिना कोई सवाल किए आपके दरवाजे पर इसे छोड़ जाऊंगा। किर्गियोस इससे पहले आस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी भीषण आग के समय भी पीड़ित लोगों की मदद के लिए आगे आए थे।

16. DETAILS OF ESCROW ACCOUNT

16.1 In accordance with Regulation 20 of the SEBI Buy-back Regulations, the Company has appointed Axis Bank Limited ("**Escrow Agent**"), having its registered office at Trishul', 3rd Floor, Opposite Samartheshwar Temple, Law Garden, Ellis Bridge, Ahmedabad 380 006, Gujarat, India, as the Escrow Agent for Buy-back, and an escrow agreement has been entered into amongst the Company, Axis Capital Limited and Escrow Agent on April 10, 2020.

16.2 In accordance with the Escrow Agreement, the Company has opened an escrow account titled "Polyplex Corporation Limited - Buyback - Escrow Account" ("**Escrow Account**") with the Escrow Agent and shall deposit therein cash aggregating to ₹1,371.00 Lakhs (Rupees Thirteen Crore and Seventy One Lakh only) ("Cash Escrow") prior to the opening of the Buy-back. In accordance with the SEBI Buy-back Regulations, the Merchant Banker to the Buyback has been empowered to operate the Escrow Account.

16.3 If the Company is not able to complete the Buy-back equivalent to the Minimum Buy-back Size, except for the reasons mentioned in the SEBI Buy-back Regulations, the amount held in the Escrow Account (up to a maximum of 2.5% of the Maximum Buy-back Size), shall be liable to be forfeited and deposited in the Investor Protection and Education Fund of SEBI or as directed by SEBI in accordance with the SEBI Buy-back Regulations.

17. LISTING DETAILS AND STOCK MARKET DATA

17.1 The Equity Shares are currently listed and traded only on the BSE and NSE.

17.2 The high, low and average of closing market prices in preceding three (3) financial years and for the six (6) months preceding the date of publication of Public Announcement and the corresponding volumes on the NSE are as follows:

Period	High Price (₹)	Date of High Price	Number of shares traded on that date	Low Price (₹)	Date of Low Price	Number of shares traded on that date	Average Price (₹)	Total Volume Traded in the period (No. of shares)
PRECEDING 3 YEARS								
FY 2020	649.85	May 27, 2019	1,97,215	291.35	March 25, 2020	81,913	492.50	13,997,535
FY 2019	648.15	September 10, 2018	2,84,012	411.90	July 03, 2018	1,31,203	501.58	12,427,581
FY 2018	593.75	January 09, 2018	2,19,481	417.40	April 03, 2017	48,205	486.65	10,135,478
PRECEDING 6 MONTHS								
March 2020	486.20	March 03, 2020	23,160	291.35	March 25, 2020	81,913	384.01	1,652,397
February 2020	561.70	February 06, 2020	50,114	493.55	February 28, 2020	119,505	531.61	1,694,740
January 2020	587.3	January 24, 2020	46,333	502.8	January 06, 2020	73,769	548.80	1,310,076
December 2019	512.80	December 30, 2019	117,961	451.80	December 06, 2019	24,949	479.89	969,335
November 2019	507.9	November 19, 2019	94,528	460.4	November 27, 2019	35,528	487.92	912,261
October 2019	489.15	October 31, 2019	61,367	420.45	October 03, 2019	64,976	454.28	981,703

Source: *NSE* (www.nseindia.com)

Note: *High and Low price for the period are based on closing prices and Average Price is based on average of closing price*

17.3 The high, low and average of closing market prices in preceding three (3) financial years and for the six (6) months preceding the date of publication of Public Announcement and the corresponding volumes on the BSE are as follows:

Period	High Price (₹)	Date of High Price	Number of shares traded on that date	Low Price (₹)	Date of Low Price	Number of shares traded on that date	Average Price (₹)	Total Volume Traded in the period (No. of shares)
PRECEDING 3 YEARS								
FY 2020	649.40	May 27, 2019	17,549	291.45	March 25, 2020	2,870	492.57	1,182,044
FY 2019	651.25	September 10, 2018	38,239	411.45	July 03, 2018	497	502.24	1,309,506
FY 2018	593.85	January 09, 2018	27,101	417.25	April 03, 2017	20,716	486.45	1,471,573
PRECEDING 6 MONTHS								
March 2020	486.20	March 03, 2020	2,634	291.45	March 25, 2020	2,870	383.73	166,154
February 2020	561.80	February 06, 2020	2,033	494.4	February 28, 2020	3,517	531.17	81,781
January 2020	587.95	January 24, 2020	2,853	503.95	January 06, 2020	4,664	546.71	88,868
December 2019	514.40	December 30, 2019	4,797	451.95	December 06, 2019	3,305	480.06	64,931
November 2019	507.5	November 19, 2019	5,478	460.15	November 27, 2019	2,343	487.87	49,054
October 2019	488.90	October 31, 2019	5,698	419.80	October 07, 2019	1,417	454.17	74,627

Source: *BSE* (www.bseindia.com)

Note: *High and Low price for the period are based on closing prices and Average Price is based on average of closing price*

17.4 The closing market price of the Equity Shares on the BSE and the NSE as on April 3, 2020, being one trading day prior to the day on which notice of Board meeting to consider the proposal for the Buyback was filed at the Stock Exchanges, was ₹318.70 (Rupees Three Hundred Eighteen and paisa Seventy only) and ₹318.55 (Rupees Three Hundred and Eighteen and paisa Fifty Five only) respectively.

17.5 The closing market price of the Equity Shares on the BSE and the NSE as on April 8, 2020, being the working day prior to the day the Board approved the proposal for Buy-back, was ₹393.85 (Rupees Three Hundred and Ninety Three and Paisa Eighty Five only) and ₹394.65 (Rupees Three Hundred and Ninety Four and Paisa Sixty Five only).

18. PRESENT CAPITAL STRUCTURE AND SHAREHOLDING PATTERN

18.1 The capital structure of the Company, as on the date of the Public Announcement is as follows:

(₹ in Lakhs)

Sr. No.	Particulars	Pre Buy-back
1.	**Authorized Share Capital:**	
	3,40,00,000 Equity Shares of ₹10 each	3400.00
	Total	**3400.00**
2	**Issued, Subscribed and Paid-up Equity Share Capital:**	
	3,19,84,600 Equity Shares ₹10 each	3198.46
	Add: Forfeited Shares (Amount originally Paid up)	57.86
	Total	**3256.32**

18.2 Assuming full acceptance in the Buy-back, the capital structure of the Company post Buy-back would be as follows:

(₹ in Lakhs)

Sr. No.	Particulars	Post Buy-back
1.	**Authorized Share Capital:**	
	3,40,00,000 Equity Shares of ₹10 each	3400.00
	Total	**3400.00**
2.	**Issued, Subscribed and Paid-up Equity Share Capital#:**	
	3,08,30,600 Equity Shares of ₹10 each#	3083.06
	Add: Forfeited Shares (Amount originally Paid up)	57.86
	Total	**3140.92**

 # Assuming the full acceptance of the Buy-back Size at the Maximum Buy-back Price. However, the post Buy-back issued, subscribed and paid-up capital may differ depending upon the actual number of Equity Shares bought back.

18.3 There are no partly paid-up or Equity Shares or calls in arrears as on the date of this Public Announcement.

18.4 There are no outstanding instruments convertible into shares.

18.5 The shareholding pattern of the Company pre Buy-back as on date of the Board meeting approving the Buy-back i.e. April 9, 2020 and the post Buy-back shareholding pattern assuming full acceptance, is as follows:

Category of Shareholder	Pre Buy-back		Post Buy-back*	
	Number of Shares	% to the existing Equity Share capital	Number of Shares	% to post Buy-back Equity Share capital
Promoters and promoter group	1,60,01,534	50.03%	1,60,01,534	51.90%
Public	1,59,83,066	49.97%	1,48,29,066	48.10%
Total	3,19,84,600	100%	3,08,30,600	100.00%

**Assuming response to the Buy-back is to the extent of 100% (full acceptance) from all the eligible shareholders of the Equity Shares at the Maximum Buy-Back Price.*

18.6 There is no pending scheme of amalgamation or compromise or arrangement pursuant to any provisions of the Companies Act.

18.7 The aggregate shareholding of the promoter, promoter group and of the directors of the corporate promoters is disclosed in Paragraph 4.1 and none of these persons have purchased or sold any Equity Shares of the Company during a period of twelve months preceding the date of the Public Announcement i.e. April 11, 2020.

19. MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS ON THE LIKELY IMPACT OF THE BUY-BACK ON THE COMPANY

19.1 The Buy-back is not likely to cause any material impact on the earnings of the Company, except a reduction in the investment income, which the Company could have otherwise earned on the amount distributed towards the Buy-back.

19.2 The Buy-back of Equity Shares will result in a reduction in share capital and consequently, is expected to be EPS accretive. The Company believes that the Buy-back will contribute to the overall enhancement of shareholders' value going forward. The amount required by the Company for the Buy-back (including the cost of financing the Buy-back and the transaction costs) will be invested out of the internal accruals of the Company. The Buy-back is not likely to cause any material impact on the earnings of the Company, except for a reduction in the investment income, which the Company could have otherwise earned on the amount distributed towards the Buy-back.

19.3 Pursuant to Regulation 16(ii) of the SEBI Buy-back Regulations, the Promoters are not entitled to participate under the Buy-back. The Buy-back of Equity Shares will not result in a change in control or otherwise affect the existing management structure of the Company.

19.4 Consequent to the Buy-back and based on the number of Equity Shares bought back from the shareholders excluding the promoters, the shareholding pattern of the Company would undergo a change, however public shareholding shall not fall below 25% of the total fully paid-up equity share capital of the Company.

19.5 As required under Section 68(2)(d) of the Companies Act, the ratio of the aggregate of secured and unsecured debts owed by the Company shall not be more than twice the paid-up equity share capital and free reserves post Buy-back.

19.6 Unless otherwise determined by the Board and the Buy-back committee, duly authorized by the Board, the Buy-back will be completed within a maximum period of six (6) months from the date of opening of the Buy-back. The Company shall not withdraw the Buy-back after this Public Announcement has been made.

19.7 Further, the Company shall not issue any equity shares or other securities including by way of bonus issue or convert any outstanding instruments into equity shares, till the expiry of the Buy-back Period in accordance with the Companies Act and the SEBI Buy-back Regulations. In compliance with the provisions of the Companies Act, the Company shall not raise further capital for a period of six (6) months from the expiry of the Buy-back period except by way of a bonus issue or in the discharge of subsisting obligations. Further, in accordance with the SEBI Buy-back Regulations, the Company shall not raise further capital for a period of one (1) year from the expiry of the Buy-back Period, except in discharge of its subsisting obligations.

19.8 Consequent to the Buy-back and based on the number of equity shares bought back by the Company from its shareholders as permitted under the SEBI Buy-back Regulations, the shareholding pattern of the Company would undergo a change.

20. STATUTORY APPROVALS

20.1 Pursuant to Sections 68, 69, 70 and other applicable provisions of the Companies Act and the Rules, if any, there under and the SEBI Buy-back Regulations, the Company has obtained the Board approval as mentioned above.

20.2 The Buy-back from each eligible shareholder of the Company is subject to all statutory consents and approvals as may be required by such shareholder under applicable laws and regulations. The shareholders shall be solely responsible for obtaining all such statutory consents and approvals (including, without limitation the approvals from the RBI, if any) as may be required by them in order to sell their equity shares to the Company pursuant to the Buy-back. Shareholders would be required to provide copies of all such consents and approvals obtained by them to the Company's Broker.

20.3 The Buy-back shall be subject to such necessary approvals as may be required and the Buy-back from overseas corporate bodies and other applicable categories, shall be subject to such approvals of the RBI, if any, under the Foreign Exchange Management Act, 1999.

20.4 To the best of the knowledge of the Company, no other statutory approvals are required by it for the Buy-back, as on the date of this Public Announcement. Subject to the obligation of the shareholders to obtain the consents and approvals necessary for transfer of their equity shares to the Company as set out in Paragraph 20.2 above, the Company shall obtain such statutory approvals as may be required, from time to time, if any, for completion of the Company's obligations in relation to the Buy-back.

21. COLLECTION AND BIDDING CENTRES

The Buy-back will be implemented by the Company by way of open market purchases through the Stock Exchanges using their nationwide trading terminals. Therefore, the requirement of having collection centres and bidding centres is not applicable.

22. COMPLIANCE OFFICER AND INVESTOR SERVICE CENTRE

Investors may contact the Compliance Officer and Investor Service Centre of the Company for any clarifications or to address their grievances, if any, during office hours i.e. 9:30 a.m. to 5:00 p.m. on all working days except Saturday, Sunday and public holidays, at the following address:

Ashok Kumar Gurnani
Company Secretary and Compliance Officer,
Address: B-37, Sector - 1, Noida, Distt. Gautam Budha Nagar, Uttar Pradesh - 201301
Email: akgurnani@POLYPLEX.com
Website: www.polyplex.com

In light of the recent events pursuant to COVID 19, in case a need is felt, the aforesaid working days and office timings may undergo change from time to time.

23. REGISTRAR TO THE BUY-BACK

In case of any query, the equity shareholders may contact the following, during office hours, i.e. 9:00 a.m. to 5:30 p.m., on any day except Saturday, Sunday and public holidays at the following address:

KFINTECH

KFIN TECHNOLOGIES PRIVATE LIMITED
(Formerly known as "Karvy Fintech Private Limited")
Selenium Tower- B, Plot No 31 & 32 Gachibowli,
Financial District Nanakramguda,
Serilingampally, Hyderabad, Telangana - 500032
Tel: 91 40 6716 2222
Fax: 91 40 343 1551
Contact person: Mr. M Murali Krishna
Email: einward.ris@kfintech.com
Website: www.kfintech.com
SEBI Registration Number: INR000000221
Corporate Identity Number: U72400TG2017PTC117649

24. MANAGER TO THE BUY-BACK

AXIS CAPITAL

AXIS CAPITAL LIMITED
1st Floor, Axis House, C-2 Wadia International Centre, P. B. Marg, Worli
Mumbai - 400 025, Maharashtra, India
Tel.: +91 22 4325 2183
Fax: +91 22 4325 3000
Contact Person: Mr. Ankit Bhatia
Email: polyplex.buyback@axiscap.in
Website: www.axiscapital.co.in
SEBI Registration Number: INM000012029

25. DIRECTORS' RESPONSIBILITY

As per Regulation 24(i)(a) of the Buy-back Regulations, the Board accepts responsibility for the information contained in this Public Announcement and for the information contained in all other advertisements, circulars, brochures, publicity materials etc. which may be issued in relation to the Buy-back and confirm that the information in such documents contains and will contain true, factual and material information and does not and will not contain any misleading information.

For and on behalf of the Board of Directors of Polyplex Corporation Limited

Sd/-	Sd/-	Sd/-
Pranay Kothari **Whole Time Director** **DIN: 00004003**	**Ranjit Singh** **Director** **DIN: 01651357**	**Ashok Kumar Gurnani** **Company Secretary and Compliance Officer** **M. No.: FCS: 2210**

Date : April 11, 2020
Place: Delhi

PRESSMAN

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 147, *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोन: (0120) 2470700/2470740, ई-मेल: edit.jansatta@expressindia.com, फैक्स: (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्ष: विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादक: मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइट: दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com